

केनरा बैंक की
द्विमासिक गृह पत्रिका
अक्टूबर 2024 – नवंबर 2024 | 297



श्रेयस
Shreyas

Canara Bank's
Bimonthly House Magazine
October 2024 - November 2024 | 297

119th संस्थापक दिवस विशेष संस्करण – भविष्य के नेतृत्वकर्ता Founders Day Special Edition – Grooming Future Leaders



श्री अम्मेम्बाल सुब्बा राव पै
Sri Ammembal Subba Rao Pai

Leading the Way : An Exclusive Conversation with
Sri K. Satyanarayana Raju
MD & CEO Canara Bank

State in focus
Andhra Pradesh



“Shreyas”
Best in house magazine award



और जानने के लिए स्कैन करें
Scan to know more



Sri. Vijay Srirangan
Non-Executive Chairman
Canara Bank

Founding Principle

*Just Wish to say
Happy Founder's Day !
Canara Bank continues to aspire
To Social Responsibilities our Founder did inspire
Our core is built this way !*



Centre of Excellence

*Launch of New Excellence Centre
Provides focus and acts as mentor
Implements Canara Bank's intent
Of staying contemporary & current
And be an education epicentre.*



ADVISORY COMMITTEE

K Satyanarayana Raju
Ashok Chandra
S K Majumdar
D Surendran
T K Venugopal
E Ramesh
Someshwara Rao Yamajala
Ipsita Pradhan
Priyadarshini R
Manish Abhimaniyu Chaurasia

EDITOR
Priyadarshini R

ASST. EDITORS
Winnie Panicker

सह संपादक (हिंदी)
मनीष अभिमन्यू चौरसिया

Edited & Published by
Priyadarshini R
Senior Manager
House Magazine & Library Section
HR Wing, HO, Bengaluru - 560 002.
Ph : 080-2223 3480
E-mail : hohml@canarabank.com
for and on behalf of Canara Bank

Design & Print by
Blustream Printing India (P). Ltd.
#1, 2nd Cross, CKC Gardens,
Lalbagh Road Cross, Bangalore - 560 008.
Ph : 080-2223 0070 / 2223 0006.

The views and opinions expressed herein are not necessarily those of the Bank. Reproduction of the matter in any manner with the permission of the editor only. For private circulation only. Not for Sale.



CONTENTS

- 2 प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संदेश / MD & CEO's Message
- 4 संपादकीय / Editorial
- 5 New CGM's and New GM's Messages
- 7 Interview with Sri K Satyanarayana Raju, MD & CEO Canara Bank
- 14 Awards
- 15 मेरे बैंक की कहानी वर्ष 1906 से 1930 तक - बी.के. उप्रेती
- 18 Time travel to Andhra Pradesh - M Kowsalya
- 20 Econ speak - Ipsita Pradhan
- 23 गजब की गुरुदक्षिणा - रोचक दीक्षित
- 25 Leader - Nature or Nurture - Sreekuttan S
- 27 मेरा भारत महान - प्रमोद रंजन
- 28 Tradition to Transformation: Grooming Leadership for Modern challenges - V Padmaja
- 30 Fun corner
- 31 आंध्र प्रदेश के पर्यटक स्थल - धीरज जुनेजा
- 35 Cartoon
- 36 Key events from the history of Canara Bank
- 38 Circle News
- 41 अंचल समाचार
- 45 Kohinoor of India - N. Lakshmi Narayanan
- 46 Grooming Future Leaders - Dhanya Palani Yadav
- 48 अरकू घाटी - प्रशांत कर्षाधन
- 51 The Rookie Officer : A Comic Journey to Leadership - Abhishek Goswami
- 53 Kalamkari - The Timeless Art Form - Mousumi Mohanty
- 55 Wisdom Capsule
- 56 Balancing Eco - Tourism & Social Development in Andhra Pradesh - Pushkar Pandey
- 59 मंगलूरु और हमारी संस्थापक शाखा - मोनलिसा पंवार
- 61 Hard Time - Anurag Sharma / Caption the Picture
- 62 The Balance of Tech and Touch: Grooming Leaders for Tomorrow - Abrar Ul Mustafa
- 64 The Banking Saga: Canara and Syndicate's Journey of Unity and Growth - S Devanarayanan
- 65 विशुद्ध - अल्पना शर्मा
- 67 "माँ" - रीमा बैनर्जी
- 68 Bathukamma's Bloom : A Celebration of Joy, Faith and Unity - Rohit Kumar
- 69 Health Corner
- 70 Recipe Corner - Kanda Bachali Ava Curry - B. Sowbhagya Rani
- 71 Book Review
- 72 Homage

प्रबंध निदेशक व
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
का संदेश



MD & CEO's Message

प्रिय केनराइट्स,

हमारे संस्थापक दिवस के सुअवसर पर मुझे अपने स्टाफ के साथ जुड़ने में बहुत खुशी हो रही है। यह ऐसा दिन जो हमारी विरासत, हमारे संस्थापकों के दृष्टिकोण और उनके कठिन परिश्रम को दर्शाता जिसके परिणामस्वरूप हमारा केनरा बैंक इस मुकाम पर है। प्रत्येक नवंबर को हम हमारे उन संस्थापकों को श्रद्धांजलि देते हैं जिनके सपने और समर्पण से इस महान संस्थान की स्थापना हुई। उनका दृष्टिकोण सिर्फ एक वित्तीय इकाई बनाने तक सीमित नहीं था; बल्कि एक ऐसा बैंक निर्मित करना था जो समाज का वित्तीय हृदय हो, एक ऐसा बैंक जो देश के नागरिकों की सेवा करें, समाज के प्रत्येक समुदाय का उत्थान करें और देश के आर्थिक विकास का चालक बनें।

कई दशकों से केनरा बैंक वित्तीय स्थिरता, विश्वास और नवाचार का एक स्तंभ बना हुआ है। हमारा इतिहास लचीलेपन और अनुकूलनशीलता की कहानियों से समृद्ध है। हमारे बैंक के स्थापना के प्रारंभिक दिनों से लेकर अब तक, उत्कृष्टता, नैतिक आचरण और अटूट सेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता कभी कम नहीं हुई है। इस दौरान हमने कई चुनौतियों का सामना किया है, लेकिन हर बार हम हमारे कर्मचारियों के समर्पण और कड़ी मेहनत के कारण और अधिक मजबूत होकर उभरे हैं।

गत वर्ष भी हमने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। हमने हमारी पहुंच को विस्तार किया है, अत्याधुनिक डिजिटल उत्पाद पेश किए हैं, विभिन्न वर्गों के लोगों को केंद्र में रखकर केनरा एस्पायर और केनरा एंजेल जैसे विशेष उत्पाद प्रदान किए हैं तथा अपनी सेवा मानकों को बढ़ाया है। हमने अपने देश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक वित्तीय समावेशन प्राप्त करने में भी सफलता हासिल की है।

मुझे 2024 की द्वितीय तिमाही के परिणामों की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हमारा निवल लाभ 11.31% (वर्षानुवर्ष) बढ़ा है और हमारा वैश्विक व्यापार सितंबर 2024 तक 9.42% (वर्षानुवर्ष) बढ़कर ₹2359344 करोड़ हो गया है, जिसमें वैश्विक जमा ₹1347347 करोड़ 9.34% (वर्षानुवर्ष) और वैश्विक अग्रिम (सकल) ₹1011997 करोड़ 9.53% (वर्षानुवर्ष) है। बैंक की घरेलू जमा राशि सितंबर 2024 तक 8.34% (वर्षानुवर्ष) की वृद्धि के साथ 1238713 करोड़ रुपये रही। बैंक का घरेलू अग्रिम (सकल) सितंबर 2024 तक 8.64% (वर्षानुवर्ष) की वृद्धि के साथ 954149 करोड़ रुपये रहा। आरएएम क्रेडिट 11.54% (वर्षानुवर्ष) की वृद्धि के साथ 576589 करोड़ रुपये रहा।

हमारा खुदरा ऋण पोर्टफोलियो सितंबर 2024 तक 31.27% (वर्षानुवर्ष) की

Dear Canarites,

It gives me great pleasure to connect with our staff on this special occasion-our Founders' Day - a day dedicated to celebrating our legacy, the vision of our founding leaders, and the journey that has shaped us into the institution we are today. Every November, we pay homage to the Founder whose dreams and dedication led to the establishment of this great institution. Their vision was not just about creating a financial entity; it was about creating a bank with a soul, a bank that would serve the nation's citizens, uplift communities, and be an essential driver of economic growth.

For decades, Canara Bank has stood as a pillar of financial stability, trust, and innovation. Our history is rich with stories of resilience and adaptability. From the early days of laying our foundation brick by brick to where we are now, our commitment to excellence, ethical practices, and unwavering service has never wavered. We have faced challenges, but each time, we have emerged stronger, thanks to the dedication and hard work of our people.

In the past year alone, we have achieved several significant milestones. We have expanded our reach, introduced cutting-edge digital products, tailor-made products like Canara Aspire and Canara Angel targeting various segments of people, and we have enhanced our service standards. We have also made strides in bringing financial inclusion to the remotest corners of our nation.

I am happy to announce our Q2 results for 2024. Our Net Profit has increased by 11.31% YoY, and our Global Business has increased by 9.42% YoY to ₹2,359,344 crore as of September 2024, with Global Deposits at ₹1,347,347 crore (9.34% YoY) and Global Advances (gross) at ₹1,011,997 crore (9.53% YoY). The Domestic Deposit of the Bank stood at ₹1,238,713 crore as of September 2024, with a growth of 8.34% YoY. Domestic Advances (gross) of the Bank stood at ₹954,149 crore as of September 2024, growing by 8.64% YoY. RAM credit increased by 11.54% YoY to ₹576,589 crore.

वृद्धि के साथ 194556 करोड़ रुपये हो गया है। हमारा आवास ऋण पोर्टफोलियो 12.29% (वर्षानुवर्ष) की वृद्धि के साथ 99452 करोड़ रुपये हो गया है। हमारा सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (जीएनपीए) अनुपात सितंबर 2024 में घटकर 3.73% हो गया, जो जून 2024 में 4.14% था तथा सितंबर 2023 में 4.76% था। निवल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनएनपीए) अनुपात सितंबर 2024 में घटकर 0.99% रहा, जो जून 2024 में 1.24% था तथा सितंबर 2023 में 1.41% था। प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) सितंबर 2024 में 90.89% रहा, जो जून 2024 में 89.22% था तथा सितंबर 2023 को 88.73% था। सितंबर 2024 तक सीआरएआर 16.57% (जून 2024 तक 16.38%) रहा। जिसमें से टियर-I, 11.46% (जून 2024 तक 14.37%), सीईटी-I, 12.00% (जून 2024 तक 12.05%) और टियर-II, 1.93% (जून 2024 तक 2.01%) था।

प्राथमिकता क्षेत्र और कृषि ऋण में एएनबीसी के क्रमशः 40% और 18% के मानदंड की तुलना में बैंक ने सितंबर 2024 तक प्राथमिकता क्षेत्र में 45.11% और कृषि ऋण में एएनबीसी का 21.90% लक्ष्य हासिल किया है। लघु और सीमांत किसानों को ऋण एएनबीसी के 10% प्रदान करने के मानदंड की तुलना में बैंक ने 15.29% का लक्ष्य हासिल किया है। कमजोर वर्गों को ऋण प्रदान करने के एएनबीसी के 12% के मानदंड की तुलना में बैंक ने 21.44% का लक्ष्य हासिल किया है। सूक्ष्म उद्यम को ऋण एएनबीसी के 7.50% प्रदान करने के मानदंड की तुलना में बैंक ने 10.21% का लक्ष्य हासिल किया है। गैर कॉर्पोरेट किसानों को ऋण एएनबीसी के 13.78% प्रदान करने के मानदंड की तुलना में बैंक ने 18.02% का लक्ष्य हासिल किया है।

अपने अतीत और वर्तमान का उत्सव मनाने के अवसर पर मैं हमारे भविष्य को भी सुदृढ़ बनाना चाहता हूँ। हम हमारे कर्मचारियों को केंद्र में रखकर ही कार्य करते हैं। हमारे कर्मचारियों का जुनून, उनकी निष्ठा और प्रतिबद्धता हमारी प्रत्येक सफलता को प्रेरित करता है। मैं आप सभी के योगदान के लिए हृदय से अपनी अगाढ़ कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। आप सभी के समर्पण और कड़ी महनत के बिना हमारी प्रगति संभव नहीं होती। हमारे ग्राहक ही हमारे अस्तित्व का कारक हैं। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमारा एकमात्र उद्देश्य होना चाहिए कि हमें हमारे ग्राहकों को उच्चतम गुणवत्ता वाली सेवा प्रदान करना है।

प्रगति की इस गति को बनाए रखें और याद रखें कि इस विरासत को आगे बढ़ाने में हममें से प्रत्येक की भूमिका अति-आवश्यक है। आइये, हम सब मिलकर अपने संस्थापकों के आदर्शों पर चलें तथा अपने सभी कार्यों में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन का प्रयास करके उनका सम्मान करें। आइए हम इस यात्रा को गर्व, जुनून और उद्देश्य के साथ जारी रखें और अपने आदर्श वाक्य " रहे संग, बढ़ें संग" को चरितार्थ करें।

आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं !!

मंगल कामनाओं सहित,

के. सत्यनारायण राजु

प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी

Our Retail Lending Portfolio increased by 31.27% YoY to ₹194,556 crore as of September 2024. The Housing Loan Portfolio increased by 12.29% YoY to ₹99,452 crore. The Gross Non-Performing Assets (GNPA) ratio improved to 3.73% as of September 2024, down from 4.14% in June 2024 and 4.76% in September 2023. The Net Non-Performing Assets (NNPA) ratio improved to 0.99% as of September 2024, down from 1.24% in June 2024 and 1.41% in September 2023. The Provision Coverage Ratio (PCR) stood at 90.89% as of September 2024, compared to 89.22% in June 2024 and 88.73% in September 2023. CRAR stood at 16.57% as of September 2024 (16.38% in June 2024), with Tier-I at 14.64% (14.37% in June 2024), CET1 at 12.00% (12.05% in June 2024), and Tier-II at 1.93% (2.01% in June 2024).

The Bank has achieved targets under Priority Sector Lending at 45.11% and Agricultural Credit at 21.90% of Adjusted Net Bank Credit (ANBC) as of September 2024, against the norms of 40% and 18%, respectively. Credit to Small and Marginal Farmers stood at 15.29% of ANBC, against the norm of 10.00%. Credit to Weaker Sections stood at 21.44% of ANBC, against the norm of 12.00%. Credit to Micro Enterprises stood at 10.21% of ANBC, against the norm of 7.50%. Credit to Non-Corporate Farmers stood at 18.02% of ANBC, against the norm of 13.78%.

As we celebrate our past and present, I also want to emphasize our future. Our employees remain at the heart of everything we do. It is their passion, integrity, and commitment that drive our success. I extend my deepest gratitude to each one of you for your contributions. Our progress would not be possible without your hard work and dedication. Our customers are the reason for our existence. As we move forward, our mission is to continue providing the highest quality of service to them.

Keep up the pace, and let us remember that each of us has a role to play in carrying forward this legacy. Together, let us honor our founders by living up to their ideals and by striving for excellence in all that we do. Let us continue this journey with pride, passion, and purpose as we stay true to our motto: "Together We Can."

Wish you all the very best

With warm regards,

K. Satyanarayana Raju

Managing Director & CEO

संपादकीय



Editorial

प्रिय साथियों,

संस्थापक दिवस, कैलेंडर में अंकित महज एक तिथि नहीं है; यह दूरदर्शिता, समर्पण और बड़े सपने देखने के साहस का उत्सव है। यह हमारे लिए उस विरासत पर गर्व करने का अवसर है, जिसकी प्रतिभा और दृढ़ता ने उस आधारशिला की नींव रखी है जिस पर आज हम खड़े हैं। संस्थापक दिवस के अवसर पर, हम हमारे बैंक के उन अग्रदूतों/पथप्रदर्शकों की जीवन यात्रा पर प्रकाश डाल रहे हैं जो समाज के लिए स्वयं से बड़ा कुछ करने के लिए प्रेरित थे और जो कई अनिश्चितताओं और बाधाओं को पार कर अपने निर्णय पर कायम रहे। अपने कर्म से उन्होंने प्रगति के पहिये को गति प्रदान की है जिसकी बदौलत आज हम इस मुक्ताम पर हैं। उनकी सफलता की कहानियाँ हमें यह स्मरण कराती हैं कि किसी भी स्थायी उपलब्धि के लिए केवल प्रारम्भिक प्रेरणा ही अपेक्षित नहीं है बल्कि अनवरत प्रतिबद्धता, त्याग और असफलता का सामना करने का साहस भी आवश्यक है।

बैंक के संस्थापक के पदचिन्हों पर चलते हुए हमारे बैंक ने ऐसे कई दूरदर्शी लीडर दिए हैं, जिन्होंने केनरा बैंक की विरासत को प्रभावी ढंग से सँजोया है। किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में बैंकों का नेतृत्व विशिष्ट है, क्योंकि इसका विस्तार लाभप्रदता और श्रेयधारक मूल्य के पारंपरिक कॉर्पोरेट लक्ष्यों से परे है। इसमें राष्ट्रीय सेवा, वित्तीय समावेशन और सामाजिक-आर्थिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता भी शामिल है।

श्री श्रीनिवास पै, जिन्होंने 25 वर्षों तक निदेशक मंडल के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, जिनके कार्यकाल में बैंक की मजबूत नींव रखी गई थी, श्रीनिवास पै जी के कार्यकाल से लेकर हमारे वर्तमान प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सत्यनारायण राजु तक के कार्यकाल में डिजिटल और उत्पाद नवाचारों ने नई उपलब्धियों को हासिल किया है और हमारे बैंक के लिए नए कीर्तिमान स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संस्थापक दिवस के इस अवसर पर हमने हमारे प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी का एक विशेष साक्षात्कार किया है, जहाँ उन्होंने अपने प्रारंभिक जीवन, दृष्टिकोण और हमारे केनराइड्स से उनकी अपेक्षाओं को साझा किया है। साक्षात्कार से प्राप्त मूल्यवान सीख न केवल हमें एक बैंक के रूप में बेहतर कार्यनिष्पादन करने में सक्षम बनाएगी, बल्कि हमारे जीवन कौशल को भी निखारेगी।

इस बार का हमारा राज्य विशेषांक “आंध्र प्रदेश” राज्य पर केंद्रित है। यह राज्य अपने समृद्ध इतिहास, गतिशील संस्कृति, मनोरम दृश्य, रंगारंग त्यौहार, समृद्ध कृषि और मेहनतकश आबादी वाला राज्य है जो अपनी परंपरा और आधुनिकता दोनों का प्रतीक है। “कृषि” आंध्र प्रदेश की रीढ़ है। कृष्णा और गोदावरी नदियों के उपजाऊ मैदानों ने इसे भारत के कृषि केंद्र के रूप में पहचान दी है। राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत इसकी विशिष्टता को और बढ़ाती है। तिरुपति के भव्य मंदिरों से लेकर कुचिपुडी जैसे शास्त्रीय कला रूपों तक, आंध्र प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत दुनिया भर के पर्यटकों और प्रशंसकों को आकर्षित करती है।

अरकु घाटियों से लेकर मरदुमिली तक, कलमकारी चित्रकारी से लेकर कोंडपल्ली लकड़ी के खिलौने तक, स्वादिष्ट अवकाया से लेकर पुलिहोरा तक, पुथरेकुलु से लेकर सुन्नंडालस तक, इस अंक में आंध्र प्रदेश का समग्र अनुभव प्राप्त करने के लिए सब कुछ है।

आशा है कि आप इस विशेषांक को पढ़कर प्रसन्नचित्त होंगे। हमें आपकी प्रतिक्रियाओं का इंतजार रहेगा। कृपया केनरा बैंक पर हमारे गृह पत्रिका व पुस्तकालय के वेबपेज पर / या hohml@canarabank.com पर मेल के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया/टिप्पणी दें अथवा 080-22233480 पर हमसे संपर्क कर सकते हैं।

अगाध प्रशंसा और कृतज्ञता के साथ

प्रियदर्शिनी आर
संपादक

Dear Colleagues,

Founders Day is not just a date on the calendar; it's a celebration of vision, dedication, and the courage to dream big. It serves as an opportunity for us to honour the legacy of whose ingenuity and perseverance laid the foundation upon which we stand today. As we celebrate Founders Day, we reflect on the journey of these pioneers who were driven by the desire to build something larger than themselves and have overcome the uncertainties and hurdles and have stood by their decision. In doing so, they have set in motion the wheels of progress which has taken us to where we are now. Their stories remind us that any lasting accomplishment requires not only initial inspiration but sustained commitment, sacrifice, and a willingness to face failure with resilience.

Furthering the founders' vision, Canara Bank has been blessed with great leaders who have effectively carried the baton of the legacy of Canara bank. Leadership in Banks is distinct, when compared to any other field as it extends beyond the traditional corporate goals of profitability and shareholder value. It encompasses a commitment to national service, financial inclusion, and socio-economic growth.

Right from Mr. Srinivasa Pai who served as Chairman of Board of Directors during the initial 25 years in whose tenure strong foundation the bank was laid, to our Present Day Leader, MD and CEO Sri Satyanarayana Raju when our digital and product innovations have taken the path of zenith, have been instrumental taking our bank to greater heights.

Honouring the foundation day and celebrating leadership we have an exclusive interview of our MD and CEO who through his candid discussion has shared his early life, his vision and his expectation from our Canarites. The interview's valuable takeaways will not only empower us to elevate our performance as a banker but also sharpen our life skills.

Our State specific feature highlights “Andhra Pradesh” - A state with a rich history, dynamic culture, scenic landscapes, vibrant festivals, thriving agriculture, and an industrious population is an embodiment of both tradition and modernity. One of the defining characteristics of Andhra Pradesh is its agricultural strength. The fertile plains of the Krishna and Godavari rivers have allowed it to become one of India's agricultural powerhouses. The state's rich cultural heritage is another asset that adds to its uniqueness. From the grand temples of Tirupati to the classical art forms like Kuchipudi, Andhra Pradesh has a cultural legacy that attracts tourists and admirers from around the world.

From the Araku valleys to Maredumili, from Kalamkari paintings to Kondapalli wooden toys, from the mouth-watering Avakaya to Pulihoras, from Pootharekulu to Sunnundalus this edition has it all for one to have a holistic experience of Andhra Pradesh.

Hope you enjoy reading this special edition. As we love to hear from you, please drop in your feedback/ comments by visiting our HM&L Webpage in Cannaet / or as mail to hohml@canarabank.com / or you can always call us at 080-22233480.

With profound admiration and gratitude

Priyadarshini R
Editor

I am truly humbled by this honor of being elevated to the post of Chief General Manager and I take this opportunity to extend my deepest gratitude to each and every one who has supported me throughout this journey.



I thank our Management led by our most respected MD & CEO Sri K Satyanarayana Raju gaaru which has nurtured talent within our organization. Your vision and commitment to fostering excellence, create an environment where we can thrive. Your belief in potential often precedes performance, which motivates us all to strive higher and to meet the expectations of the Top Management.

I thank my family whose support, encouragement and sacrifices have been instrumental in shaping my career.

I thank my colleagues and mentors whose guidance and trust are invaluable. The lessons learnt from all of us working together towards common goals have enriched both my professional growth and personal development immeasurably.

As I move into this new role, I pledge to contribute to our shared vision of making our bank achieve greater heights. Thank you all once again.

With warm regards,

B Chandrasekhara
Chief General Manager

At the outset, I would like to express my sincere gratitude to the Top Management for elevating me to the cadre of General Manager. I'm grateful to all my superiors, predecessors and well-wishers for their continued guidance and support to be on the right track throughout the journey. My journey in the Bank has been a learning experience and I re-dedicate myself to serve the Bank with sincerity and pride.



I have joined the prestigious institution Syndicate Bank (Erstwhile) in the year 1987. Bank has given me an opportunity to work in different localities which enriched my knowledge & exposure. As a prudent Banker I always worked with long vision and tried to take the Bank to a new height by experimenting innovative Banking ideas that keep a step ahead of other Banking & Finance.

From the day I joined the Bank there has been a paradigm shift in the Banking Industry. We have transformed from Manual banking to the present era of Digital Banking. Today's call is to understand the expectations of the market, investors and all the stake holders on a regular basis and devise market-oriented strategies.

I will give my best and strive hard to take our esteemed Bank to greater heights.

Mamatha A Joshi
General Manager

I am overwhelmed with gratitude on being elevated as General Manager in our esteemed organisation. I whole heartedly express my thanks to the Top Management for recognizing my potential. I thank everyone who extended their support and co-operation to me in this journey. This elevation is a testament to our team's hard work and dedication.



The banking industry is undergoing transformative changes at an incredible speed and our Bank remains at the forefront of innovation, launching cutting edge products that consistently give us a competitive advantage in the banking sector. It is our prime duty to popularise our products with a boundless zest. 'Handholding' is the mantra and the need of the hour. It is our responsibility to inculcate Canara Bank's Culture to all the new recruits.

I am confident that our Bank will occupy the 'Numero Uno' position in the years ahead. Success is the combination of dream, hard work and dedication. Let us dream big and succeed it. I take this opportunity to rededicate myself to serve this great institution along with all enthusiastic Canarites to bring more glory to our Bank.

With Best Wishes,

Vijayalakshmi C J
General Manager

मैं अपने शीर्ष प्रबंधन के प्रति कृतज्ञ हूँ कि उन्होंने मुझे हमारे महान बैंक में महाप्रबंधक की भूमिका में सेवा करने का अवसर दिया है। मैं अपने सभी वरिष्ठ अधिकारियों, पूर्ववर्तियों और शुभचिंतकों का आभारी हूँ जिन्होंने मेरी पदोन्नति यात्रा के दौरान सही रास्ते पर तटस्थ रहने के लिए मेरा निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग किया।



मेरे 16 वर्ष के कार्यकाल के दौरान बैंक में मुझे तमाम बुद्धिजीवियों एवं अनुभवी लोगों का सानिध्य प्राप्त हुआ जिनसे मुझे जिम्मेदारियों को स्वीकार करने, चुनौतियों का सामना करने और अपनी प्रतिभा और गुणों को निष्पादित करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। मुझे एक आम आदमी से एक सक्षम बैंकर एक रूप में निखारने का सारा श्रेय मैं अपने वरिष्ठ के मार्गदर्शन को देना चाहूंगा। पूरे भारत में मेरे स्थानांतरण ने भी मुझे बहुत कुछ सिखाया है, मुझे देश की विविध संस्कृतियों के साथ जुड़ने और देश भर में आम आदमी की आवश्यकताओं को समझने का अवसर दिया।

एक स्पष्ट उद्देश्य एवं दूरदर्शी सोच के साथ, हमारे महान संस्थापक श्री अम्मम्बल सुब्बाराव पई ने हमारे महान संगठन की नींव रखी है। पिछले 119 वर्षों के दौरान, सभी स्थितियों में, सभी कर्मचारी मजबूत संस्थापक सिद्धांतों के प्रति तटस्थ हैं और राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर अग्रसर हैं। यह सदैव सभी के मनोबल को बढ़ाता है और उन्हें प्रेरित करता है।

हाल के दिनों में हमने देश के वित्तीय क्षेत्र में भारी बदलाव देखे हैं और हमारा बैंक “देश में सबसे पसंदीदा बैंक” की श्रेणी में उभरा है। हमारा बैंक हमारे समकक्ष बैंकों की तुलना में काफी आगे है। लेकिन प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में, उस प्रतिष्ठित स्थिति को बनाए रखने के लिए हमें एक कदम अतिरिक्त चलना होगा। हमें अपने कार्यों में उच्च मानकों को बनाए रखना होगा। हम अपने बैंक को नई ऊंचाइयों पहुंचते देखने की अपेक्षा रखते हैं, जिसके लिए हम सभी को समर्पित भाव से उत्कृष्ट ग्राहक सेवा प्रदान करने की आवश्यकता है।

बहुत बहुत धन्यवाद !!

अमित मिश्रा
महाप्रबंधक

Leading the Way: An Exclusive Conversation with Sri K Satyanarayana Raju MD & CEO



In this Founders Day Special Edition-“Grooming Future Leaders”, Team HML on an exclusive Tete –a-tete with Sri K.Satyanarayana Raju , Our Beloved MD and CEO and the visionary leader of our Iconic institution.

Join us in the inspiring conversation on Banking, Leadership and Key takeaways which would enable us to become better individuals professionally and personally.

Q. Can you tell us about your formative years?

Those were really tough days. I come from a very poor background. We were three siblings, and I am the youngest of all. The eldest is my sister, then a brother, and finally myself. My father was employed as a clerk in a rice mill and did not have a stable income. My mother used to stitch clothes to earn money to support and run the family. Most of the burden of running the family fell

on my mother. She was very passionate about education. She learned to stitch to support the family and ensured that we received good education. Many of my relatives and neighbours discouraged her from educating us; instead, they advised her to send us to work so that we could become financially better off. She did not listen to them and sacrificed herself to educate us.

Generally, in many families, parents do not share their financial struggles and day- to-day challenges with their children. However, my mother was progressive in our upbringing. She ensured that we were aware of the difficulties faced at home. I personally believe in the same and practice it to this day with my own family. It is essential to share challenges with family members, regardless of their nature. Sharing builds togetherness and gives us the courage to face any kind of problem together, with unity.

As a kid, I was a little naughty and impulsive. My siblings were soft-natured and obedient, while I was just the opposite. I used to explore the fields and hang out with farmers. My mother was worried about me and had her doubts about whether I would complete my studies. But I was not a bad student; I consistently secured first, second, or third rank.

At the age of 14, I realized that there was a serious problem in the family which I hadn't paid attention to due to my playful nature. When the realization struck me, I became very close to my mother. Despite being the youngest, I was involved in decision-making at home alongside my mother. This early exposure to decision- making, courtesy of my mother, has been instrumental in shaping me into the effective leader I am today. My mother's guidance has been deeply ingrained, influencing my thoughts and actions, and enabling me to tackle challenges responsibly. It has helped me to be a successful Managing Director.

Many parents think that children should be pampered and shielded from struggles; however, I firmly believe that children benefit from facing challenges. It builds resilience in them and significantly helps them build their personality, which is a life skill. We, as parents, cannot constantly support and protect them throughout their lives; it's not possible. Instead, we should allow them to tackle challenges, handle obstacles, and make autonomous decisions. Challenging experiences stimulate innovative thinking, which is necessary to become an effective leader, decision-maker, and better human being.

Financial crisis is the extreme hardship a person can face, and one who has undergone such struggles can relate to it. I strongly believe that financial independence is essential for women and makes their lives comfortable. Financially independent women drive positive changes in their families, communities, and societies, and I advocate for women's empowerment.

Q. What made you choose banking as a career?

Two young men from my village had secured employment in Andhra Bank and State Bank of India. Out of sheer curiosity, I visited their branches and was fascinated by the ambiance and work culture. The clerks (I wasn't aware they were clerks) were sitting at the counter, writing books, and conversing with customers while sitting under a fan-at that time, I didn't have a fan in my house. That was when I decided that this was my future and that I wanted to establish my career in banking. Such a small experience sparked my motivation. I remained resolute in my career choice and diligently worked towards it. To this day, I derive great satisfaction from my banking profession and have never felt pressured because I enjoy my job.

I am a practical person; I believe in family values. I don't believe in showing anger or physical strength towards someone. I am totally against it. I believe true strength lies in taking on more responsibility and empowering the people around you, especially women.

Q. How do you handle pressure? Do you have any tips for handling pressure?

Sometimes small pressures mount from all corners. I am guided by my personal conviction, and I cannot be pressured into doing something that I do not believe in. I will never do anything unless I am fully convinced. If something is not correct, I will directly express my concerns politely but firmly and make my views clear to the other person. Communication skills are very important. Some people bluntly say "no" and rub others the wrong way, but I prefer to politely refuse to do things that are wrong and ensure that my thoughts are clearly communicated. One must master this skill, and it comes only with practice. In my 36 years as a banker to date, I have never felt tremendous pressure at work-not even 0.01%.

Regarding tips for handling pressure, first and foremost, you should be thorough and confident in the work assigned to you. If someone is putting undue pressure on you for a particular assignment or task, you should analyze it as follows. First, understand that your boss has more responsibility than you. Second, don't think that you are the only honest person in the world while your boss or others are

dishonest. Third, remember that he or she is more answerable than you. So, never have any negativity about your boss. Your boss assigns work to you because he or she is answerable to many people.

As a subordinate, your job is to get the work done. First, listen carefully, say yes, and never say no initially. Try to do it sincerely. If you come across issues that may impact the institution or individuals, list them out. Put yourself in your boss's shoes and think about alternative solutions. Then go back to your boss with your findings. Present the hurdles and the alternative ways to proceed. Ultimately, your boss's goal is to get the work done. By doing this, we will not deviate from the rules, and we can get the work done with a clear conscience and without pressure.

Q. Can you narrate an incident where you were put under undue pressure?

When I was working in a branch in Delhi, a high-ranking police officer threatened to transfer me because I refused to do things his way. He said that the next day he would see to it that I was transferred to Jammu and Kashmir. I told him, "Sir, my native place is 2,200 km from Delhi. Kashmir is just 300 km away from Delhi. Don't worry about that, Sir. I am mentally prepared for it," I said with a smile. What more could he do than get angrier? That is the kind of courage we should have; never lose your temper. We must be tough, but not rough. There is a vast difference between the two, and many leaders fail in this aspect.

Q. How do you surpass or handle targets?

Fear of targets stems from a lack of understanding. As an advances officer, you may handle different proposals and sometimes feel that some are not feasible. But while interacting with the customer, you may find alternative ways of financing. Discuss these with your superiors.

Coming to targets: imagine you are a branch head assigned 10 to 15 performance parameters. No one expects you to excel in all 15. What matters is whether you've put forth sincere efforts. With genuine effort, you will likely excel in at least 10 to 12 parameters, and you won't be reprimanded for lagging in 2 or 3. If you fail in most parameters, however, there may be a problem-either a lack of sincere effort or an ineffective strategy.

For example, if your target is 1 crore, you should plan accordingly. But if your target is 100 crores, the same approach won't work. Without understanding this, you might not meet your target and could become a non-performer. Failure to grasp expectations is the root cause of non-performance-that's why we struggle.

“

Nothing can stop you if you have capability and honesty in your approach. It will bring you good results. When dealing with people, you should have a humanitarian approach; when dealing with systems and processes, you should think like an administrator. You should not mix the two. Don't mix the heart and brain.

”

In my 36-year career, I have hardly failed to achieve my targets, in any quarter. I am just like everyone else, so how is this possible? You must understand the requirements and plan to achieve results. The expectation may be to play cricket, but if you practice hockey and kabaddi, you won't get cricket results. So, we are often the root cause of our own failures.

Q. What is the long-term vision for the bank under your leadership?

My vision is to elevate Canara Bank as "the most preferred bank to bank with." My goal is to be inclusive, catering to the needs of every demographic, ensuring that our banking services are accessible, user-friendly, and beneficial for everyone. Customers should feel that this is their preferred bank. Typically, people prefer to manage their daily finances with only a select few banks. My goal is to make our bank one of the top choices, securing a place in customers' daily financial routines.

My responsibility is to bring in universal acceptance and drive 360-degree growth for the bank. While the extent of my success remains to be seen, over the past 18 months, we have witnessed significant shifts in public perception, paving the way for further progress. Our visibility has drastically increased. Currently, we are neither the top choice nor overlooked. The aim is to rise to the forefront, becoming customers' first preference and earning the reputation of a truly preferred bank.



Q. What are your hobbies?

I love listening to Telugu melody songs. I am a big fan of singers Sid Sriram and Karthik and greatly admire Shri S. P. Balasubramaniam. During my daily 45-minute walk, I listen to songs. Music has been an integral part of my morning routine and serves as my greatest stress reliever.

Q. How do you maintain your work-life balance?

Once I step out of the office, I never think about work and vice versa. I keep a clear separation between the two. Once I am back in the office, my focus shifts entirely to my work. My family understands my dedication, and they only reach out if it's very urgent. Similarly, when I return home, I prioritize personal time, minimizing distractions and avoiding work-related matters unless there's an emergency. I don't work on holidays, keeping my personal and professional lives distinct and avoiding discussions about work with family. Your family should understand and respect the role and responsibilities of your profession.

Throughout my career, I have maintained strict boundaries. I have never met any customers at home, and I intend to keep it that way. My home is exclusively for family and personal time. I prioritize family first, then work. When I'm at work, I give my all, striving for 100% effort. Many people blur these lines, creating stress by merging the two.

I'm not one for frequent calls or chats-I only initiate calls when necessary and respond to incoming calls. Once I've moved on from a branch or region, I don't maintain professional ties or inquire about its current status. Occasionally, I catch up with former colleagues as friends, without discussing work or gossiping about others.

I have seen bankers obsessing over office notes and loan proposals done during their tenure, which reveals self-doubt in their decision-making skills. I carry no such dilemmas. My workplace drawers remain unlocked, reflecting my transparent and clear conscience. "Secrecy breeds curiosity and anxiety; simplicity and openness alleviate pressure."

“

I believe a true leader will enjoy seeing subordinates succeed in their careers. I ensure that people who are retiring are well-settled. All of our GMs and CGMs who are retiring are well-placed. Every year, we have a candidate for the post of ED from our bank. I find more joy in being a leader than in being an MD.

”

I maintain a zero-tolerance policy for negativity. If I dislike something, I avoid it. I have observed people expending considerable energy to harm those they dislike, often holding grudges for life. They relentlessly pursue vengeance, seizing every opportunity to inconvenience or harass their targets. I conserve my energy instead of wasting it on negativity. I step back from people or situations that drain my energy.

Q. With the rise of fintech, do you see it as a threat to traditional banking?

Fifteen years ago, I came across a U.S.-based survey that revealed a surprising statistic: 75% of Americans preferred "brick-and-mortar" banking, indicating the lasting demand for physical branches. This suggests that traditional banking will continue to thrive, with no existential threat from fintech. In my opinion, banks will endure, adapting to evolving lending methods. While digital banking grows, brick- and-mortar branches will persist, catering to those who prefer personalized services. The future lies in a hybrid model blending physical and online banking. We have adapted to this change, with most of our processes centralized for easier access.

Q. Can you explain your transition from clerical staff to MD of the bank?

I have experienced no significant change in mindset, whether as a clerk or now as MD of the bank. My approach remains consistent: taking responsibility and leading with dedication. I simply see it as overseeing a larger region. My leadership mindset began long before this role-I acted with MD-level responsibility in my previous branch assignments or as a Regional head.

Q. How do you feel about the elevation from ED to MD of the same bank?

I have already answered this. When I was the ED, I operated as if I were the MD. People who worked with me would have realized this. I took personal ownership of my work. I used to present board agendas myself without relying on my GMs or CGMs, and my agendas received 100% approval from the board. The transition has not changed my mindset; I continue with the same ownership-driven approach. Only the roles have changed.

Q. What would be your advice to youngsters?

I am not here to advise anyone. Through our in-house magazine, I want to communicate certain things to the staff. Joining the bank was your personal choice; it was not the bank's decision. Once you have made the choice, it is essential to own it and take responsibility. You've made a conscious decision, and if it no longer aligns with your comfort zone, quitting is an option. No one is forcing you to stay.

Embrace your career choice. Own it, respect it, and find fulfilment. Half-hearted efforts lead to stress and blame-shifting. Limited alternative opportunities may make it difficult to leave your current job, which is a harsh reality. If a better option existed, you wouldn't have remained with the bank.

A successful employee who excels in their job is likely to demonstrate similar dedication and responsibility in their family life as well. When working in branches, I made it a point to be kind and helpful towards senior citizens and those requiring assistance. I would take an extra step to support those in need while also diligently completing my work. The blessings and goodwill you receive from helping others will ultimately protect and take care of you and your loved ones. God's grace often manifests through the kindness you exhibit to your fellow human beings, but most people do not realize this.

“

I have not sacrificed myself for my career; I have always enjoyed the work, with its ups and downs.

“Whatever rupee I am entitled to, I will take from the bank, and I don't expect anything I am not entitled to.”

”

I don't like to impress people, nor do I like to pamper people. We have spoiled our generation by pampering them too much. That's why so many frauds are happening. I am reiterating: it is your choice to pursue a career in banking, and you have to do what the bank expects. If you find yourself incompetent, then leave the job. If you have the courage or confidence, find employment elsewhere. It is hard to digest, but it is the truth. You should not continue to live your life with discomfort.

Q. In general, people perceive you to be a strict person! Is it really like that?

(Smiles...) I do not get distracted by these types of comments. I am driven by commitment to the bank's and employees' wellbeing. Any change brings resistance at first. I have implemented transformative

reforms, streamlining operations and eliminating inefficiencies. If doing all this makes you think I am a tough person, then yes, I am tough. If my determination is perceived as toughness, then so be it-I am willing to make tough decisions for the greater good.

I took charge and recognized the need for change to dismantle the existing power dynamics. I have created a fair, level playing field where everyone has equal opportunities. People like me, without strong connections, now also have equal opportunities to be recognized, promoted, and placed. We have brought this into the system and into policy. So naturally, those who have benefited for the past 10 to 20 years see me as strict, tough, or worse.

Everything is now documented-even your MD cannot deviate from it.

(Gently smiles.) So your fear is gone, is it?

Me: I don't have fear now, Sir. The conversation has become very friendly now.

Actually, this is my real character. But I cannot be like this as an MD. If I am like this, I will be doing injustice to my job, and I am very clear on that. I will never be unjust to even a single rupee of my salary. If I am drawing 3 lakhs as my salary, I will give back multiples of that to the organization. It's about how much you give back.

It is an opportunity given to me to write a page in the history of Canara Bank, and I am writing it properly. I believe change is inevitable, and one has to adapt to change to yield better results. Any change brings resistance, and one has to overcome that resistance.

During Samudra Manthan (Churning of the Ocean, as in ancient scriptures), first the poison comes out, then the Amrit. The person leading an institution should have the capacity to absorb the poison and distribute the Amrit to all people. That is true leadership.



**“ A leader is one
who knows the way,
goes the way,
and shows the way.”**

– John C. Maxwell

Awards for Excellence in Communication



The 18th Global Communication Conclave of Public Relation Council Of India (PRCI) was held at Hotel Moti Mahal, Mangalore.

Canara Bank's Inhouse Magazine "**Shreyas**" - bilingual publication and "**Canara Jyoti**" -Hindi publication got awards for Excellence in Communication.

The awards were presented by Ex Justice of Karnataka High court Sri. Krishna Bhat and Sri. Ravi Kiran, Actor Director in a glittering ceremony.

The awards were received by Sri. TK Venugopal, GM HR wing, Sri. E Ramesh, Asst. General Manager and Editor of Canara Jyothi and Smt. R Priyadarshini, Senior Manager and Editor of Shreyas.

मेरे बैंक की कहानी वर्ष 1906 से 1930 तक

बी.के. उप्रेती

वरिष्ठ प्रबंधक (सेवानिवृत्त)
केनरा बैंक



हमारे बैंक के संस्थापक अम्मेम्बाल सुब्बाराव पै जी की प्रेरणा और अथक प्रयास से केनरा हिंदू परमानेंट फंड की स्थापना 1 जुलाई 1906 को एक छोटे से किराए की बिल्डिंग में शुरू किया गया। इस बिल्डिंग का वार्षिक किराया 120 रुपये था। अब यह इमारत फाउंडर ब्रांच के नाम से जानी जाती है, जिसका पता इस प्रकार है, 75 डोंगरकरी (Dongerkeri) स्ट्रीट, मंगलूरू है।

शुरुआत में सिर्फ चार कर्मचारी ही केनरा हिंदू परमानेंट फंड में कार्यरत थे। उनमें से एक सेक्रेटरी, एक क्लर्क और दो बिल कलेक्टर थे। उस समय कर्मचारियों की सैलरी बहुत कम थी और फंड का मासिक खर्च सिर्फ 45 रुपये था। एक डायरेक्टर महोदय ने अपनी एक अलमारी केनरा हिंदू परमानेंट फंड को उपयोग करने के लिए किराए पर दी थी। केनरा हिंदू परमानेंट फंड की स्थापना 1 जुलाई 1906 को बरसात के मौसम में हुई थी इसलिए नवंबर 1906 तक फंड का कारोबार बहुत कम था, लेकिन उसके बाद कारोबार बढ़ने लगा। दो वर्ष की अवधि में डिपॉजिट 1 लाख और लोन 2 लाख तक पहुंच गया था। अब लोग फंड की डिपॉजिट सेवाओं में भरपूर निवेश करने लगे थे। फंड के ग्राहक उस समय करेंट अकाउंट और फिक्स डिपॉजिट खातों में रकम जमा कराया करते थे।

केनरा बैंक लिमिटेड

केनरा हिंदू परमानेंट फंड ने 2 साल में मंगलूरू शहर में अपनी अच्छी पहचान और अच्छा कारोबार स्थापित कर लिया था। लेकिन केनरा हिंदू परमानेंट फंड के डायरेक्टर साहब को महसूस हो रहा था कि वर्तमान 'आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन' फंड के कार्य और वृद्धि में बाधा उत्पन्न कर रहा है, क्योंकि फंड एक सहकारी संगठन था, जहां कभी भी शेरधारक अपनी पूंजी निकाल सकते हैं। इसलिए केनरा हिंदू फंड के शुभचिंतक श्री सुब्रह्ममनिया अय्यर ने सुझाव दिया कि फंड को पुनर्गठित किया जाए क्योंकि फंड एक लिमिटेड बैंक का काम कर रहा है। इसलिए उनके सुझाव को मानते हुए केनरा हिंदू परमानेंट फंड

को पुनर्गठित किया गया और 1910 में केनरा बैंक लिमिटेड के रूप में स्थापित किया गया।

अम्मेम्बाल सुब्बाराव पै (संस्थापक) जी का उद्देश्य

अम्मेम्बाल सुब्बाराव पै जी चाहते थे कि बैंकिंग की कार्यप्रणाली निम्नलिखित मुख्य बिन्दुओं पर आधारित हो-

1. To be human, इंसानियत और मानवतावादी मूल्यों पर आधारित बैंकिंग
2. To be democratic लोकतांत्रिक और सभी वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्थान
3. To be cosmopolitan विश्वबंधुत्व भाव से कार्य करने वाली संस्था
4. To be progressive सदैव प्रगतिशील, गतिशील और अग्रसर सोच रखने वाली संस्थान
5. To be helpful सदैव मदद के लिए अग्रसर
6. To be different कुछ अलग और आदर्श स्थापित करने का दमखम रखने वाला संस्थान। वह चाहते थे कि बैंक की सेवाएं उत्कृष्ट, सस्ती और जन-मानस को सुगमता से उपलब्ध हों।

वर्ष 1913 का बैंकिंग संकट

इस शताब्दी के दूसरे दशक में बैंकिंग जगत में संकट के बादल छा गए और पूरा बैंकिंग जगत संकट में घिर गया। इस दौरान 94 के आसपास बैंक डूब गए। इसका मुख्य कारण प्रथम विश्व युद्ध के बाद मांग और उत्पादकता में कमी के कारण आर्थिक मंदी को देश झेल रहा था। मुद्रा की कमी के कारण बैंकों की तरलता घट रही थी। दूसरा कारण बैंकों की संख्या में सहसा वृद्धि (मशरूम ग्रोथ) हो रही थी। उस समय बैंक खोलने के लिए कोई लाइसेंस प्रक्रिया नहीं थी ना ही कोई सेंट्रल बैंक रेगुलेटर था, जो बैंकों के संचालन के लिए दिशा निर्देश दें और बैंकों के निरीक्षण की व्यवस्था भी नहीं थी। तीसरा बैंकों के बीच आपस में तालमेल नहीं था। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए अवांछनीय स्पर्धा

चल रही थी। बैंकों की संख्या बढ़ रही थी लेकिन बैंकों के संचालन के लिए सक्षम एवं अनुभवी प्रबंधक और कार्यपालकों की कमी थी। ब्रिटिश सरकार और ब्रिटिश बैंक भारतीय बैंकों की सुदृढ़ता के प्रति कोई रुचि नहीं ले रहे थे और उनका रवैया बैंकों के प्रति उदासीन था।

एक ओर बैंकिंग संकट के बावजूद जहां बहुत से बैंक दिवालिया हो रहे थे, दूसरी ओर ग्राहकों का हमारे बैंक के प्रति विश्वास बढ़ता गया। बैंक की मैनेजमेंट ने इस दौरान बहुत सूझबूझ और विवेकपूर्ण निर्णय लिए जिसके कारण बैंक के व्यापार में कोई आंच नहीं आई बल्कि पहले से और मजबूत हुआ। वर्ष 1915 के बैंक के निदेशकों की रिपोर्ट इसका प्रमाण है, जहां लिखा है कि बैंकिंग जगत में संकट तथा विश्व युद्ध के बावजूद भी बैंक का परिचालन संतोषजनक और उत्साहवर्धक था।

वर्ष 1920 में सोने की कीमतों में भारी गिरावट की वजह से गोल्ड लोन पोर्टफोलियो पर असर पड़ा। लेकिन बैंक के प्रबंधन ने तुरंत कार्रवाई की और ग्राहकों से गोल्ड लोन में अतिरिक्त प्रतिभूति देने के लिए कहा और जहां ग्राहक अतिरिक्त प्रतिभूति नहीं दे पाए उनसे गोल्ड लोन बंद करने के लिए अनुरोध किया गया।

बैंक में डबल लॉक सिस्टम का शुभारंभ

वर्ष 1920 के मई माह में बैंक ने अपनी कार्यप्रणाली में डबल लॉक सिस्टम को अपनाया। मई 1920 माह की बोर्ड मीटिंग में प्रस्ताव पारित किया गया कि खजांची, ट्रेजरर और सेक्रेटरी की अनुपस्थिति में चाबी हेड क्लर्क को दी जाए। किसी भी समय दोनों चाबी एक ही कर्मचारी के पास नहीं होगी।

मौसमी जमा (सीजनल डिपॉजिट)

उस दौरान बैंकों के लिए जनवरी से जून तक का समय कारोबार के हिसाब से व्यस्त मौसम माना जाता था और जुलाई से दिसंबर तक का समय कारोबार के लिए सुस्त मौसम माना जाता था। ब्याज की दर, ऋण और जमा योजनाएं मौसम के आधार पर निर्धारित की जाती थी।

बैंकिंग में बिल डिस्काउंटिंग

वर्ष 1925 में सारस्वत समाज के व्यापारी बैंक में बिल डिस्काउंटिंग योजना के अंतर्गत सेवाएं प्राप्त करना चाहते थे। लेकिन यह सुविधा हमारे बैंक में नहीं थी। बैंक के अधिकारियों को जब यह पता चला कि अपने समाज के लोग चेक, बिल और ड्राफ्ट डिस्काउंट के लिए बैंक खोलना चाहते हैं, तब बैंक प्रबंधन ने इस विषय पर तुरंत संज्ञान लिया। बोर्ड मीटिंग में बैंक प्रबंधन

को बिल डिस्काउंट व्यापार के लिए सुझाव दिया जो तुरंत मान लिया गया।

बैंकिंग क्षेत्र में एक और संकट

वर्ष 1913 के संकट को अभी भूले भी नहीं थे कि बैंकिंग जगत को एक और संकट वर्ष 1922 से 1930 का सामना करना पड़ा। बहुत से छोटे, मझौले और कमजोर बैंक डूब गए। वर्ष 1919 से 1921 तक 14 बैंक डूब गए और वर्ष 1923 में 20 बैंक डूबे। लेकिन बैंक की सशक्त एवं सतर्क प्रबंधन नीति के कारण तथा ग्राहकों का बैंक के प्रति अटल विश्वास के कारण हमारा बैंक संकट के दौर से बच निकला। वर्ष 1928 की बैंकिंग मंदी तथा 1938 में ट्रेवनकोर नेशनल बैंक का डूब जाना भी हमारे बैंक का बाल बांका ना कर सका।

श्रीनिवासन पै (चेयरमैन) वर्ष 1918 से 1943

वर्ष 1918 में श्रीनिवासन पै जी ने बैंक की कमान संभाली। वह 25 वर्ष तक बैंक के चेयरमैन के पद पर रहे और बैंक को नई दिशा दी। उनकी नीति थी,

“धीरे-धीरे चलो अनुभव से सीखो
और निरंतर आगे बढ़ो।”

इस नीति के कारण बैंक के शुरुआती परिणाम चौंकाने वाले नहीं थे। लेकिन बैंक अपनी स्थिति बैंकिंग जगत में सुदृढ़ करता गया। इसी नीति के कारण बैंक की नींव मजबूत हुई और आज हमारा बैंक बैंकिंग जगत में वट वृक्ष की तरह खड़ा है। श्रीनिवासन पै जी शांत स्वभाव के इंसान थे। वह बैंक के कर्मचारियों, श्रेयधारकों और ग्राहकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते थे और सिद्धांत सम्मत मत देते थे। इसी कारण से उनके विरोधी भी कुछ समय में उनके प्रशंसक हो जाते थे और वह आसानी से जनमत का विश्वास जीते लेते थे।

शाखा विस्तार का विचार

उस दौरान बहुत से बैंक दक्षिण केनरा तालुका में ही कार्यरत थे, लेकिन किसी ने भी अपनी शाखाएं शहर से बाहर नहीं खोली थी जबकि 1920 तक शाखाएं खोलने के लिए लाइसेंस की भी जरूरत नहीं पड़ती थी। बैंक खोलने के लिए लाइसेंस का नियम बहुत देर बाद सन 1940 में लागू हुआ।

बीस वर्ष तक मंगलूरु में ही सेवाएं देने के बाद बैंक प्रबंधन ने बैंक की शाखाएं खोलने का मन बनाया और दिनांक 1 अप्रैल 1926 को करकला (Karkala) में शाखा खोली। बैंक का डिपॉजिट बढ़ रहा था इसलिए शाखा खोलना अनिवार्य हो गया

था। इसलिए 1928 में बैंक ने एजेंसी के रूप में बैंक शाखा खोली जिसकी कमान मेसर्स कामत एंड कंपनी को कमीशन के आधार पर दी। इसी वर्ष 16 अगस्त 1926 को कासरगोड (Kasargod) और 22.11.1926 को कोचीन में शाखाएं खुली। कोचीन भारतीय मसालों के व्यापार के लिए जाना जाता है।

गोल्ड लोन की शुरुआत

उस दौरान कोचीन में नेडुंगडी बैंक कोषिकोड की शाखा (Nedungadi Bank Ltd Calicut) बहुत वर्षों से कार्यरत थी और उसकी गोल्ड लोन में एकाधिकारी थी। यह बैंक गोल्ड लोन पर 250 रुपए तक 12% ब्याज दर और 250 रुपए से अधिक रकम पर 15% की ब्याज दर पर लोन देते थे।

जब हमारे बैंक ने गोल्ड लोन की शुरुआत की तो ब्याज दर 9% निर्धारित की गई बिना किसी रकम की सीमा पर, जब कि उस समय कोचीन में कोई भी बैंक 12% से कम ब्याज दर पर गोल्ड लोन नहीं देता था। शुरुआत में आम जनता को हमारी ब्याज दर पर शंका हुई लेकिन दो वर्ष के कार्यकाल में ही बैंक का लोन ₹3.50 लाख हो गया था।

बचत खातों का चलन

उन दिनों बचत जमा खाते नहीं खोले जाते थे। इसका मुख्य कारण बैंक जल्दी-जल्दी दिवालीया हो रहे थे और बैंकों को लोन देने वाली संस्था ही समझा जाता था। आपको जानकर हैरानी होगी कि जिस दिन केनरा हिन्दू परमानेंट फंड का उद्घाटन हुआ था उस दिन हमारे संस्थापक श्री अम्मेम्बाल सुब्बाराव पै जी ने अपने चालू खाते में ₹35000 जमा कराए (बिना ब्याज दर के) जो उनकी मृत्यु के बाद उनके पुत्र ने बैंक से निकाले थे। उन दिनों डिपॉजिट मोबिलाइजेशन के लिए कोई अभियान नहीं चलाया जाता था जैसा कि आजकल चलाया जाता है। वर्ष 1920 के बाद बैंकों में बचत खाता खोलने का चलन शुरू हुआ। उन दिनों केवल सावधि जमा योजना के लिए बैंक में योजनाएं थी। बैंकों के बीच ब्याज दरों की कोई समानता नहीं थी। सभी बैंक अपने-अपने ब्याज दर निर्धारित करते थे। एक ही बैंक की दूसरी शाखा के ब्याज दर में भिन्नता होती थी।

वर्ष 1930 का सबसे बड़ा आर्थिक संकट

बैंकों को वर्ष 1930 में सबसे बड़े आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा। काली मिर्च की कीमतों में अचानक उछाल आया और काली मिर्च का भाव 108 सी डब्ल्यू टी रुपए हो गया। कुछ समय बाद काली मिर्च के भाव में गिरावट शुरू हो गई। यह भाव 71 सीडब्ल्यूटी से 70, 60, 50 सीडब्ल्यूटी तक पहुंची। कुछ देर

कीमतों में स्थिरता रही लेकिन रेट फिर टूटा और 30 सीडब्ल्यूटी से लेकर 12 सीडब्ल्यूटी तक गिरा। यह स्थिति सभी वेस्ट कोस्टल बैंकों के लिए घातक थी। हमारा बैंक भी इस संकट की चपेट में आया। इस संकट से निपटने के लिए कठोर और सख्त कदम उठाने की जरूरत थी। बैंक प्रबंधन ने सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया। बैंक की कैपिटल को 3 लाख से 6 लाख बढ़ाने पर विचार किया। जब यह बात बैंक के शेयर धारकों को पता लगी तो उन्होंने कोई रुचि नहीं दिखाई। तब बैंक ने शेयर धारकों से अपने अधिकार स्थानांतरण के लिए कहा। इससे शेयर धारकों का बैंक के प्रति विश्वास बढ़ा और इशू सब्सक्राइब हो गया।

इस विकट संकट से निपटने के लिए बैंक ने सावधि जमा योजनाओं की ब्याज दर में कटौती की। उन दिनों कोई भी बैंक सावधि जमा योजना की ब्याज दर में कटौती की सोच भी नहीं सकता था। ऐसी स्थिति में हमारे बैंक ने कठोर कदम उठाया और सविधा जमा योजना में ब्याज दर 4% वार्षिक की।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बैंकों में मोरेटोरियम और बैंक द्वारा संयम का परिचय

उसी दौरान भारतीय रिज़र्व बैंक ने देश के सभी बैंकों में तीन दिन के लिए मोरेटोरियम लगा दिया। तीन दिनों के बाद जब बैंक खुले तो बैंक से अपनी जमा राशि निकालने के लिए ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी। बैंक के अध्यक्ष श्री श्रीनिवासन पै जी ने निर्णय लिया कि किसी भी ग्राहक को जमा राशि निकालने के लिए लौटाया नहीं जाएगा। बैंक प्रबंधन ने संयम का परिचय देते हुए सभी जमाकर्ताओं की रकम लौटाई और किसी को भी निराश नहीं किया। एक हफ्ते के बाद सभी जमाकर्ता वापस लौट आए। मोरेटोरियम के बाद जितनी रकम जमाकर्ताओं ने निकाली थी उससे ज्यादा, 6 लाख के आसपास बैंक में जमा हो गई। बैंक प्रबंधन की संकट के समय संयम की युक्ति काम आई। एक और संकट का बैंक ने समझदारी का परिचय देते हुए बहादुरी से सामना किया और ग्राहकों का विश्वास बैंक के प्रति और दृढ़ हुआ। आपको जानकर हैरानी होगी कि वर्ष 1926 से 1936 तक उस क्षेत्र के सभी बैंकों की परफॉर्मेंस से हमारे बैंक की परफॉर्मेंस बहुत अच्छी थी। हमारे बैंक का उस समय मार्केट शेयर 45% था 16% की वार्षिक दर से शेयर धारकों को डिविडेंड दे रहा था। शुरुआत से ही हमारे बैंक ने बैंकिंग क्षेत्र में साहसी कार्य किए हैं, जिसमें वित्तीय समावेशन, कम ब्याज दर पर लोन, सर्वजन सुखाय, सर्वजन हिताय की भावना की झलक दिखती है।

यह है हमारे केनरा बैंक की गौरव गाथा वर्ष 1906 से 1930 तक।

Time travel to Andhra Pradesh



M Kowsalya

Prob. Officer
Sarakarasamakulam Branch

THE SOURCE OF THE UNIVERSE IS AS DIVERSE AS ITS MANIFESTATION.

This article will explore the goodness of Andhra Pradesh and I believe that you would definitely be captivated to taste the flavor of the Telugu State. Andhra Pradesh is the vibrant State which is nestled in the South Eastern coast of India. The rich heritage and culture of Andhra Pradesh is reflected in the culinary skills of the people. This State is undoubtedly a prized gem in the crown of Indian glory. Firstly, Andhra Pradesh comes from the word “ANDHRA” and the suffix “PRADESH” which together mean “LAND OF ANDHRAS”. Popularly, it is also a Sanskrit word that means SOUTH.

ORIGIN

A Telugu State called AP was formed in 1956 from the merger of a Telangana part of Hyderabad Kingdom and Andhra State that was carved out in 1953 from the Madras province of British East India. It is a region which was governed by different dynasties and empires. The conglomeration of many rulers like Pallavas, Chalukyas, Kakatiya, Vijayanagara, Ikshvakus and Mughals have given the state a different face and culture. The Andhras were originally believed to be Dravidians. It is the seventh largest State where the Eastern Ghats are major dividing line separating coastal plains and the second largest coastal plain of India. It has delta regions formed by the Krishna, Godavari and Penna rivers and has five different type of soils with major red lateritic and black soil. The State has 3 National parks and 13 Wildlife sanctuaries.

CULTURE AND PEOPLE

Andhra holds a high ethnic value and has a remarkable culture and tradition. The traditional dress worn by them is Dhoti and Kurta. Himroo, is a distinctive luxurious fabric which was once used as a dress material by the nobles, with a cotton base or silk weave. The rich and varied culture of Andhra Pradesh can be perceived from its melodious music, scintillating dances, delectable cuisine, ingenious arts and crafts, glorious religions and of course with the wonderful people. Festivals like Makara Sankranti/Pongal also known as Pedda Panduga is one of the Pan- Indian Solar festival. It marks the beginning of the sun's journey towards the northern hemisphere celebrating the harvest season and new beginnings. Bathukamma, Ugadi, Sri Rama Navami, Varalakshmi Vratam, etc are some of the other festivals which are celebrated in a grand manner.



ART AND CRAFTS

Due to diversified culture and religious influence, the handicrafts of Andhra Pradesh are prosperous

around the temples, courts and villages and traces its roots from the Golkonda Kingdom. NIRMAL- a popular form of painting is done in Nirmal district. This famous art is tracked to the Kakatiya dynasty. The State is predominantly famous for its Kalamkari works, an ancient textile printing that originated about 3000 years ago. Tholu Bommalata, a shadow puppet theatre, the Amaravathi Art, Cherial Scroll paintings and Kondapalli wooden dolls are the exclusive art forms of Andhra Pradesh.

Andhra Pradesh the “Kohinoor of India” is a State with a strong sense of community. “Satyameva Jayate” is the motto of Andhra Pradesh which is also practiced in its true sense by the people of Andhra. It is also known as “The Rice Bowl of India” and is the major producer of commercial crops like tobacco, cotton, groundnut, chilly, oil seeds, sugarcane, jute, turmeric. Being mentioned as appropriately the Rice Bowl, it produces around 128 million tons of Rice per annum as per the data of “The Hindu”. The State produces some of the finest varieties of fruits like Mango, Grapes, Guava, Sapota, Papaya and Banana.

FLAVOUR PROFILE

The key spice or the crown of Andhra cuisine is Chilly, which is used in abundance and is the reason for the sobriquet “DYNAMIC FOOD”. Till Portuguese introduced chilies, people used Pepper to spice up the food. All Andhraites love spice to flavor their food, and the cuisine is loaded with key

flavors of coconut, tamarind, peanuts and mustard seeds, garlic, sesame seeds and chilies.



They enjoy Pulihora or tamarind rice/Lemon rice. It is the main course in Andhra Pradesh, and the use of chillies and peanuts add an unique flavour to it. The Andhra Pickle, known as Avakaya, has a depth of flavour with the combination of spices, herbs and oil creates a rich savoury taste this can be savoured with hot steaming rice, ghee and pappad. The Gutti Vankaya (Stuffed Brinjal), Tamata Pappu, dondakaya fry, panasa pottu aara kura and pesarattu are some of the vegetarian mouth watering delicacies to name a few.

Now for the non veg lovers, the Pulasa pulusu a seasonal fish curry, Naatu kodi pulusu, Gongura Chicken, Royyala iguru, delectable Biriyani, Haleem (pounded wheat and mutton dish) and Kebabs, will tantalize the taste buds.

Coming to the dessert profile of the state, Sunnundalu, Bobbatlu, Kakinada Kaja, Pootharekulu, Ariselu and Gavvalu are all time favorite classic sweets found specific to the state.

To conclude, the Industrial growth has transformed the landscape of Andhra Pradesh but still a majority of population live by agriculture. The state is a rich mosaic of culture being embedded with multiple faiths and they all live in peace and harmony.

Hope you have enjoyed the time travel to Andhra Pradesh. Do visit and try the extraordinary cuisine and get mesmerized with the taste of INDIA.



Current Landscape for Banking Sector in India

Ipsita Pradhan

Senior Manager
Economist, S & DA Wing
HO, Bengaluru



The Banking sector in India has experienced a "Goldilocks" period since FY22, a phase characterized by a balanced environment that is neither too restrictive nor overly expansive, fostering healthy growth and stability. Key regulatory reforms by the RBI, such as Asset Quality Review (AQR) and Insolvency and Bankruptcy Code (IBC), have played a pivotal role in bringing about such a conducive environment for the Banking sector. This had been further supported by capital infusion by the Central Government of about ₹3.31 lakh crore into Public sector Banks (PSBs), between FY17 and FY21, to strengthen the Banking sector's capital base along with a stable inflation environment and resilient economic growth momentum.

However, the current landscape for Banking sector offers both a mix of opportunities and challenges. While growth momentum of Banking sector remains supported by a resilient domestic economy with easing inflationary pressures, improving investment sentiments and Government's continued focus on infrastructure spending, challenges emanate from elevated funding costs, potential stress in unsecured lending and heightened cybersecurity concerns. Additionally, interconnectedness with Non-Banking Financial Companies (NBFCs) and global economic uncertainties present ongoing risks that Banks must manage carefully as they continue to adapt to a dynamic landscape.

With this backdrop, the present paper delves into

the current landscape of the Banking sector in India in the face of an evolving and dynamic financial ecosystem.

Current Landscape

- 1. Economic Growth Momentum remains resilient in the Domestic Economy:** The growth momentum in the domestic economy remains steady as being indicated by high frequency economic indicators with the main components from the supply side – agriculture, manufacturing and services – remaining resilient and demand conditions remaining supported by revival in rural demand, while urban demand continues to hold firm. In Oct 2024 monetary policy announcement, RBI has retained the real GDP growth projection for FY25 at 7.2%. This augurs well for the credit growth outlook as Indian Banking system continues to be resilient, backed by improved asset quality, stable credit growth and strong fundamentals.
- 2. Fiscal consolidation with focus on infrastructure spending:** The government remains committed to fiscal consolidation and aims to bring down the fiscal deficit during the current financial year 2024-25 to 4.9% of GDP from the 5.6% in the last financial year, while maintaining the focus on infrastructure spending. The capital expenditure outlay for FY25 is has been kept at ₹11.11 trillion (3.4% of the GDP), 11.1% higher than ₹10 trillion

in FY24. This dual approach is supporting economic growth as well as credit demand in the economy.

- 3. Inflation remaining within RBI's target range, though concern remain from elevated food inflation:** While inflation is within the target range, elevated food prices remain a concern, potentially affecting overall consumer spending and economic stability. India's CPI inflation surged to nine months high of 5.49% y-o-y in Sep'24 from 3.65% y-o-y in Aug'24 and 5.02% in Sep'23, led by base effect and rising vegetable prices. Food and beverages inflation, spiked to 8.36% y-o-y in Sep'24 from 5.30% in Aug'24.

The sharp surge in headline inflation and elevated food inflation in particular, has been keeping RBI remaining cautious on the inflation front. Apart from this upside risk also remains from heightened geo-political conflicts in the Middle East region and policy decisions of the new regime in the US economy.

- 4. Twin Balance Sheet Advantage remaining supportive of credit growth:** In the post-pandemic period, Corporates have actively deleveraged their balance sheets by reducing debt and enhancing profitability and Banks also have improved their financial health by addressing Non-Performing Assets (NPAs) and increasing capital adequacy. This synergy allows Banks to extend credit more confidently, fueling corporate growth and creating a positive feedback loop that fosters stability and resilience in the financial system, essential for sustaining economic momentum.
- 5. Strengthened Capital Adequacy and Flexible liquidity management by RBI:** On the capital adequacy front, Scheduled Commercial Banks

(SCBs) bolstered their capital base by capitalizing on reserves generated from higher profits and by raising fresh capital. As a result, their Capital to Risk Weighted Assets Ratio (CRAR) remained comfortably above the regulatory minimum. The stress test results in the Financial Stability Report-June 2024 further show that Banks in India are well capitalized and capable of absorbing macroeconomic shocks even in the absence of any further capital infusion by stakeholders.

To support the growth momentum in the economy, the Banking sector has to grow commensurately. In this context, following are the major concerns that needs to be addressed / resolved;

Key Concerns in the current Landscape

- 1. Slow Deposits mobilization due to structural changes in the financial asset allocation by the Households:** There is a decline in the share of deposits in the household financial asset mix to only 37% in FY23 (compared to 41% in FY21) with only 34% going towards Commercial Bank deposits. At the same time, mutual fund allocation witnessed a growth of to 6% in FY23 from 2% in FY21 and that to savings schemes (PPF and Small Savings) has increased to 29% in FY23 from 24% in Fy21.
- 2. Pressure on Cost of Deposits & Net Interest Margins:** The combination of sustained credit demand and persistent gap between credit and deposit growth led to competition among Banks to increase deposits rates, leading to increase in cost of deposits exerting a downward pressure on the Net Interest Margins (NIM) of Banks.
- 3. Moderation in Credit Growth:** As per latest fortnightly RBI data, Credit growth has

moderated to 12.8% y-o-y for the fortnight ending 18th October 2024 as compared to 15.4% y-o-y in the corresponding period of last year, due to high base effect, coupled with the challenges in deposit mobilization and continued global headwinds.

- 4. Potential stress in the unsecured lending portfolio:** RBI has noted in its Monetary Policy statement for October 2024 that there is some likelihood of stress build-up in a few unsecured loan segments like loans for consumption purposes, micro finance loans and credit card outstanding. RBI Governor also has highlighted that some NBFCs pursuing growth without building up sustainable business practices and risk management framework.

In connection with its recent scrutiny of NBFCs, RBI has imposed penalties on three NBFCs in September 2024 for regulatory lapses and non-compliance with various RBI directives. Further, in October 2024, RBI barred four NBFCs from sanctioning and disbursing loans, citing usurious interest rates charged by them for their microfinance borrowers-indicating intensified oversight of the NBFC sector by the RBI.

- 5. External Headwinds:** Worsening geo-political balance in the Middle East and continued war between Ukraine-Russia are the major concerns from the global front. Any worsening of the geo-political condition in the Middle East region may potentially cause supply disruptions and lead to spike in crude oil prices, thereby increasing the risk of imported inflation to net oil importing country like India.
- 6. Risk in the NBFC portfolios/interconnected lending issue:** RBI Governor in his address for Monetary Policy Statement for October 2024 has highlighting concerns over aggressive growth pursuit by NBFCs along with the

observation that some NBFCs – including Micro Finance Institutions (MFIs) and Housing Finance Companies (HFCs) chasing for excessive return on their equity, due to pressure from their investors, by imposing higher interest rates and other service charges, which could pose risk to the financial stability and needs to be addressed.

- 7. Technology risks:** As Banks embrace digital transformation, Security threats especially from Cyber space have escalated, necessitating enhanced protective measures.

Conclusion

Taking into consideration the different aspects of the current landscape of Indian Banking sector, it can be said that Banks in India remain supported by innovative solutions and greater financial inclusion of the unbanked areas, RBI proactively addressing potential stress in the unsecured loan segment along with monitoring of NBFC lending practices for ensuring credit stability, Banks leveraging advanced technologies like Machine Learning / Artificial Intelligence in a proactive manner and bolstering cyber security. These combined efforts suggest a stable and robust environment for Banks, fostering sustained growth and confidence in the banking sector.

Views/opinions expressed in this research publication are views of the research team and not necessarily that of Canara Bank or its subsidiaries. The publication is based on information & data from different sources. The Bank or the research team assumes no liability if any person or entity relies on views, opinion or facts and figures finding in this project.



गज़ब की गुरुदक्षिणा

रोचक दीक्षित

प्रबंधक
मर्चेन्ट प्रबंधन अनुभाग
बेंगलूरु, प्र.का.



विशाखापत्तनम की दुर्गा एक साधारण गृहिणी थी, जिसका दिल हमेशा कला के लिए धड़कता था। उसे बचपन से ही चित्रकारी का बहुत शौक था। दुर्गा का सपना था कि वह एक दिन अपना खुद का कला विद्यालय खोले लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति ऐसी थी कि हर महीने की आमदनी केवल खर्चों में ही खत्म हो जाती थी। उसका पति, महेश, एक साधारण नौकरी करता था। दोनों मिलकर अपने जीवन को बमुश्किल चला रहे थे। दुर्गा जानती थी कि महेश उसकी ख्वाहिश के लिए कड़ी मेहनत कर रहा था। उसने पिछले कुछ महीनों से पैसे बचाने की कोशिश भी की, लेकिन दुर्गा समझती थी कि इस तरीके से पैसे इकट्ठा करने में एक अरसा लग जाएगा। बैंक से व्यापार ऋण लेने के लिए उनके पास विवाह के कुछ गहनों के अलावा कोई संपार्श्विक भी नहीं था। एक दिन, दुर्गा ने ठान लिया कि वह अपने लिए कुछ करेगी।

उसने अपने घर में चित्रकारी की कक्षाएं देने का फैसला किया। विभिन्न कला प्रेमियों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए वह सप्ताह के दिनों में चित्रकारी और सप्ताहांत में मिट्टी से मॉडलिंग सिखाती थी। वह सीखने तथा अभ्यास के लिए आवश्यक सभी अच्छी गुणवत्ता वाले सामान कक्षा में ही उपलब्ध कराती जिससे विद्यार्थियों को कोई परेशानी न हो। उन्हें बाजार में छोटी-छोटी चीजों की खरीदारी की चिंता किए बिना कक्षाओं में दाखिला लेना था, जिस सुविधा की वजह से विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता भी आकर्षित हो रहे थे। शुल्क भी उसने कम ही रखा ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग शामिल हो सकें और इसे आसान बनाने के लिए शुल्क को साप्ताहिक किश्तों में भुगतान का प्रावधान भी प्रदान किया। जल्द ही, दुर्गा की कक्षाएं लोकप्रिय हो गईं। कुछ ही महीनों में वह शहर की एक मशहूर कला अध्यापक बन चुकी थी। उसके पास छात्रों की एक अच्छी संख्या थी और वह हर महीने कुछ पैसे बचाने लगी। अब वह अपने सपने के करीब जा रही थी और उसकी प्रतिभा भी दिन प्रतिदिन निखरती जा रही थी।

दुर्गा का जन्म और पालन-पोषण उसी शहर में हुआ था। एक दिन उसे उस स्कूल के नए प्रधानाचार्य का फोन आया जहाँ से उसने पढ़ाई की थी। दूसरी ओर से महिला ने कहा, नमस्ते, मैं प्रधानाचार्या कविता बोल रही हूँ। मैंने हाल ही में आपकी कक्षाओं के बारे में सुना। हमें आप पर गर्व है। मैं आपको अगले सप्ताह अतिथि सत्र के लिए स्कूल में आमंत्रित करना चाहती हूँ। मुझे यकीन है कि आप बच्चों को कला के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकेंगी। क्या यह आपके लिए संभव होगा? दुर्गा का दिल खुशी से भर गया। वह सम्मानित महसूस कर रही थी। उसने तुरंत हाँ कहा और वह मन ही मन योजना बनाने लगी कि वह स्कूल में क्या सिखाएगी। जब वह स्कूल पहुँची, तो उसे अपने विचारों को साझा करने का एक मौका मिला। उसने बच्चों को सिखाने के लिए एक अनोखा कार्यक्रम तैयार किया था जो प्रबंधन को बहुत पसंद आया। छात्रों ने भी उसके प्रति प्रेम व्यक्त किया और सक्रिय भागीदारी दिखाई। उसने बच्चों को समझाया कि कला केवल एक शौक नहीं है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। दुर्गा की मेहनत रंग लाई और उसने अपने छात्रों के साथ मिलकर कई खूबसूरत चित्र बनाए।

सत्र के बाद, वह स्कूल में अपने बचपन के कला शिक्षक सत्यम से मिली। अब वह बुजुर्ग हो गए थे, लेकिन दुर्गा के प्रति उनकी स्नेहभावना अभी भी ज़िंदा थी। वह काफी देर तक उनके साथ बैठी और बचपन की यादों के बारे में बात की। दुर्गा ने सत्यम सर को अपने सपने के बारे में बताया और उन्होंने उसे अपना समर्थन और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने दुर्गा से कहा, तुम्हें अपने काम के कुछ सर्वश्रेष्ठ चित्र स्कूल में लगाने चाहिए। जब भी बच्चों के माता-पिता आएंगे और उनके बारे में पूछेंगे, हम उन्हें तुम्हारा संपर्क दे देंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह प्रधानाचार्या को ऐसा करने के लिए मना लेंगे क्योंकि इससे प्रतिभाशाली छात्रों को तैयार करने में स्कूल की प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। दुर्गा ने खुशी-खुशी यह प्रस्ताव स्वीकार किया और इस मदद के लिए अपना आभार प्रकट किया। अगले ही दिन उसने

अपने कुछ बेहतरीन चित्र और कलाकृतियां अपने अध्यापक को दे दीं। उसने साथ ही विजिटिंग कार्ड भी दिए ताकि लोग उससे सीधा संपर्क कर सकें। वह जानती थी कि हर नया छात्र उसे उसके लक्ष्य के करीब ले जाएगा।

उसे उम्मीद थी कि जल्द ही उसके पास और भी विद्यार्थी आने लगेंगे और वह कड़ी मेहनत करके अपना सपना जल्दी से जल्दी पूरा कर सकेगी मगर ऐसा हुआ नहीं। तीन हफ्ते बीत जाने के बाद भी जब उसे किसी का कोई फोन नहीं आया तब उसने सत्यम को फोन किया लेकिन पता चला कि वे छुट्टी पर हैं। उन्होंने कहा कि वे लौटने पर उसे फोन करेंगे। जब अगले हफ्ते में भी कोई फोन नहीं आया, तो दुर्गा ने खुद स्कूल जाने का निर्णय लिया। सत्यम पहले से ही उसकी बहुत मदद कर रहा था, वह उसकी छुट्टियों में उसे परेशान नहीं करना चाहती थी। जब वह विद्यालय पहुँची, तो उसे अपने चित्र कहीं दिखे ही नहीं! न ही किसी दीवार पर कोई चित्र था और न ही किसी कोने में कोई कलाकृति। उसने प्रधानाचार्य से पूछा, लेकिन उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। दुर्गा का मन हल्का सा घबराया मगर उसने साहस बनाए रखा और सोचा की शायद कुछ और कारण रहा होगा। वापस घर लौटते समय न जाने क्या सोच कर दुर्गा ने अपने चित्रों की तस्वीरें ऑनलाइन खोजी और वह हैरान रह गई। अपने कुछ चित्र विभिन्न ऑनलाइन बाजारों पर बिक्री के लिए उपलब्ध देख उसका दिल टूट गया। कुछ मूर्तियां भी बिक्री पर थीं, वह भी भारी कीमत पर। इस धोखे से उसका मन खराब हो गया। उसने निर्णय लिया कि वह सत्यम को फिर से फोन नहीं करेगी। वह इतनी आहत थी कि वह अपने शिक्षक से भी कोई उत्तर नहीं चाहती थी।

घर लौटकर उसने महेश से ज्यादा बात नहीं की। अगले हफ्ते की अपनी कक्षाएं भी रह कर दीं। जब दो दिनों तक वह गुमसुम ही रही, महेश ने उसकी चुप्पी को देख उससे पूछा, क्या हुआ, दुर्गा? थोड़ा हिचकिचाते हुए दुर्गा ने सारी कहानी बताई। अपने साथ हुए छल के बारे में बताते हुए उसकी आंखें नम हो गईं। महेश ने उसे ढांडस बंधाते हुए कहा, एक संस्थापक उद्यमी होता है, वह हार नहीं मानता। कुछ कलाकृतियाँ चली गयीं तो क्या हुआ? तुम्हारी कला अभी भी तुम्हारे पास है। तुम फिर से अपने चित्र बना सकती हो, और शायद और भी बेहतर। उसकी बातों ने दुर्गा के मन में एक नई ऊर्जा भर दी। उसने सोचा, भला वह किसी और के कृत्यों के कारण अपना सपना क्यों छोड़ देगी। वह और भी अधिक मेहनत करेगी और जो चाहती है उसे हासिल करेगी।

इतना कहकर महेश दफ्तर निकल गया। उसने बिना बताए अपने एक दोस्त से मदद मांगी, जो पुलिस में था। मित्र ने सत्यम का पता लगाया और उसके घर पहुँच गया। महेश भी वहाँ पहुँच कर अपने मित्र का इंतज़ार कर रहा था। पुलिस को अपने दरवाज़े पर खड़ा देख सत्यम घबरा गया। वह कोई पेशेवर ठग नहीं था, बस लालची हो गया था। वह अपने किए पर पछताया और बार बार माफ़ी मांगने लगा। उसने दुर्गा के सभी चित्र लौटाने का वादा किया। वे सभी, कलाकृतियाँ लेकर, सीधे महेश और दुर्गा के आवास पर गए। एक नेक और दयालु व्यक्ति होने के नाते, दुर्गा के मन में कहीं न कहीं अभी भी यह संभावना थी कि शायद उसके शिक्षक कुछ सामान बेचकर उसके सपनों के लिए धन की व्यवस्था करने की कोशिश कर रहे थे। किसी तरह, उसके लिए यह विश्वास करना कठिन था कि जिस शिक्षक ने उसे कला सीखने के लिए प्रेरित किया वह कुछ पैसे के लिए उसे बेवकूफ बनाएगा। जहाँ कुछ दिन पहले वह अपने विद्यालय के उद्घाटन समारोह में सत्यम को फीता काटने के लिए आमंत्रित करने की सोच रही थी, अब उसे उनकी मंशा पर भी संदेह हो रहा था। मगर अब सब कुछ अपनी आंखों के सामने देखकर सम्मान की आखिरी उम्मीद भी खत्म हो गई।

आखिरकार उसे अपना सारा सामान वापस मिल गया, दो चीज़ें गायब थीं जो पहले ही बिक चुकी थीं। पुलिसकर्मी ने दुर्गा से कहा कि अगर वह चाहे तो उन वस्तुओं के लिए मुआवजा मांग सकती है लेकिन उसने इनकार कर दिया। उसने सत्यम से कहा, यह पैसे आप गुरुदक्षिणा समझ कर रख लीजिए। आज आपने मुझे सतर्कता का वह पाठ पढ़ाया है जो भविष्य में बहुत काम आएगा। उसकी बात सुनकर सत्यम को और भी पछतावा हुआ। शायद ही इतिहास में किसी ने अपने गुरु को इस प्रकार की गुरुदक्षिणा दी होगी।

अब, दुर्गा ने अपने काम की ओर ध्यान केंद्रित किया। कुछ अठारह महीनों की कड़ी मेहनत के बाद, दुर्गा ने अपना कला विद्यालय खोला। उसने इसे अपनी बनाई कलाकृतियों से ही सजाया था। उद्घाटन के दिन, उसने अपने सभी छात्रों, परिवार और दोस्तों को बुलाया। महेश हमेशा की तरह उसका सबसे बड़ा सहारा था और उसकी उपलब्धि पर उससे भी ज्यादा खुश था। उसका निस्वार्थ समर्थन वास्तव में अनमोल था। दुर्गा जानती थी कि चुनौतियाँ तो अभी बस शुरू हुई हैं, लेकिन वह तैयार थी।

Leader - Nature or Nurture



Sreekuttan S

Divisional Manager
RAH, Madikeri

Leadership is often perceived as a hierarchy of powerhouse attained by virtue of the position one possesses. But in the modern world of management, it has more to do with the skills rather than the position. To put it in simple terms, your position doesn't always define you as a leader, but your actions and skill do.

A real leader I came across in my early career.

Let me start with a small incident happened to me in my early days of my career (in my previous organization). I was in the very nascent stage of my career with hardly 6 months of experience in the project. Our team is comprised of a Team Leader (TL), Mr. Sachin and some 6-7 other people of my level, but with different levels of experience in the company. It was a Friday and all were in the mood of excitement about the weekend round the corner. Our TL, Mr Sachin left a little early that day and most of the senior team members were also not there. It was that particular day in the week, in which we are supposed to make some planned maintenance of the database and I was entrusted with the task. I was in a hurry to complete the task and to my shock in made a critical error in one of the commands and the entire database crashed! I didn't hesitate a bit. I dialed Sachin and told the matter. "Hey you are not joking right", he asked. I told no and he rushed back to the office. He did some rectifications and luckily the DB was restored using backup. Of course we lost some data which was critical. Next working day, Sachin called for a team meeting and told about this incident. He said he wanted to punish me for the mistake I did and asked me what type of punishment

I wanted. I didn't say anything. He announced the punishment that I should write a reference material on trouble shooting in connection with our project and get it published in the internal knowledge sharing portal of the company. My eyes were almost filled with tears and I was relieved. He had every opportunity to verbally bash me in front of the team for the kind of mistake that I did, which almost cost critical loss to the company. But instead, he came to my rescue, rectified my mistake, didn't escalate the matter to any level, and gave me a constructive punishment. I undertook the punishment and my first article got published in the company's portal. Mr Sachin didn't hesitate to appreciate me in the very next team meeting for my accomplishment. See, how an act of a leader in an event of adversity has turned to a milestone in one's life. As I write this article today, I am truly indebted to him for being my first motivation for all the suggestions and articles I have written till now and going to write.

Leadership as a position or leadership by virtue of deeds

Leadership is basically the ability and desire to shoulder any kind of responsibility. But does it really require a position to be possessed? Anyone in the team can be a leader. In fact, it's the circumstances which will enable oneself to unleash the true leadership trait, no matter what position you hold in the hierarchy. I have seen people voluntarily go that extra mile without having the badge of authority in their shoulder to fulfil the goals of the organization or team. Hence it's very important to find and nurture such kind of employees in the early

stages of career to mould them into future leaders. But then, who does this job in the organization.?

What defines a true leader?

The topic of leader and leadership has been subjected to vast amount of research over the years and the theories get changed rapidly in the modern world. However, some theories are here to stay and defines the very basic characteristics of a true leader. It is a common notion in the management world that people quit bosses and not jobs. Leadership is not essentially about exercising power to get things done, rather a good leader should be able to prioritize people over power. One need not be a BOSS to be a good LEADER. Leadership is not about people management alone. It's about aligning the goals and values of the organization in line with the process of the organization through people. A true leader is responsible in ensuring that the organization is moving towards its goal, strictly adhering to the values put forward by it by a process which defines the existence of the organization, through people. In this process, true traits of a leader will unfold under various circumstances, especially at times of adversity. In fact, how well he/she reacts to the times of adversity defines a true leader.

The process to pick the leader

Identifying prospective leaders at the appropriate time, with a view to nurture them into leaders of future is indeed a culture that should be stitched in

to the fabric of organization. Promotion process is one such arena for creating future leaders. But more often, this process delimits the opportunities in front of the organization in selecting the right leaders, especially in PSBs. Why so?

Through a promotion process, the organization will be having limited talents at their disposal to choose from, because as said earlier it is not necessary that personnel with true leadership traits would come forward to appear in promotion process. The organization will be constrained to pick from those candidates who are willingly appearing for the promotion. That doesn't ensure to have the creamy layer of talents to choose from the lot. So a favorable environment for career growth should be created within the organization so that all eligible ones participate in the process otherwise organization would be constrained to choose from who has come forward, which doesn't always guarantee right ones to get filled at the right place. Rather it would be like a fill the gap process with whoever is available. It is even more challenging task particularly for a PSB, because PSBs are not having the liberty to recruit Senior Management level employees as and when the need arises, unlike in the case of private entities. Hence PSBs are left with only the promotion process to create and shape future leaders for the organization. Thus it becomes very imperative to note the importance of getting the right people at right place through promotion process.

“यथा यथा आचरति श्रेष्ठः तथा तथा अचरति अन्यः
यथा यथा प्रवर्तत श्रेष्ठः तथा तथा प्रवर्तत अन्यः”

(“As the leader act so do the others,
As the leader conduct himself so do the others conduct”)

मेरा भारत महान

मेरा देश भारत बहुत महान है,
पूरी दुनिया इसकी दीवानी है।
राजेन्द्र प्रसाद जी की सादगी है,
शहीद भगत सिंह की कुर्बानी है।
महाराणा प्रताप से योद्धा है,
बेमिसाल झाँसी की रानी है।



प्रमोद रंजन
प्रबंधक
बेट्टैया मुख्य शाखा

ऊँचे-ऊँचे पर्वत हैं,
बहता गंगा का निर्मल पानी है।
सरहद पे वीर सैनिक है,
लोहा जिसका दुनिया मानी है।
कल्पना चावला सी होनहार है,
भारत की बात ही कुछ मस्तानी है॥

यह अविष्कारों की धरती है,
यहीं से शुरू शून्य की कहानी है।
कथक भरतनाट्यम का जनक है,
देश की गाथा लता जी की जबानी है।
नवरात्री की पवित्र महिमा है,
उससे पहले ईद मनानी है।

गुरु नानक जी की सीख है,
विवेकानंद जी की प्रेरणाश्रोत जवानी है।
कलाम जी की मिसाइल है,
अटल जी की बेबाक कहानी है।
हमे इससे मोहब्बत हैं,
गर्व है हम हिंदुस्तानी है।

Tradition to Transformation: Grooming Leadership for Modern challenges



V Padmaja
Divisional Manager
S & R Wing, Head Office

Leadership, as a concept, has evolved significantly over the centuries. It was often seen through the lens of authority, control, and rigid hierarchy with typically strong figures, and no room for dissent. With time this concept has changed. Thanks to the technology and societal shifts which redefine the norms, there is a demand for strong and visionary leadership equipped with the skills and adaptability to face the complexities. Grooming future leaders, therefore, is an essential task that demands intentional focus on a blend of emotional intelligence, technical expertise, ethical grounding, and the ability to build powerful and diverse teams by inspiring others.

Modern leadership comprehends a set of behaviours, skills, and mindsets that enable individuals to lead in today's dynamic world which is more focused on people than authority. They need to create environments where innovation, inclusivity, and spirit can thrive.

Different Leadership Styles

There are several distinct leadership styles, each suited to different situations and personalities. Here's a brief overview of the key types:

1. **Autocratic Leader:** Takes decisions unilaterally, with strict control over followers. Suits for quick decisions but limits creativity and engagement.
2. **Democratic Leader:** Encourages team members to participate equally in all activities
3. **Laissez-Faire Leader:** Allows team members to make their own decisions.
4. **Transformational Leader:** Inspires and motivates team members
5. **Transactional Leader:** Uses rewards and punishments to manage performance.
6. **Servant Leader:** Prioritizes the team members', needs first.
7. **Charismatic Leader:** Relies on personal charm and persuasive skills to influence and inspire followers.

8. **Bureaucratic Leader:** Adheres strictly to rules and procedures, ensuring tasks are completed efficiently but with little room for flexibility or innovation.

Each type of leader has strengths and limitations, and the most effective leaders often adapt their style based on the needs of their team and the situation.

Strategies for Grooming Future Leaders

Grooming future leaders is a multifaceted process that requires time, effort, and preparedness. The following strategies are key to cultivating leadership in individuals across various domains.

1. Early Identification and Mentorship

Spotting leadership potential early is crucial. Every institution should have mechanisms in place to identify individuals with leadership qualities. This can be done through assessments, observation, and response. Look for individuals who exhibit qualities such as initiative, emotional intelligence, adaptability, and the ability to work well with others. These individuals should then be paired with experienced mentors who can guide and nurture them to develop the required skills.

A mentor can provide invaluable insights, challenge the mentee's thinking, and offer guidance through complex situations. Leaders such as Bill Gates have credited their success to having strong mentors who challenged them to think differently and to approach problems with a fresh perspective.

Honest feedback, and the opportunity to learn from real-world experiences, helps mentees develop their leadership style while building their confidence.

2. Providing Opportunities for Continuous Learning

Organizations should create an environment of constant learning for individuals to acquire new skills, engage with thought leaders, and stay abreast of global trends.

Participation in leadership development programs, attending conferences, and pursuing further education are important steps in this process.

3. Encouraging Emotional Intelligence and Self-awareness

Emotional intelligence also known as Emotional Quotient (EQ) has emerged as one of the most important qualities for leaders. Leaders who are emotionally intelligent are better equipped to handle stress, manage interpersonal dynamics, and inspire trust within their teams. There are many tools available today to assess emotional competency and manage the moods effectively.

4. Offering Real-World Leadership Experiences

Giving individuals opportunities to take on leadership roles-whether through managing projects, leading teams, or making key decisions-provides valuable hands-on learning. These real-world experiences allow future leaders to apply the theories and skills they've learned into practice and learn from successes and failures.

5. Diversity and Inclusion

In a globalized environment, diverse teams have proven to outperform homogeneous ones. This means providing opportunities for individuals from all backgrounds, ensuring that leadership programs reflect gender, racial, and cultural diversity, and promoting open-mindedness. Siloed, top-down decision-making approach is no longer welcomed.

6. Adaptability Training

The leaders need to adapt to rapid changes in the industry by taking calculated risk. It means exposing individuals to situations where they must think on their feet, manage uncertainty, and learn to bounce back from setbacks.

They have to be groomed to handle challenges in such a way to remain calm under pressure and to make informed decisions, even when the stakes are high.

7. Ethical Leadership Development

In a world where leaders face increased scrutiny, it's essential to be grounded in strong ethical principles. Leaders should be subject to tests which includes case studies, ethical dilemmas, and discussions on corporate social responsibility. Leadership development should instill a sense of accountability and encourage leaders to think about the broader impact of their decisions.

8. Technological Literacy and Innovation

Technology is reshaping industries and societies. Hence it is a must for the Leaders to be not only proficient in technology that is shaping their industries but also to leverage it for innovation to stay competitive.

This might involve training on digital tools, AI, data analysis, and cybersecurity, ensuring that leaders are equipped to handle the technological challenges of the future.

9. Communication and Influence

Strong communication skills are essential to be able to clearly articulate a vision, provide or receive constructive criticism, and ready for an open dialogue which are critical components of effective leadership. Modern leaders understand that influence is about more than issuing directives; it's about persuading and inspiring others to commit to a common goal.

10. Creating Leadership Development Programs

To ensure continuity and plug vacuums, many organizations partner with external leadership development providers or create their own internal programs to create a pipeline of leaders ready for the future.

11. Cultivating a Growth Mindset

Leaders with a growth mindset believe that abilities and intelligence can be developed through effort, learning, and persistence. Cultivating this mindset helps leaders stay open to ideas, and continuously strive for improvement. A growth mindset helps in encouraging experimentation, celebrating learning from failure, and providing opportunities for personal and professional development.

12. Leadership in Different Contexts

Grooming leaders may vary with the context in which they are applied. Same yardstick cannot be applied under all circumstances. Each context requires a tailored approach to leadership development. However, the core attributes remain constant across all domains.

Conclusion

The future demands leaders who can understand complexity with ease, inspire others with empathy, have clear vision, and who are committed to ethical, responsible leadership. Grooming these future leaders is not a task that can be achieved overnight. It requires a concerted effort from organizations, to provide the right tools, opportunities, and support systems. The time to invest in these leaders is now.

Through deliberate effort and investment in leadership development, we can build a generation of professional leaders ready to make a positive impact in the domains they work in.

SU-DO-KU

To solve a su-do-ku puzzle, every digit from 1 to 9 must appear in each of the nine vertical columns, in each of the nine horizontal rows, and in each of the nine boxes.

8					4		9	
	4		6				5	
	7					6		
			9					5
7				3				
							2	
		9						

FUN
CORNER

FIGURE-IT-OUT

2	3	4
6	7	8
10	11	12
58	74	?

RIDDLE- RIDDLE

When you curtail a word, you remove the last letter and still have a valid word. You will be given clues for the two words, longer word first.

See example to help you solve the riddle.

Low-lying wetland -> A Planet

Ans: Marsh -> Mars

Here you go!

1. A vehicle that can fly through the air, with wings and one or more engines -> An idea or arrangement for doing or achieving something in the future.
2. An area in Britain, Ireland or the US which has its own local government-> to say numbers one after another in order.
3. A device which provides electricity for a toy, radio, car, etc. -> a mixture of flour, eggs and milk used to marinate food

Answers to SU-DO-KU, Figure-it-out and Riddle on page 44

आंध्र प्रदेश के पर्यटक स्थल



धीरज जुनेजा

अधिकारी

सूरत क्षेत्रीय कार्यालय

आंध्र प्रदेश का बहुमुखी राज्य संस्कृति और ऐतिहासिकता दोनों का मिश्रण है। भारत के दक्षिण पूर्वी तट पर स्थित आंध्र प्रदेश भारत के तटीय राज्यों में से एक है। आंध्र प्रदेश का एक हिस्सा समुद्र से घिरा है तो दूसरा पहाड़ों से। समुद्र और पहाड़ का अद्भुत मिश्रण भी यहाँ उपस्थित है। यह भारत का पहला राज्य है जो वर्ष 1953 में देश की भाषाई स्वतंत्रता के बाद बना था और अपनी स्थापना के बाद से, यह विकास के सभी रूपों में आगे रहा है। राज्य में हर गुजरती सीमा के साथ देखने को कुछ नया है और आपको यहां के सांस्कृतिक पहलुओं को खूबसूरती से अपने सामने प्रकट होते हुए देखने का मौका मिलता है। भारत के दक्षिण पूर्वी तट पर स्थित आंध्र प्रदेश भारत के तटीय राज्यों में से एक है। आंध्र प्रदेश में बहुत खूबसूरत स्थल है, जहां जाकर आप तरोताजा महसूस कर सकते हैं। तिरुमाला मंदिर से लेकर अहोबिलम वन तक, घाटों की पहाड़ियों से लेकर विजाग के तट तक, आंध्र प्रदेश में घूमने के लिए ऐसी कई जगहें हैं जिन्हें अपने यात्रा कार्यक्रम में शामिल करना चाहिए।

1. राजमुंदरी:

आंध्र प्रदेश में देखने लायक सबसे अच्छी जगहों में से एक इस शहर को राज्य की सांस्कृतिक राजधानी भी कहा जाता है। राजमुंदरी गोदावरी नदी के तट पर बसा है और इसे तेलुगु भाषा का जन्मस्थान माना जाता है। यह शहर पूरे राज्य में प्रसिद्ध कई विद्वानों और लेखकों का घर है। राजमुंदरी में हर चीज का मिश्रण है, खूबसूरत बैकवाटर से लेकर महत्वपूर्ण मंदिर और संग्रहालय तक। प्रतिष्ठित पुलासा मछली शहर का एक अनूठा व्यंजन है; यह अगस्त से दिसंबर तक यहाँ पाई जाती है। मार्कंडेय मंदिर शहर का एक लोकप्रिय मंदिर है, जो भगवान शिव और ऋषि मार्कंडेय को समर्पित है, यह द्रविड़ कला और वास्तुकला का एक प्रमाण है। गोदावरी नदी के ऊपर बना

गोदावरी पुल क्षितिज पर सूर्यास्त देखने के लिए एक सुखद स्थान है।

2. तिरुपति:

तिरुपति शहर तिरुमाला पहाड़ियों पर स्थित अपने पौराणिक वेंकटेश्वर मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। तिरुपति का यह मंदिर हिंदुओं के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों में से एक है, जो इसे आंध्र प्रदेश में एक प्रसिद्ध स्थान बनाता है। मंदिर में हर साल लाखों भक्त आते हैं जो आशीर्वाद लेने और इस विस्मयकारी आध्यात्मिक निवास को देखने आते हैं। आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में स्थित, तिरुपति भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के मंदिर के लिए जाना जाता है। यह दुनिया में सबसे अधिक देखे जाने वाले तीर्थस्थलों में से एक है। यह दुनिया का सबसे अमीर मंदिर जिसे तिरुमाला मंदिर, तिरुपति मंदिर एवं तिरुपति बालाजी मंदिर आदि अलग-अलग नामों से जाना जाता है। तिरुमाला, तिरुपति के सात पहाड़ियों में से एक है, जहां मुख्य मंदिर स्थित है। ऐसा माना जाता है कि यह भगवान गोविंदा का घर है जहां भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मूर्ति के रूप में विराजमान है। तिरुपति भारत के प्राचीन शहरों में से एक है एवं इसका उल्लेख वेदों एवं पुराणों में भी मिलता है। तिरुमाला मंदिर के अलावा, आगंतुक श्री पद्मावती अम्मावरी मंदिर, कपिला तीर्थम और इस्कॉन तिरुपति में भी प्रार्थना कर सकते हैं, जो क्रमशः देवी श्री पद्मावती, भगवान शिव और भगवान कृष्ण को समर्पित मंदिर हैं। शहर में एक राष्ट्रीय उद्यान भी है जहाँ शेर और अन्य जंगली जानवर देखे जा सकते हैं। इतिहास के शौकीनों के लिए, यहाँ चंद्रगिरी किला है, जिसे 11वीं शताब्दी में विजयनगर सम्राटों ने बनवाया था।

3. अमरावती “आंध्र प्रदेश की राजधानी”:

आंध्र प्रदेश की राजधानी के रूप में जाना जाने वाला शहर

अमरावती कृष्णा नदी के तट पर बसा एक योजनाबद्ध शहर है। अमरावती अपने बौद्ध स्तूप, अर्ध-गोलाधीय संरचना जिसमें बौद्ध अवशेष हैं, के स्थल के रूप में प्रसिद्ध है। इसे ईश्वर का घर भी कहा जाता है। गुंटूर जिले से 32 किलोमीटर उत्तर में स्थित अमरावती एक प्रमुख तीर्थ एवं दर्शनीय स्थल है। मूल संरचना की स्थापना सम्राट अशोक के शासनकाल दौरान की गई थी जो वर्तमान समय में शहर का एक प्रमुख ध्यान स्थल है। आंध्र प्रदेश की राजधानी अपने अनोखे आकर्षण और विविध सांस्कृतिक विरासत के लिए पूरे देश में मशहूर है। यह आंध्र प्रदेश में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है और इसे जरूर देखना चाहिए। शहर में कई मंदिर और मठ हैं, प्राकृतिक चमत्कार और सांस्कृतिक आकर्षण के केंद्र हैं – जो शहर को बुजुर्गों और युवाओं के लिए समान रूप से पसंदीदा बनाते हैं। प्रतिष्ठित अमरावती मंदिर के अलावा, शहर में विजयनगर राजाओं के कुछ ऐतिहासिक ग्रंथ और शिलालेख भी हैं। अमरावती पुरातत्व संग्रहालय और कोंडावीदु किला उन लोगों को आकर्षित करेगा जिनकी रुचि इतिहास और वास्तुकला में है। अमरावती स्तूप, ध्यान बुद्ध प्रतिमा, अमरेश्वर मंदिर और अमरावती संग्रहालय शहर में घूमने लायक कुछ जगहें हैं। आप शहर में विभिन्न बांधों, उद्यानों, किलों और पशु अभ्यारण्यों को देख सकते हैं और एक शानदार छुट्टी का आनंद ले सकते हैं।

4. अरकू “आंध्र का हिल स्टेशन”:

अरकू आंध्र का एक अज्ञात हिल स्टेशन है जहां अधिकांश स्थानीय लोग सप्ताहांत में अपनी छुट्टियाँ मनाने आते हैं। यह विशाखापट्टनम से लगभग 120 किलोमीटर दूर स्थित है। यदि आप एक पर्यटक हैं और शांति की तलाश में हैं, तो विष्ठाडोम ट्रेन विशाखापट्टनम स्टेशन से सुबह 6.50 में खुलती है और 58 सुरंगों एवं 84 पुलों के सुंदर रास्ते से गुजरते हुए लगभग 5 घंटे में अराकू पहुंचती है। यह घाटी आदिवासी गुफाओं एवं आदिवासी कला संग्रहालय का भी घर है। पूर्वी घाट की भरपूर हरियाली में स्थित, अराकू घाटी प्रकृति से प्यार करने वाले यात्रियों के लिए स्वर्ग है। यह जंगल देश के कुछ छोटे आदिवासी समुदायों का घर है और सरकार ने उनके स्वदेशी जीवन शैली को संरक्षित करने के लिए असाधारण उपाय किए हैं। पहाड़ी के ऊपर पद्मपुरम बॉटनिकल गार्डन है, जहाँ टॉय

ट्रेन के ज़रिए पहुँचा जा सकता है, जो अपने आप में एक रोमांचक अनुभव है, जो इस जगह को बच्चों वाले परिवारों के लिए आदर्श बनाता है। यह जगह एक कॉफ़ी संग्रहालय और कई पहाड़ियों, झरनों और प्राकृतिक गुफाओं का भी घर है। यह वाकई दोस्तों के साथ आंध्र प्रदेश में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। ऊँचे पहाड़ों, हरे-भरे जंगलों, धुंधले बादलों और मनभावन जलवायु से घिरी अराकू घाटी शहरी महानगरीय जीवन से एकदम अलग है।

5. विशाखापट्टनम “दक्षिण भारत का एक रत्न”:

विशाखापट्टनम, जिसे आमतौर पर वाईज़ाग के नाम से जाना जाता है भारत के सबसे प्राचीन बंदरगाहों वाले शहरों में से एक है। आंध्र प्रदेश के बीचों बीच स्थित यह शहर अपने सुरम्य समुद्र तट, शांत वातावरण एवं अतीत में अपने स्वर्णिम संस्कृति के कारण जाना जाता है। विशाखापट्टनम का बन्दरगाह भारत में अपने सबसे पुराने शिपयार्ड के लिए प्रसिद्ध है। यह एक तटीय शहर है और आंध्र प्रदेश की औद्योगिक राजधानी है। इसका शानदार बुनियादी ढांचा और साफ-सुथरा तट दूर-दूर से पर्यटकों को आकर्षित करता है। रामकृष्ण बीच शहर के सबसे प्रसिद्ध स्थलों में से एक है। यह वह स्थान भी है जहाँ संरक्षित पनडुब्बी, आईएनएस कुरसुरा स्थित है। पनडुब्बी अब एक संग्रहालय के रूप में कार्य करती है जो नौसेना के जीवन पर प्रकाश डालती है। आगंतुक महासागर संग्रहालय और युद्ध संग्रहालय में भी जा सकते हैं। कोई भी भगवान विष्णु के अवतार नरसिंह को समर्पित वराह लक्ष्मी नरसिंह मंदिर के दर्शन कर सकता है, कुछ शानदार तटीय भोजन का आनंद ले सकता है और समुद्र तट पर टहल सकता है। यदि आप 2 दिनों के लिए आंध्र प्रदेश में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों की तलाश कर रहे हैं, तो विशाखापट्टनम निश्चित रूप से आपके यात्रा कार्यक्रम में होना चाहिए।

6. गांडिकोटा “भारत का ग्रांड कैन्यन”:

आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में स्थित भारत के ग्रांड कैन्यन के नाम से प्रसिद्ध, गांडिकोटा एक छोटा और विचित्र स्थान है। दाहिनी ओर से पेन्नार नदी के किनारे स्थित यह गाँव, नदी द्वारा एरमाला पहाड़ियों को काटते हुए निर्मित शानदार घाटियों के लिए प्रसिद्ध है। संकरी घाटियाँ और उनके बीच में बहती

जलधाराएँ तथा दीवार की तरह खड़ी चट्टान प्रसिद्ध अरिजोना के ग्रांड कैन्यन की याद दिलाता है, मुख्य गेट से बोलडर जहां से आस पास का मंत्रमुग्ध कर देनेवाला दृश्य दिखता है, यहां तक पहुंचने के लिए मुख्य द्वार से लगभग एक किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है।

7. चिंतापल्ली

विशाखापत्तनम के पास स्थित, चिंतापल्ली घने प्राकृतिक जंगलों, सदाबहार हरियाली और खूबसूरत नदियों का घर है, जो इसे आंध्र प्रदेश में गर्मियों में घूमने के लिए सबसे लोकप्रिय स्थानों में से एक बनाता है। इस जगह का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक महत्व है क्योंकि यह चिंतापल्ली में ही है जहाँ रम्पा विद्रोह शुरू हुआ था। अगस्त 1922 में स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू के नेतृत्व में 300 से अधिक आदिवासियों ने ब्रिटिश पुलिस स्टेशनों को लूट लिया था। चिंतापल्ली समुद्र तल से 839 मीटर ऊपर स्थित है, जो इसे आंध्र में पर्यटकों के पसंदीदा स्थानों में से एक बनाता है। चिंतापल्ली झरना इस क्षेत्र का एक और प्रमुख आकर्षण है। इसलिए यह स्थान प्रकृति यात्रियों, इतिहास प्रेमियों, परिवारों, हनीमून मनाने वालों या एकल यात्रियों के लिए एक शानदार छुट्टी मनाने की जगह है।

8. विजयवाड़ा “विजय का स्थान”:

कृष्णा नदी के किनारे बसा शहर विजयवाड़ा आबादी की दृष्टि से आंध्र प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। इसको आंध्र प्रदेश की ‘वाणिज्यिक, राजनीतिक’ राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। यह शहर भारत के सबसे तेजी से विकसित होने वाले शहरों में से एक है। विजयवाड़ा शहर आंध्र प्रदेश के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। यह शहर आधुनिकता और ऐतिहासिकता का एक आदर्श मिश्रण है, जैसा कि उसके – तेज-तर्रार शहरी जीवन और प्राचीन और मध्यकालीन युगों के इसके प्रतिष्ठित स्मारक। उंडावल्ली गुफाएँ यात्रियों के लिए सबसे अधिक देखी जाने वाली जगहों में से एक हैं। रॉक-कट गुफा मंदिर आकर्षक मूर्तियों और नक्काशी के साथ एक बलुआ पत्थर की पहाड़ी का हिस्सा है। प्रकाशम बैराज भी शहर का पर्याय है, एक लंबा पुल जो कृष्णा नदी पर है और शानदार दृश्य प्रस्तुत करता है। कृष्णा नदी के पानी के बीच में एक द्वीप

भी है। भवानी द्वीप न केवल प्रकृति प्रेमियों के लिए एक आदर्श स्थान है, बल्कि तैराकी, नाव की सवारी और अन्य जल क्रीड़ा जैसी कई अवकाश गतिविधियाँ भी प्रदान करता है। कोंडापल्ली किला शहर का एक और ऐतिहासिक स्थल है जो इसे आंध्र प्रदेश में घूमने के लिए शीर्ष स्थानों में से एक बनाता है।

9. श्रीसेलम “आंध्र प्रदेश का ज्योतिर्लिंग”:

आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले का एक पहाड़ी शहर श्रीसेलम मलिकार्जुन ज्योतिर्लिंग एवं अठारह शक्तिपीठों में से एक देवी पार्वती का पवित्र घर है। कृष्णा नदी के तट पर स्थित इस शहर में एक वन्यजीव अभयारण्य एवं बांध भी है।

10. लेपाक्षी:

लेपाक्षी एक छोटा-सा गाँव है जो पूर्ववर्ती शासकों के शासन का एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है। लेपाक्षी आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में स्थित है। बेंगलूरु से 120 किमी की दूरी पर स्थित यह गाँव एक दिन की यात्रा के लिए एक बढ़िया विकल्प है। लेपाक्षी में सन् 1535 ई. में विजयनगर के महाराजा आलिया रामा राय द्वारा स्थापित साम्राज्य देखने को मिलता है। इसके साथ साथ लेपाक्षी में कई आकर्षक पुरातात्विक स्थल, प्राचीन मंदिर एवं समृद्ध संस्कृति देखने को मिलती है।

11. हॉर्सले हिल्स :

आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के बीच दक्षिण-पश्चिमी सीमा में स्थित हॉर्सले हिल्स पहाड़ों का एक सुंदर दृश्य प्रस्तुत करता है। यह आंध्र के ऊटी के रूप में भी जाना जाता है। यह प्राकृतिक सुंदरता समुद्र तल से 1,290 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यहाँ अपने मनमोहक दृश्य के लिए प्रसिद्ध है।

12. रोलापाडु वन्यजीव अभयारण्य:

यह वन्यजीव अभयारण्य आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले में 614 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। रोलापाडु आगंतुकों को जंगल के वनस्पतियों और जीवों की विविध प्रजातियों के बेहद करीब ले जाता है। 1988 में स्थापित, रोलापाडु हिरण के लुप्तप्राय प्रजाती ग्रेट इंडियन बस्टर्ड और लेसर फ्लोरिकन के लिए जाना जाता है। वन्यजीव अभयारण्य का एक बड़ा क्षेत्र अनेक पक्षियों एवं सरीसृपों का घर है।

13. लम्बासिंगी:

‘आंध्र प्रदेश का कश्मीर’ के रूप में प्रसिद्ध लम्बासिंगी समुद्र तल से 1025 मी. की ऊंचाई पर आंध्र प्रदेश के अरकू घाटी में चिंतापल्ली मंडल में स्थित एक अनोखा गांव है। अरकू की यह घाटी सुंदर गांव, ऊंची पहाड़ियों, सेब के बगीचों के लिए जानी जाती है। यहाँ ‘कोर्रा बयालू’ के नाम से भी जाना जाने वाला एक गांव भी है जो दक्षिण भारत का एकमात्र ऐसा स्थान है जहाँ तापमान में गिरावट के कारण बर्फबारी होती है। प्रचुर प्राकृतिक सौंदर्य एवं सुरम्य वातावरण, ऊंची पहाड़ियाँ एवं बहती नदियाँ आदि पर्यटकों को साहसिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करता है। यदि आप दक्षिण भारत की गर्मी से ऊब चुके हैं तो ठंडे मौसम, हल्की धुंध, रंग-बिरंगे बगीचे एवं विपुल प्राकृतिक सौंदर्य में यहाँ अपना हाथ आजमा सकते हैं।

14. बोर्ला गुफाएँ :

भारत के पूर्वी तट पर विशाखापट्टनम में अरकू घाटी अनन्तागिरि पर्वत पर स्थित बोर्ला गुफा स्थित हैं। पहाड़ों से होते हुए घाटी का यह रास्ता हमारी सांसें थाम लेता है। अर्ध-सदाबहार वनस्पतियों से घिरी यह गुफा जंगली वनस्पति एवं जंगली जानवरों का घर है। बोर्ला गुफाओं का निर्माण नदी के पानी के कैल्शियम कार्बोनेट एवं कैल्शियम बाइ-कार्बोनेट का चट्टानों में टकराने से हुआ है।

15. पडेरु:

आंध्र प्रदेश में घूमने के लिए ऐसी अनोखी जगहों की तलाश है जो शांति और एकांत प्रदान करती हों और हरियाली और प्राकृतिक चमत्कारों से भरपूर हों, तो आपको पडेरु की यात्रा करनी चाहिए। चलचिलाती गर्मी से बचकर राज्य के प्रसिद्ध हिल स्टेशन पर ठंडी हवा का आनंद लें। पूर्वी घाट में बसा, पडेरु सच्ची शांति और ध्यान का माहौल प्रदान करता है जो आपके मानसिक स्वास्थ्य में सहायता करता है। सुंदर दृश्यों की खोज से लेकर प्राचीन जंगलों में ट्रेकिंग तक, आप एक संपूर्ण अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। मौसम हमेशा ठंडा रहता है इसलिए गर्मियों के दौरान घूमने के लिए यह एक बेहतरीन जगह है। इस क्षेत्र के अद्भुत और मनोरम परिदृश्य मंत्रमुग्ध कर देने वाले हैं और कोई भी इस जगह को कभी नहीं छोड़ना चाहेगा, ऐसा इस रमणीय शहर का चुंबकीय आकर्षण है।

16. हमसलदेवी :

हमसलदेवी या “हंसों के द्वीप” आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में स्थित ‘दिवीसीमा’ नाम का एक गांव है। यह गांव 108 विष्णुओं में से एक वेणुगोपालस्वामी मंदिर का घर है जो चोल वंश के शासनकाल में कम से कम 1000 वर्ष पूर्व निर्मित हुआ था तथा यह अपनी वास्तुकला एवं आध्यात्मिकता के लिए जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि गहरे पानी में निर्मित इस मंदिर को और कोई नहीं बल्कि देवताओं ने निर्मित किया था।

17. भवानी द्वीप :

“भवानी द्वीप” नदी पर स्थित बड़े द्वीपों में से एक है एवं यह विजयवाड़ा में कृष्णा नदी पर स्थित है। द्वीप का विस्तृत क्षेत्र सप्ताहांत में पिकनिक हेतु उत्तम है। यदि आप एडवेंचर्स खेलों एवं वॉटर स्लाइड के शौकीन हैं तो यह आपके घूमने के लिए एक आनंददायक जगह है। इसका नाम कनक दुर्गा देवी, जिनका मंदिर यहीं पास के इंद्रकीलाद्रि पहाड़ी पर स्थित है, के नाम पर भवानी द्वीप रखा गया, कृष्णा नदी से नाव द्वारा द्वीप तक पहुंचा जा सकता है।

18. मछलीपट्टनम :

कृष्णा नदी के तट पर बसा बंदरगाह का यह शहर दक्षिण भारत में पर्यटकों का एक मुख्य आकर्षण है। यदि आप इसके इतिहास को देखें तो पाएंगे कि इस जगह का अपना एक सुनहरा अतीत रहा है जहां इतिहास की खिड़की से झाँकने पर आपको कई विदेशी आक्रमणकारियों के पदचिह्न नजर आते हैं। ऐसा कहा जाता है कि गुलाम भारत में कोरोमंडल तट पर मछलीपट्टनम में ब्रिटिशों की पहली बस्ती बसी थी। यह शहर भारत में समय-समय पर आनेवाली विदेशी पर्यटकों के छोड़े गए पदचिह्न को दर्शाता है। एक समय अपने बंदरगाह के लिए जाना जानेवाला यह शहर, अपने काले समुद्री बीच के कारण पर्यटकों के घूमने के लिए एक बेहतर विकल्प प्रस्तुत करता है। खान-पान की दृष्टि से बंदर लड्डू एवं बंदर हलवा यहाँ के प्रमुख व्यंजन हैं। मछलीपट्टनम का पेड़ना अपने कलमकारी ब्लॉक प्रिंट के लिए प्रसिद्ध है। कुल मिलाकर मसुलीपट्टनम एवं मसुली नाम से प्रसिद्ध यह जगह आपको आश्चर्यचकित करने के लिए सदा तैयार है।



He wanted to be a Leader with large fan following. He now heads the company.



Refer to "drawer" by:
K P Ramesh Rao



Dad, teacher said A Leader is born not made. I have a feeling I am neither...



Our founder travelled in a bullock cart to canvass deposit still, he must have reached all places in time.



True, Great Leaders have vision but wearing high-power glasses does not make you a leader



Sri. T R Sridharan, C&MD, visited Indo Hong Kong International Finance Ltd., our subsidiary, in Hong Kong on 25 and 26 November 1998. The Picture shows Sri. Sridharan with Sri. T K Ghose, Director, Sri. M S Nayak, MD and the staff.

केनरा बैंक के इतिहास की प्रमुख घटनाएँ

Key events from the History of Canara Bank



Sri. B Ratnakar and Sri. N D Prabhu, ED, with Sri. R N Malhotra, Governor, RBI.



Mother Teresa opening Missionaries of Charity Account with Hampankatta, Mangalore Branch



Staff of Mahila Banking Branch, Bangalore welcoming the C&MD Sri. M B N Rao on his visit to the branch on 31.03.2006



Statue of the Founder Sri. Ammambal Subbarao Pai at HO Premises



Sri. M B N Rao, C & MD welcoming Dr. S P Balasubramanyam, at the Cultural Programme on 17.06.2006



Dr. Rajendra Prasad, President of India, laying the foundation stone of the Administrative Office building of the bank on 02.02.1959



Dr. Rajendra Prasad, President of India and Sri. Jayachamarajendra Wodeyar, Governor of Mysore, graciously posed for a photograph with the Directors and Officers of the Bank on the occasion of the laying the Foundation stone of the Administrative Office at Bangalore on 02.02.1959 by the President.



In Bangalore - inauguration of Diamond Jubilee Celebrations by Mr. V V Giri, Governor of Mysore on 01.07.1966. Sri. S Nijalingappa, Chief Minister of Mysore presided.



His Excellency the Vice President of India Sri. Bhairon Singh Shekhawat, handing over the National Award for the bank for securing first position for excellence in SSI lending in the year 2002-03, to C&MD Mr. R V Shastri at New Delhi on 30.08.2003. Dr. CP Thakur, Hon'ble Union Minister for SSI is seen.



Canara Bank bagged the 'Special Award for Excellence in Banking Technology' instituted by Institute for Development and Research in banking Technology (IDBRT) for the year 2001-02. The photo shows C & MD Sri. R V Shastri receiving the award from Dr. Bimal Jalan, Governor, RBI at a function held at IDBRT, Hyderabad on 24.10.2002.



C & MD Sri. R V Shastri seen at the launch of Debit Card



In Mangalore - Sri. B Vaikunta Baliga, Speaker of Mysore Legislative Assembly and one of our Directors is seen sitting next to the speaker on the left.

AHMEDABAD

A corporate customer meet was conducted in the presence of ED, Shri. Debashish Mukherjee along with GM of MCC Wing, Shri. Pravin D. Kabra, and Sri Shambhu Lal, GM at Ahmedabad Circle on 21.10.2024. 20 corporate customers attended and Total 20 leads amounting to ₹2,070 Crores (approx) were brought to the discussion table and around 70% of the proposals were in principle agreed upon for sanction.



BENGALURU

Review meeting of Bengaluru CO was held on 05.10.2024. Sri Mahesh M Pai, GM Bengaluru CO, extended a warm welcome to Sri. Bhavendra Kumar, ED, Regional Heads and the executives present. In his Keynote address, ED Sri Bhavendra Kumar emphasized the crucial role of SLBC in Karnataka, advocating for enhanced business efforts to position the Bank as a premier institution across all metrics in the state. Sri Mahesh M Pai, GM and Circle Head



Bengaluru, expressed his gratitude to every staff member of the circle for their significant achievements.

BHUBANESWAR

“Canara Retail Expo” was organized by Bhubaneswar CO on 09.10.2024, under the guidance of Circle Head & GM Sri Jagdish Chander. Total of 19 Builders and 7 vehicle dealers participated in the event and showcased their projects. A separate stall for auctionable properties were also setup. The event got an overwhelming response and more than 350 footfalls and 100+ leads were generated. In principle sanction letters were handed over to customers.



On the occasion of National Voluntary Blood Donation Day, a blood donation camp was organized on 05.10.2024 at Vivekananda Kendra, AICYM in collaboration with Canara Bank CO, Bhubaneswar, PNB, Zonal Office, Bhubaneswar and Odisha Gramin Bank, HO. This collective effort by leading financial



institutions aimed to promote the importance of blood donation and encourage community participation to help save lives.



Chandabali Branch, Bhadrak was inaugurated on 21.10.2024 by Sri. Jagdish Chander, GM and Circle Head, Bhubaneswar. Bhadrak Regional Head & AGM Sri. V. Agilan, Lead District Manager Sri. Nageswar Rao and all staff members were present.

CHENNAI

The Regional Offices of Chennai CO visited various educational institutions to promote Canara Aspire. Various camps were organised educating the youth about its benefits. In addition to promoting Canara Aspire, flagship products and digital offerings, highlighting the convenience and benefits of digital banking were also showcased.



Chennai CO conducted a Customer Meet with prospective Corporate customers on 24.10.2024. The meet was graced by ED Sri. Debashish Mukherjee along with GM Sri. Pravin Kabra, MCC Wing. During the course of the meet, 18 prospective clients

interacted one on one with the ED, Circle Executives, MCB and LCB Heads and presented their business models in detail.



KOLKATTA

A Business Review cum Strategy Meeting of 100 select Branches was conducted at Hotel Hindustan International, Kolkata on 19.10.2024. The meeting was chaired by Kolkata Circle Head & GM Sri Kalyan Mukherjee. DGMs Sri Rajnish Kumar and Sri Amrit Ghosh, RO Heads of Regional Offices Kolkata-I, Kolkata-II, Kolkata-III and Howrah along with their respective RAH and MSME Sulabh Heads. There was detailed review and interaction with the participants regarding performance under various parameters with special emphasis on RTD and Recovery. The top performing Branches shared their success stories and strategies for achievement of the targets.



MADURAI

The Customer Service Meeting for the month of October 2024 was conducted on 16/10/2024 at the Conference Hall-I of Madurai CO. Totally 14 customers attended the meeting and interacted with Executives

of our Circle Office, Coimbatore-I, Theni & Thanjavur Regional Offices joined the meeting through V.C.



MANGALURU

Smt. Mamatha A. Joshi, PC Wing visited Mangaluru circle on 14.10.2024. On this occasion the Circle organized a Mega Agri Credit Campaign. Smt. Mamatha A. Joshi, GM along with Mr. Sudhakar Kotary, GM and Circle Head Mangaluru Circle visited top three Agri Borrowers of Mangaluru Circle. A Video conference headed by GM, Smt. Mamatha Joshi was conducted and joined by the RO Heads of the region. All RO's have committed for achieving the targets for the quarter.



PUNE

Sri Ajit Kumar Mishra, GM, Resources Section, HO visited Pune Circle on 24.10.2024. On this occasion, a Review cum Business Strategy Meet of Select Branches was conducted. Sri Ajit Kumar Mishra, in his keynote address emphasized upon the concern areas of the Bank that requires immediate attention and improvement viz. Low CASA, RTD, improvement under Flagship Account Opening & Quality CASA, Inoperative CASA, Overdue TDs.



TIRUPATI

Smt. Mamatha A Joshi , GM PC Wing visited Ongole RO, Tirupathi Circle on 25.10.2024 to attend Canara Nari Shakthi (Mega SHG Loan Mela) and Review Meet of AEO's and ACC, Ongole. The Review Meet was conducted in the presence of Sri. B N Maruthi Sashidhar, AGM and RO Head, Sri. Neeraj Kumar Saraswat, DM Circle Office and Sri. M Raghavendra DM Regional Office.



THIRUVANANTHAPURAM

Vigilance awareness Week 2024 was conducted at RO, Thrissur from 28.10.2024 to 03.11.2024. On 28-10-2024 The Integrity Pledge was administered to the staff members of RO & Branches in Hindi & English. Quiz Program, Awareness Activities etc were also conducted during the week.



आगरा

दिनांक 10.10.2024 को अंचल कार्यालय आगरा में आयोजित हिंदी दिवस समारोह का आयोजन अंचल प्रमुख श्री जोगिंद्र सिंह घनघस की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। हिंदी दिवस समारोह में विजेता कर्मचारी को सम्मानित करते हुए उप महाप्रबंधक श्री रजनीकांत एवं महाप्रबंधक श्री जोगिंद्र सिंह घनघस।



अहमदाबाद

अंचल कार्यालय अहमदाबाद में अंचल प्रमुख व महाप्रबंधक श्री शम्भू लाल जी के कुशल नेतृत्व में दिनांक 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2024 तक 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा मनाया गया। अंचल प्रमुख व महाप्रबंधक श्री शम्भू लाल ने जीवन में स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छता हर जगह और हर समय आवश्यक है, इसे हमारी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।



चंडीगढ़

अंचल कार्यालय चंडीगढ़ द्वारा दिनांक 01 अक्टूबर, 2024 को "राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस-2024" के उपलक्ष में

अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक, श्री मनोज कुमार दास के मार्गदर्शन व गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल चंडीगढ़, सेक्टर-32 के तत्वावधान में अंचल कार्यालय के सेमिनार हॉल में "रक्तदान शिविर" का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारम्भ अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ तथा स्थानीय शाखाओं/कार्यालयों के कर्मचारियों द्वारा "राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस-2024" के अवसर पर शपथ ग्रहण के साथ किया गया। इस अवसर पर अंचल कार्यालय चंडीगढ़ के अंचल प्रमुख व महा प्रबंधक, श्री मनोज कुमार दास, उप महाप्रबंधक, श्री डी. एस. ग़ोवर, उप महाप्रबंधक, श्री वेद प्रकाश, अन्य कार्यपालकगण एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर में अंचल व क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ तथा स्थानीय शाखाओं/कार्यालयों के कर्मचारियों ने रक्तदान किया। इस शिविर में कुल 24 यूनिट रक्तदान प्राप्त हुआ। गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल चंडीगढ़, सेक्टर-32 की टीम को उनके सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करने हेतु उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।



दिल्ली

दिनांक 29.10.2024 को अंचल प्रमुख एवं मुख्य महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार सिंह के कर-कमलों द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय गाजियाबाद की गाजियाबाद सिद्धार्थ विहार शाखा का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में कई एचएनआई ग्राहक उपस्थित रहे। समारोह के दौरान अंचल प्रमुख एवं मुख्य महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार सिंह ने उपस्थित अन्य शाखा के प्रभारियों, खुदरा आस्ति केंद्र, सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यम एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के स्टाफ सदस्यों को संबोधित करते हुए उत्कृष्ट ग्राहक सेवा प्रदान करने के लिए दिशानिर्देश दिए एवं

ग्राहकों के बीच बैंक की विभिन्न नए आकर्षक उत्पादों का प्रचार – प्रसार करने को कहा।



गुवाहाटी

दिनांक 18.10.2024 को कार्यपालक निदेशक श्री भवेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में अंचल कार्यालय गुवाहाटी द्वारा कार्यनिष्पादन मूल्यांकन और सामरिक योजना शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के दौरान अंचल कार्यालय गुवाहाटी के अंतर्गत स्थित सभी क्षेत्रीय कार्यालय के क्षेत्रीय प्रमुख, कार्यपालक गण, खुदरा आस्ति केंद्र एवं एम.एस.एम.ई सुलभ यूनिट के प्रभारी एवं चयनित शाखा के शाखा-प्रमुख उपस्थित थे। स्वागत संबोधन के पश्चात अंचल प्रमुख श्री एच टी बाविस्कर, महा प्रबंधक द्वारा पी पी टी के माध्यम से समूचे अंचल कार्यालय गुवाहाटी की कार्यनिष्पादन प्रोफाइल को प्रस्तुत किया गया। कार्यपालक निदेशक श्री भवेन्द्र कुमार ने अपने मुख्य संबोधन में कासा, आर टी डी और आर ए एम पोर्टफोलियो पैरामीटर को और भी बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने सम्मेलन में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को ग्राहकों को दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता को और भी बेहतर बनाने हेतु विशिष्ट ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया, जिससे बैंक के ग्राहकवर्ग में बढ़ोतरी हो एवं ग्राहकवर्ग लाभांविता हो। उन्होंने ग्राहक सेवा संबंधी शिकायत एवं कर्मचारी संबंधी शिकायत को कम करने पर सभी के साथ विचार विमर्श भी किया। साथ ही साथ अपने संबोधन में उन्होंने बैंक के डिजिटल बैंकिंग सेवाओं तक ग्राहक की पहुंच बढ़ाने एवं इसकी महत्ता व भूमिका से सुदृढ़तापूर्वक सभी को अवगत कराने पर जोर दिया।



करनाल

दिनांक 01 अक्टूबर 2024 को अंचल कार्यालय करनाल में कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज, करनाल के समन्वय से रक्तदान शिविर का आयोजन करके राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस मनाया गया। अंचल प्रमुख और महाप्रबंधक श्री जी. ए. अनुपम जी के कुशल नेतृत्व में कर्मचारियों द्वारा रक्तदान की शपथ ली गई। 30 स्वयंसेवकों ने संकल्प लेकर रक्तदान किया।



कोलकाता

दिनांक 01 नवंबर 2024 को श्री देबाशीष मुखर्जी, कार्यपालक निदेशक की अध्यक्षता में अंचल कार्यालय, कोलकाता के क्षेत्रीय कार्यालयों, आरएएच, एमएसएमई सुलभ, मिड कॉर्पोरेट शाखा, वृहद कॉर्पोरेट शाखा और एआरएम शाखा की कारोबार समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में अंचल प्रमुख श्री कल्याण मुखर्जी, महाप्रबंधक, कोलकाता अंचल, उप महाप्रबंधक श्री रजनीश कुमार और उप महाप्रबंधक श्री अमृत घोष भी मौजूद थे। बैठक में आरएएच और एमएसएमई सुलभ, एमसीबी, एलसीबी और एआरएम शाखा प्रमुखों के साथ सभी क्षेत्रीय कार्यालय प्रमुखों ने भाग लिया। महाप्रबंधक श्री कल्याण मुखर्जी ने विभिन्न व्यावसायिक

मापदंडों के तहत अंचल की व्यावसायिक स्थिति पर प्रकाश डाला और दिसंबर 2024 के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कार्य योजना पर प्रकाश डाला। अपने मुख्य भाषण में कार्यपालक निदेशक श्री देबाशीष मुखर्जी ने सितंबर 2024 तिमाही के लिए बैंक के वित्तीय परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कठोर स्लिपेज प्रबंधन और शाखा स्तर पर छोटे मूल्य और मध्यम स्तर के एनपीए खातों में वसूली सुनिश्चित करके बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से बैंक के हमारे प्रमुख उत्पादों को लोकप्रिय बनाकर कम लागत वाली जमा राशि प्राप्त करने और नए लॉन्च किए गए उत्पादों और आरटीडी व्यवसाय को बेहतर बनाने पर गंभीरता से ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।



मुंबई

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत दिनांक 25.10.2024 को श्री आलोक कुमार अग्रवाल, महाप्रबंधक, अंचल



कार्यालय मुंबई के नेतृत्व में वॉकथॉन का आयोजन किया गया, जिसमें अंचल कार्यालय, मुंबई एवं क्षेत्राधीन क्षेत्रीय कार्यालयों के लगभग 100 से अधिक प्रतिभागियों ने सतर्कता जागरूकता के उद्देश्य से बीकेसी क्षेत्र और उसके आसपास के क्षेत्र में एक साथ पैदल मार्च कर लोगों को जागरूक करने का कार्य किया।

दिनांक 24.10.2024 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत श्री पुरशोत्तम चन्द, मुख्य महाप्रबंधक की अध्यक्षता में व श्री आलोक कुमार अग्रवाल, महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. रवीन्द्र शिसवे, पुलिस आयुक्त, रेलवे मुंबई ने संगठन में ईमानदारी और पारदर्शिता के मुद्दों पर अंचल कार्यालय, मुंबई क्षेत्राधीन कर्मचारियों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में श्री संदीप शर्मा अतिरिक्त मुख्य सतर्कता अधिकारी मुंबई व अंचल कार्यालय क्षेत्राधीन क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख सहित अन्य कार्यपालकगण उपस्थित रहे।



पुणे

दिनांक 24 अक्टूबर 2024 को श्री अजीत कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक, संसाधन अनुभाग, प्रधान कार्यालय ने अंचल कार्यालय पुणे का दौरा किया। इस अवसर पर, अंचल के कार्यपालकों की उपस्थिति में अंचल कार्यालय, पुणे की चुनिंदा शाखाओं की समीक्षा सह कारोबार रणनीति बैठक आयोजित की गई। श्री अजीत कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक, संसाधन अनुभाग, प्रधान कार्यालय ने अपने संबोधन में उन चिंतापरक क्षेत्रों जैसे घटती कासा प्रस्थिति, आरटीडी, फ्लैगशिप खाता खोलना और गुणवत्ता युक्त कासा संवर्गत के तहत सुधार, निष्क्रिय बचत खाते आदि पर प्रकाश डाला।



रांची

दिनांक 21.09.2024 को अंचल कार्यालय रांची में श्री सुजीत कुमार साहू, महाप्रबंधक की अध्यक्षता में नैतिकता और शासन, संगठन में प्रणालियाँ और प्रक्रियाएँ, साइबर सुरक्षा और धोखाधड़ी की रोकथाम पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 30 वर्ष तक की आयु के कुल 68 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में अतिथि संकाय व पूर्व उप महाप्रबंधक श्री हेमंत कुमार सिंह उपस्थित रहे। श्री सुजीत कुमार साहू, महाप्रबंधक ने प्रतिभागियों को

नैतिक बैंकिंग और शासन में इसके महत्व के बारे में मार्गदर्शन दिया और मूल मूल्यों के रूप में सत्यनिष्ठा और ईमानदारी को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। श्री संजय कुमार मिश्रा, उप महाप्रबंधक ने बैंकिंग नैतिकता के साथ-साथ पीआईडीपीआई, व्हिसल ब्लोअर नीति जैसी सरकारी पहलों के बारे में प्रतिभागियों के बीच अपने अनुभव साझा किए। श्री सुनील कुमार, सहायक महाप्रबंधक ने सभी को अपने पेशेवर बैंकिंग कार्य और व्यक्तिगत जीवन शैली में नैतिक मूल्यों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया।



Answers to the SU-DO-KU, Figure-it-out and Riddle-Riddle on page 30

SU-DO-KU

8	2	7	1	5	4	3	9	6
9	6	5	3	2	7	1	4	8
3	4	1	6	8	9	7	5	2
5	9	3	4	6	8	2	7	1
4	7	2	5	1	3	6	8	9
6	1	8	9	7	2	4	3	5
7	8	6	2	3	5	9	1	4
1	5	4	7	9	6	8	2	3
2	3	9	8	4	1	5	6	7

Figure-it-out

Ans: 92

1st Column = $10 \times 6 - 2 = 58$

2nd Column = $11 \times 7 - 3 = 74$

3rd Column = $12 \times 8 - 4 = 92$

Riddle-Riddle

1. Plane – Plan
2. County – Count
3. Battery - Batter

KOHINOOR OF INDIA SIX JEWELS

Those Yellow rays falling over streets,
Fumes of saw dust in air,
Herds of cattle with bleat,
Sounds of the "Kohinoor of India!"

Blossoms of tex of Gadwal,
Reach as token of love at doorsteps,
Clanks of metal-ware over various places,
Sounds of the "Kohinoor of India!"

The origin of sculpture at temples,
Tinge of art in tourism,
The seam of Kalamkari,
Sounds of the "Kohinoor of India!"

The dust of red soil,
Chromates' over the banks of Godavari,
Pulsating Crisps of rice blades,
Sounds of the "Kohinoor of India!"

Chores of prayers of devotees,
Echoes across the hills of Tirumala,
Coalesce at the center,
Sounds of the "Kohinoor of India!"

The seventh largest state,
Tinge of unique in spices,
Known as Telugu nadu,
Sounds of the "Kohinoor of India!"



N. Lakshmi Narayanan

Manager

Pension Fund, HR Wing

Head Office, Bengaluru

Grooming Future Leaders

Dhanya Palani Yadav

CSA
Bandra Kurla Complex
Mumbai



A great philanthropist, Shri Ammembal Subba Rao Pai, founded Canara bank in 1906. Our founder was a visionary leader. He wanted to contribute positively to the society; this desire paved the way for him to become a leader.

Mr. Ratan Tata, another exemplary leader, was loved by everyone because his primary focus was on creating a positive change in the society. Mr. Abdul Kalam had passion for science and children. This made him a beloved leader.

What is common among great leaders is that they put others before themselves. The leadership position must be a by-product of passion to a cause and dedication for the upliftment of the society, and not the other way round.

Unlike today, when numerous start-ups spring up, where people immediately upon graduation from prestigious business schools desire to become Founder and CEO at the outset, without enough experience, and even after raising a lot of funds, struggle to be successful. If the position and designation become more important to a person than the work they intend to do and the impact they intend to have, coupled with a lack of experience, it could be disastrous not just for the individual but the organization as well.

Thus, people who wish to contribute positively to their organization and society with their knowledge, skills and mindset, and have dreams, goals and vision must be encouraged to take up leadership positions. If more such people lead, the world would be a much better place.

Leadership in Canara Bank:

In my journey with Canara Bank, I have had the privilege of working with some extraordinary leaders. I have

learned a lot from their personality and their leadership styles. One such leader who has inspired me tremendously is Ms. Usha Sapaliga Madam, who was the branch in-charge of the branch I am working in. A leader who evokes respect rather than fear strikes the fine balance between being approachable and at the same time commanding tremendous respect. She did it so beautifully. She had genuine concern for the staff, which made us work with a higher level of dedication. Under her guidance and leadership, our branch won many accolades.

Another leader, Mr. Sanjeeva Kumar Sir, had a very cool, relaxed leadership style. I read in a book that good leaders focus on results. However, great leaders focus on building relationships and results will automatically reflect. He was one of the great leaders I have come across. People who do not panic under pressure, those who can maintain their cool, and those who do not pass on their tension and anxiety onto others are better leaders. His charismatic personality, smiling face and the warmth in his interactions would make even the iratest customers cool down and leave with a smile.

Good leaders focus on gradual growth but Great leaders are game changers. They rely on original and innovative ideas and focus on making them work. A great leader has a participative leadership style where they take inputs and suggestions from their team members thus making them feel the ownership. A strong leader has sound decision-making skills.

What needs to be done?

1. Identifying potential leaders early and grooming them is essential. Selecting people who are committed to organizational and personal growth and are dedicated to serving the different stakeholders is crucial.

2. Providing exposure and training across different functions would prepare leaders to lead with confidence.
3. Setting up a mentoring and coaching program would be highly beneficial. The knowledge and experience of ex-employees could be put to good use for the organization by engaging them as mentors.
4. Developing planning skills, strategic thinking skills, team-building skills, maintaining work-life balance and time management by providing the required training.
5. Focusing on technology upskilling and providing digital training is the need of the hour.
6. Ensuring ethics training is essential for developing leaders who will help in building an ethical organization.

Key Competencies required:

1. We need leaders who can think strategically and plan effectively for the growth of the organization. Leaders who have the capability to build highly collaborative teams and create a customer centric organization that thrives in a dynamic competitive environment is important for our survival in the future.
2. In today's era, it is extremely essential to be digitally literate and be tech-savvy. Providing adequate training to equip our leaders to use technology to the optimum not just to analyze data but also to forecast the future trends in the banking industry and drive innovation.
3. Learning the intricacies of Internal control, Risk Management and Compliance is a key skill to lead in the banking sector.
4. Developing one's communication and interpersonal skills not just helps them to form a good network and bring business but also helps improve the image and reputation of the bank in the society.
5. With the world changing at a rapid pace, one key trait that a leader must definitely imbibe and display is adaptability. Organizations which have

resisted change have perished. Equally important is the need to innovate to remain relevant.

6. People who can balance the 'I' and 'We' in a team – those who can guide and lead a team while simultaneously taking ownership of their own personal learning and development -
7. More than everything else, we need people who are ethical and conscious of the repercussions of their words and behavior not just for the future of the organization but the society at large, as well.

The way ahead:

1. Collaboration with different institutions for training and sharing best practices in the industry would prevent reinventing the wheel and help in mutual learning from others. This would lead to an accelerated growth for not just our organization but the banking industry as a whole.
2. Providing customized training programs for specific roles would be more effective in grooming leaders.
3. Encouraging innovative practices and providing a space for sharing it within the organization could foster a culture of creativity and out-of-the-box thinking.
4. We need to strengthen our ethics and governance framework to create leaders who lead with conscience.
5. For training and development, we need to leverage technology as much as possible.
6. Continuous monitoring and evaluation of leadership development effectiveness would help in improving the quality of leaders we develop.

The future of an organization is based on the quality of the leaders it has. An organization may have an extremely dedicated workforce but unless its leaders have a vision of where they would like to take the organization to, the efforts of the employees may not yield the desired results. So let us focus on grooming visionary leaders who lead with conscience.

अरकू घाटी



प्रशांत कषांथन

मंडल प्रबंधक
आर ए एच प्रभादेवी शाखा

भारत के हर राज्य में कोई ना कोई ऐसा हिल स्टेशन मिल ही जाता है जहां मौसम बहुत ही खूबसूरत रहता है। राजस्थान उष्ण राज्य होते हुए भी सिरोही जिले में स्थित माउंट आबू हिल स्टेशन में वर्ष के 12 महीने सुहाना मौसम रहता है। इसी तरह तमिलनाडु राज्य में ऊटी है जो पूरे दक्षिण भारत का सबसे ऊंचा हिल स्टेशन है। इसी प्रकार गुजरात में सप्पुतारा, विल्सन पहाड़ी है।

इसी सन्दर्भ में आज मैं आपको अरकू घाटी के बारे में बताने जा रहा हूँ। इसे आंध्र प्रदेश का ऊटी कहना अधिक युक्तिसंगत होगा। यहां पर चारों ओर कॉफी के बागान दिखाई पड़ जाते हैं, इस खूबसूरत दृश्य को देखकर आपका मन बाग-बाग हो जायेगा और लोग इन दृश्यों में खो से जाते हैं। भारत की अरकू घाटी एक ऐसी जगह है जहां प्रकृति अपने सबसे खूबसूरत मनमोहक रूप में नजर आती है। पूर्वी घाट की पहाड़ियों के बीच बसी यह घाटी हरी-भरी वादियों, पहाड़ों, झरनों, और जंजातीय संस्कृति का अनूठा संगम है। यहाँ पक्षियों के बसेरे देखने को मिलते हैं। प्राकृतिक सुंदरता और आकर्षक आदिवासी संस्कृति पर्यटकों के लिए एक अद्वितीय यात्रा का नमूना पेश करती है।

यहां पर बहुत से आदिवासी जनजातियां रहती हैं। यहां की सुकून भरी फिजा आबोहवा मन को एक अलग ही शांति देती है।

यह विशाखापट्टनम शहर से 114 किलोमीटर की दूरी पर और उड़ीसा राज्य की सीमा के अंत में स्थित है। यह घाटी 900 से 1400 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह पूरी तरह से हरे-भरे जंगलों और पर्वतों से घिरी हुई है। हम यहां पर रेल या रोड के माध्यम से पहुंच सकते हैं। यहाँ से गुजरने वाली ट्रेन भी सुरंग,

हरी-भरी घाटियों, पहाड़ियों के बीच से होकर निकलती हैं। यह दृश्य बहुत ही मनोहर व रोमांचक होते हैं। इस घाटी को "आंध्र प्रदेश का स्वर्ग" भी कहा जा सकता है, क्योंकि यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है।

अरकू घाटी मैं अपने परिवार के साथ गया था, यह यात्रा मेरे लिए बहुत ही यादगार रही, इसके सौंदर्य को साझा करने के लिए मेरे पास शब्द कम पड़ रहे हैं। एक बार आप लोग भी घूम कर आयें।

विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन से अरकू के लिए नियमित ट्रेनें उपलब्ध हैं। सड़क मार्ग से भी आप विशाखापट्टनम से घाटी तक की यात्रा कर सकते हैं। यह मार्ग घुमावदार पहाड़ियों और मनोरम दृश्यों से भरा हुआ है, जो बहुत विहंगम होता है।

बोरा गुफाएं

अरकू घाटी अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जानी जाती है। यहाँ का सबसे प्रमुख आकर्षण बोरा गुफाएँ (Borra Caves) हैं, जो चूना पत्थर की अब्दुत संरचनाओं से बनी हैं और यह एशिया की सबसे लंबी गुफाओं में से एक है। गुफाओं के भीतर का दृश्य बेहद रोमांचकारी होता है, जहाँ प्राकृतिक रूप से बने स्टैलेक्टाइट और स्टैलेक्माइट (चुने के कार्बोनेट का जमाव जो गुफा की छत से लटकता रहता है) संरचनाएँ देखने को मिलती हैं। बोरा गुफाएँ अरकू के पास प्रकृति की एक अब्दुत रचना हैं। जब आप यहाँ होंगे, तो आपको स्टैलेक्टाइट्स और स्टैलेक्माइट्स की अलग-अलग संरचनाएँ दिखाई देंगी जैसे कि मानव मस्तिष्क, बाघ, गाय का थन, मगरमच्छ, शिव-पार्वती और माँ-बच्चा। इन संरचनाओं का धार्मिक महत्व है।

अरकू से लगभग 34 किमी दूर, बोरा गुफाएँ अरकू और विजाग

के शीर्ष पर्यटन स्थलों में से एक हैं। ऐसा कहा जाता है कि ये गुफाएँ बहुत प्राचीन हैं—एक मिलियन वर्ष पुरानी। 1400 मीटर की ऊँचाई पर, ये भारत की सबसे गहरी चूना पत्थर की गुफाएँ हैं। इस प्राकृतिक चमत्कार की खोज 1807 में विलियम किंग जॉर्ज ने की थी। स्थानीय कहानियों के अनुसार, ये गुफाएँ एक चरवाहे को मिली थीं, जिसकी एक गाय खो गई थी। उस चरवाहे ने अपनी गाय बहुत खोजी पर वह उसे नहीं मिली, बाद में उसने पाया कि उसकी गाय उस गुफा में गिर गई थी और उसे गुफा के अंदर एक शिवलिंग भी मिला।

इसलिए स्थानीय लोगों ने गुफाओं के बाहर एक छोटा सा शिव मंदिर बनवाया। ऐसा कहा जाता है कि गुफाएँ गोस्थानी नदी के कारण बनी थीं।

गुफा के बाहर स्थानीय रेस्तरां में भोजन का आनंद लिया जा सकता है। बोर्ला गुफाओं के पास घूमने की जगहें – कातिकी झरने, पद्मपुरम बॉटनिकल गार्डन, जनजातीय संग्रहालय, अनंतगिरी पहाड़ियाँ हैं।

कातिकी झरना (Katiki Waterfall)

अरकू घाटी का एक और प्रमुख आकर्षण कातिकी झरना है। ये झरना लगभग 50 फीट की ऊँचाई से गिरता है। इसके शीतल पानी की दूर तक गिरती धवल बूंदें मन को तरोताजा कर देती हैं। इस झरने तक पहुँचने के लिए हल्की ट्रेकिंग करनी पड़ती है, जो एक रोमांचकारी अनुभव होता है। ट्रेकिंग के लिए हमें अच्छे शूज पहन कर जाना चाहिए इससे यात्रा सुगम हो जाती है।

पद्मपुरम बॉटनिकल गार्डन

अगर आपको हरे-भरे नजारे व पेड़-पौधों से लगाव है, तो इस गार्डन में जरूर जायें। हम सभी को यह जगह बहुत ही अच्छी लगी। हमने यहां पर बहुत सी वनस्पतियां जीव जंतु भी देखे और बहुत देर तक यहां टहलते भी रहे। पर्यावरण के अनुकूल पेड़ों के घरों के पास आराम कर सकते हैं। यहाँ का मुख्य आकर्षण सौ साल पुरानी एक ट्रेन है, जिसमें आने वाले पर्यटकों को इसमें बैठकर घूमने का आनंद अलग ही होता है।

काँफी बागान

अरकू घाटी का एक प्रमुख आकर्षण यहाँ के काँफी बागान हैं।

यहाँ का मौसम और मिट्टी काँफी की खेती के लिए उपयुक्त है, और यहाँ की काँफी अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए जानी जाती है। घाटी में कई ऑर्गेनिक काँफी प्लांटेशन हैं, जहाँ आप काँफी उत्पादन की पूरी प्रक्रिया के साथ खेती की प्रक्रिया को देख सकते हैं।

यहाँ का अरकू काँफी संग्रहालय भी पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय है, जहाँ काँफी से जुड़ी जानकारी के साथ-साथ ताज़ी भुनी हुई काँफी बीन्स की सुगंध का आनंद ले सकते हैं। आप काँफी चखने के सत्रों में भी भाग ले सकते हैं। यहाँ की स्थानीय काँफी विश्व प्रसिद्ध है, जिसे अरकू की पहाड़ियों पर उगाया जाता है।

ट्रेकिंग और एडवेंचर

अरकू घाटी ट्रेकिंग प्रेमियों के लिए भी एक बेहतरीन स्थल है। यहाँ की ऊँची-नीची पहाड़ियों और जंगलों में ट्रेकिंग का अनुभव अद्वितीय होता है। कातिकी झरने तक की ट्रेकिंग हो या फिर गहरी गुफाओं की खोज, यहाँ का हर ट्रेक आपकी यात्रा को रोमांचक बना देगा। ट्रेकिंग के साथ-साथ आप यहाँ राँक क्लाइम्बिंग और कैपिंग का भी मजा ले सकते हैं।

आदिवासी संस्कृति और हाट

अरकू घाटी अपने आदिवासी संस्कृति और जनजीवन के लिए भी प्रसिद्ध है। यहाँ की स्थानीय जनजातियों की संस्कृति बेहद समृद्ध और रंग-बिरंगी है। अरकू के आदिवासी अपने लोकनृत्य, गीत, और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध हैं। धिम्सा नृत्य (Dhimsa Dance), जो यहाँ की जनजातीय महिलाएँ विशेष अवसरों पर प्रस्तुत करती हैं, ये यहाँ का एक प्रमुख आकर्षण है। अरकू के स्थानीय बाजारों में आदिवासी शिल्प और हस्तनिर्मित वस्त्र खरीद सकते हैं।

घूमने का सही समय

अरकू घाटी का सबसे अच्छा समय सर्दियों में होता है, अक्टूबर से मार्च के बीच। इस समय यहां का मौसम पूरे सुरु में होता है, और आप आराम से घाटी की सैर कर सकते हैं। गर्मियों में यहाँ का तापमान थोड़ा अधिक हो जाता है, जिससे

यात्रा थोड़ी कठिन हो सकती है। मानसून में यहाँ की हरियाली और भी निखर जाती है, लेकिन भारी बारिश के कारण ट्रेकिंग और अन्य गतिविधियों में थोड़ी मुश्किल आ सकती है।

अन्य आकर्षण

अरकू घाटी के पास और भी कई खूबसूरत जगहें हैं जो आपकी यात्रा को और भी खास बना सकती हैं। आप विशाखापट्टनम के प्रसिद्ध राम कृष्ण बीच, कैलाशगिरि हिल्स, और म्यूजियम का दौरा कर सकते हैं। हमारे पास अधिक समय न होने के कारण हम सभी जगह नहीं जा पाए।

सारांश

अरकू घाटी वह स्थान है जहाँ आप प्रकृति की गोद में शांति और सुकून का अनुभव कर सकते हैं। हरे-भरे जंगल, झरने, गुफाएँ, और कॉफी बागान आपकी यात्रा को यादगार बनाते हैं। यहाँ की आदिवासी संस्कृति और उनकी सरल जीवनशैली आपको उनके करीब महसूस कराएगी। अगर आप प्रकृति प्राकृतिक जीवन के प्रेमी हैं और भीड़-भाड़ से दूर एक शांत और खूबसूरत जगह की तलाश में हैं, तो अरकू घाटी आपके लिए एक उत्तम गंतव्य है।

Some interesting facts about Andhra Pradesh

1. Located in southern India, Andhra Pradesh shares borders with Telangana, Karnataka, Tamil Nadu, and Odisha. The State has a coastline of 974 km along the Bay of Bengal.
2. Andhra Pradesh has a rich history dating back to the Mauryan Empire (3rd century BCE). The state was a major centre for Buddhism and Hinduism. The Vijayanagara Empire (14th-16th centuries CE) and the Qutb Shahi dynasty (16th-17th centuries CE) played significant roles in shaping the state's culture.
3. The state has numerous UNESCO World Heritage Sites, including Amaravati and the Qutb Shahi Tombs.
4. Andhra Pradesh is one of India's leading producers of agricultural products, including rice, sugarcane, and cotton. The state has significant mineral deposits, including limestone, coal, and iron ore.
5. Andhra Pradesh is the 8th most populous state in India and has a literacy rate of 67.7% (2020 census).
6. Andhra University (established 1926) is one of the oldest universities in India.

The Rookie Officer : A Comic Journey to Leadership

Abhishek Goswami

Officer
Merchant Management Section
DBS Wing, HO Bengaluru



There was an Officer named Abhishek who had just landed his dream job as an officer in Canara Bank during October 2016. Abhishek had always aspired to climb the corporate ladder and become a future leader, and he was determined to follow the footsteps of the legendary executives he admired.

On his first day, Abhishek arrived at the bank bright and early, dressed in an oversized shirt with a tie. Armed with a notepad and an eager smile he was ready to impress his colleagues. Unfortunately, he quickly learned that the shirt wasn't the only thing that was oversized; his aspirations seemed to be, too.

As he entered the Cantonment branch, he spotted his boss, Mr. Saxena, a stern-looking man known for his love of motivational quotes and tea. Abhishek, in a burst of confidence, approached him. "Mr. Saxena, I'm excited to follow your lead and become a great leader one day!"

Mr. Saxena looked at him, raised an eyebrow, and said, "The path to leadership is paved with hard work and tea." With that, he handed Abhishek a massive cup that could easily double as a soup bowl. Abhishek took it with determination, ready to conquer the world.

However, he soon realized that the tea wasn't just for energy; it was also a test. He awkwardly tried to make conversation with the other officers, only to accidentally spill half the cup all over his shoes. The reaction was priceless - everyone burst into laughter, and Abhishek turned into the brightest shade of crimson. "Well," he thought, "if I can survive this, I can survive anything."

Abhishek tried to learn new things every day and tried to provide the best customer service possible to customers visiting the branch, everything in his work life was normalizing he started enjoying the work given to him. On one fine evening in November 2016 he was enjoying dinner with his family members, he received a call from branch head around 8:00 PM it was very odd to receive call at this hour. Mr. Saxena, in a very worried voice said.

"Abhishek have you seen the news" for a moment, he panicked imagining all sort of crises. He asked, sir what happened is everything okay.

After he saw the news he was flabbergasted, as honourable Prime Minister of India announced demonetization, the news hit like a bolt from the blue-demonetization! As a banker, he knew he was in for some long days. People lined up outside the branch before the sun even thought about rising. They were armed with old ₹500 and ₹1000 notes like they were holding tickets to salvation.

The long day started around 8:00 am and as he reached his branch he saw people lined up outside. Everyone greeted him to grab his attention so that their work can be done on priority and he thought he became a celebrity overnight, sans any perks. By the end of the day, he felt like he had counted every rupee in India twice. But despite the chaos, there was camaraderie in the madness, a sense of shared experience that turned the grind into something he could laugh about and learn from the experience. Gradually the days passed everything normalized and he immersed himself in the daily routine of banking.

Determined to learn from the best, Abhishek shadowed his senior executives, taking notes on their every move. He was particularly fascinated by Mr. Siddiqui, known for his incredible presentations. One day, he watched him deliver a pitch to customers that involved an impressive slideshow and a whole lot of enthusiasm. Inspired, Abhishek decided to try something similar for his first officers meet.

He spent hours crafting a PowerPoint that was meant to be both informative and engaging. However, his overzealousness led him to include an unexpected twist: he stood there at the podium in front of team members and forgot to take the pen drive containing power point to the event. Everyone was waiting eagerly to listen to the what the newbie has to say but When he revealed that he forgot the pen drive, the room went silent for a split second, and then erupted in laughter.

“Abhishek, you have a future in entertainment!” joked Mr. Saxena, wiping tears from his eyes.

Despite the initial embarrassment, Abhishek learned a valuable lesson about creativity and authenticity. He realized that leadership wasn't just about fitting into a mould, but it was about being true to oneself and finding humour in every situation.

As the weeks rolled on, Abhishek continued to make a series of hilarious blunders that somehow endeared him to his colleagues. There was the time he accidentally sent a message in whatsapp group meant for his friends, complete with an invitation to play cricket match on weekend. Surprisingly, the message received a flood of replies from executives in the group, and cricket match became an unofficial office event.

Through these experiences, Abhishek found his own style of leadership. He learned to embrace mistakes and see them as opportunities for growth. His

colleagues began to look up to him not because he was flawless, but because he was relatable and genuine.

By the age of 27, Abhishek became one of the youngest Branch Manager in the Region. During this time, India's banking landscape was rapidly changing with the rise of digital banking. Abhishek knew that to stay relevant, he had to innovate. He transformed his Branch's operations by focusing on digital platforms for everything from loans to wealth management. Abhishek took the initiative to offer credit cards to Group D government employees, a segment often overlooked. Understanding their needs and financial constraints, he provided them credit cards under the bank's salaried employees credit card scheme, ensuring easy access to credit with minimal documentation. The repayments were always regular and on time. This made him happy at his decision making skills. This not only empowered these employees to manage their finances better but also improved their credit profiles. His efforts led to increased financial inclusion, boosting both customer satisfaction and the branch portfolio. A true example of banking for all! Hence his branch became one of the top-performing in the Region.

Years passed, and Abhishek eventually rose through the ranks, becoming an executive himself. Now dressed in a well-tailored suit and with a few more laughs under his belt, he led with humour and humility. Whenever a new recruit joined, he'd regale them with stories of his rookie days, reminding them that leadership is not just about authority; it's about building connections, embracing mistakes, and of course, always being ready to learn from the mistakes.

And so, at Canara Bank, Abhishek became not just a future leader, but a Legend in his own right—proof that sometimes, a good laugh is the best way to lead.

Kalamkari - The Timeless Art Form



Mousumi Mohanty

Officer

Cuttack Regional Office

Kalamkari is an ancient Indian artform which flourished in the country since the 14th century, but gained popularity and acquired its name in the Mughal era. Kalamkari represents the traditional essence of Indian Culture through the images depicted on them. Right from the 17th century temples in Andhra Pradesh to framed canvasses in modern homes to rich and elegant sarees, Kalamkari is a timeless classic.

The term originates from the words- “Kalam” means Pen and “Kari” refers to the Craft. Kalamkari is an ancient art form involving hand drawing and painting on cotton fabric. The English called it Chintz, the Dutch called it sitz, the Portuguese called it pintado, eventually all cloth with pattern came to be known as chintz. Kalamkari as a traditional artwork has evolved from the sacred art to patronage by royalty, then its decline due to industrialisation and again revived back in this modern era.

Kalamkari artwork has its roots and has flourished from Srikalahasti and Machilipatnam in Andhra Pradesh.

Srikalahasti Kalamkari

The unique feature of this form of Kalamkari art is that



the artist draws the Kalamkari designs free hand with the use of kalam or pen and the main design inspiration for Srikalahasti Kalamkari is Hindu Mythology. Srikalahasti is a small town in Chittoor District of Andhra Pradesh. Under Hindu rulers, Kalamkari manufacturing flourished under the patronage of Hindu temples, with its distinctive figure drawing and narrative depictions of mythological stories. It plays a vital role in Hindu mythology, cultural preservation and storytelling by depicting stories from ancient epics contributing to the preservation of India's rich cultural heritage.

Machilipatnam Kalamkari



Machilipatnam Kalamkari is actually block printing on fabrics. This style of art is mostly produced at Pedana, in Machilipatnam of Andhra Pradesh. In the early 17th century, when Golconda came under the Muslim rule, the designs produced in Machilipatnam catered to the Persian taste.

Many centuries ago, groups of folk singers, musicians as well as painters would wander from places to places narrating the epic stories of Hindu mythology to the

locals. They would use canvasses and natural dyed extracts from plants to illustrate their stories. That's how the art of Kalamkari was born from the art of storytelling.

However during the Mughal era this art was highly patronized and the artform got its due recognition. The Mughals patronized this art and it flourished under the Golconda Sultanate.



As the art grew more and more popular the Kalamkari artists modernised their designs and came up with more and more ideas and themes. The artists drew inspiration from Hindu mythology and Persian motifs.

Indian craftsmen have been experts in the use of vegetable dyes from the ancient times. As a celebrated form of textile workmanship, Kalamkari dominated the European and French markets during the 17th and 18th centuries. Naturally the Europeans attempted to imitate the vibrant dyes and designs of Kalamkari artwork. This quest sparked the innovations that led to the Industrial Revolution.

The Kalamkari technique has been admired around the globe for centuries for its aesthetically pleasing design. It



dominated the European and French markets during the 17th and 18th centuries in the form of home decors. Kalamkari art has become the new inspiration for fashionistas. Apart from the traditional clothing and accessories, Kalamkari is in trend for various home décor and life style products creating a new blend of tradition with modernity. Artisans and designers are reviving traditional techniques while infusing contemporary elements to cater to the modern tastes. As a result, Kalamkari fabric is gaining recognition and appreciation for its unique blend of heritage and innovation.

Kalamkari art is labour intensive and meticulously crafted. This art form is time consuming and requires precision and skills which are passed down from generations of artisans.

However, Kalamkari art faces challenging times in future due to the growth of machine printing and digital printing. In an age of mass production, the Kalamkari artists still use natural dyes from plant extracts ensuring minimal environmental impact, which is the USP of Kalamkari Fabric- making it distinct in this modernised era. Kalamkari is a timeless testament to the rich cultural heritage and artistic ingenuity of India and continues to captivate the hearts of millions around the world with its craftsmanship and soulful story telling.

The Tale of Two Trees



In a forest, two trees, Raj and Kumar, stood tall. Both desired to be leaders, guiding their fellow trees. Raj, ambitious and strong, declared, "I'll lead by controlling the sunlight. Those who obey me shall thrive." Kumar, wise and compassionate, said, "I'll lead by sharing my shade. Together, we'll weather every storm." A harsh drought struck. Raj hoarded sunlight, leaving others parched. Kumar spread his branches, providing shade for all. As the drought ended, a fierce storm arrived. Raj's rigid branches snapped, while Kumar's flexible limbs swayed but didn't break. The forest creatures sought Kumar's guidance. Raj realized his errors and joined Kumar. Together, they led the forest, balancing strength with compassion.

Moral of the story is effective leaders prioritize the greater good over personal ambition. Empower others through sharing and collaboration. Adapt and flex in turbulent times. Balance strength with compassion. Learn from mistakes and grow. Leadership is not about control but about nurturing and empowering others.

“यज्ञार्थात्क कर्ममज्जोऽन्यत्र लोकोऽय कर्मबन्धनः”

(Perform action without attachment of Results)

Balancing Eco - Tourism & Social Development in Andhra Pradesh

Pushkar Pandey

Manager
M.P. Nagar Branch



Sustainable eco-tourism has emerged as a vital force for environmental preservation and community empowerment. The eco-tourism initiatives, especially in Andhra Pradesh, India, serve as exemplary models where local participation, cultural preservation, and biodiversity conservation intersect. This article delves into how eco-tourism in Andhra Pradesh has evolved into a robust system that not only provides economic benefits to local communities but also conserves the state's rich ecological and cultural heritage.

Defining Eco-Tourism

The concept of eco-tourism was initially described as traveling to undisturbed areas with the objective of admiring nature and local culture (Ceballos-Lascurain, 1988). Over the years, this definition has expanded. The International Union for the Conservation of Nature (IUCN) now defines eco-tourism as environmentally responsible travel to natural areas that promotes conservation, minimizes visitor impact, and engages local communities in its economic benefits. This form of tourism seeks to address the adverse effects of mass tourism by fostering both ecological balance and local economic participation.

Andhra Pradesh: A Natural Haven

Andhra Pradesh is endowed with natural beauty, including the hills and valleys of the Eastern Ghats, dense forests, and a long coastline. The state is primarily agrarian, but cities like Hyderabad have emerged as hubs of technological growth. This contrast between urban vibrancy and rural

tranquillity makes Andhra Pradesh an ideal destination for eco-tourism.

The state's eco-tourism initiatives have been a key element in preserving its biodiversity while empowering local communities. The tribal communities, which make up about 7% of the state's population, play a critical role in these eco-tourism projects, with sustainable development being the core goal. Projects like the Maredumilli Eco-tourism Project are designed to engage these communities in managing tourism infrastructure and services, providing them with steady income streams while simultaneously safeguarding the region's rich biodiversity.

Evolution of Eco-Tourism in Andhra Pradesh

The Andhra Pradesh Tourism Development Corporation (APTDC) and the state's Forest Department have spearheaded several eco-tourism initiatives. They identified eight new eco-tourism destinations, including Maredumilli, Nelapattu, and Talakona, each highlighting different aspects of the state's diverse ecosystem. These projects involve local tribal communities, encouraging them to take ownership of the tourism enterprises by offering services such as accommodation, guiding, and food preparation.

The unique feature of Andhra Pradesh's eco-tourism model is its community-based approach. For instance, the Maredumilli Community Conservation and Eco-Tourism Area is managed by indigenous tribal groups, including the Valamuru and



Somireddypalem tribes. These communities oversee the tourist facilities, which are situated in ecologically sensitive areas. Their involvement ensures that eco-tourism contributes to their livelihood, while the region's natural resources are conserved.

Economic and Social Benefits of Eco-Tourism

Eco-tourism in Andhra Pradesh has numerous economic, social, and environmental benefits. The revenue-sharing model implemented in these projects ensures that local communities receive a significant share of the profits generated from tourism. For example, the profits from the Maredumilli Eco-tourism Project are divided equally

among the 30 tribal families involved in managing the tourist facilities.

Additionally, eco-tourism has created employment opportunities for local women and youth, who contribute to services like housekeeping, guiding, and handicraft production. The sale of tribal handicrafts, such as bamboo products, and local forest products like honey and gooseberries, further enhances the economic benefits of eco-tourism. The involvement of women in tourism activities has also contributed to gender equity in these communities, where previously, traditional roles may have limited their economic participation.

Moreover, eco-tourism plays a vital role in conserving biodiversity. In regions like Maredumilli, tourists are given guided treks through semi-evergreen forests where they learn about the local flora and fauna. The local tribes, trained in biodiversity conservation by the Forest Department, serve as guides, sharing their knowledge of medicinal plants and forest ecosystems with tourists. This exchange of knowledge not only empowers the local communities but also educates visitors about the importance of conservation.

Environmental Conservation and Challenges

One of the standout features of Andhra Pradesh's eco-tourism model is its focus on minimizing environmental impact. Eco-tourism projects are developed with a strong emphasis on preserving the natural landscape, with infrastructure designed to blend into the surroundings. For example, at the Jungle Star Eco-Camp, tourists can experience nature up close, living in eco-friendly accommodations without disturbing the local wildlife.

However, the rapid development of eco-tourism is not without challenges. One of the primary concerns is the risk of unregulated tourism, which

could lead to environmental degradation. To address this, the APTDC and Forest Department have implemented strict guidelines to ensure that eco-tourism activities are sustainable. For instance, they regulate the number of tourists visiting sensitive areas, promote eco-friendly practices, and ensure that the tourism infrastructure is built using local materials and traditional architectural styles.

Cultural Conservation

In addition to its ecological focus, eco-tourism in Andhra Pradesh also plays a significant role in preserving the state's cultural heritage. The state is home to numerous tribal communities with unique traditions, art forms, and knowledge systems. Eco-tourism offers a platform for these communities to showcase their culture to visitors. Traditional folk dances, archery demonstrations, and local cuisine are integral parts of the eco-tourism experience in areas like Maredumilli.

Moreover, the involvement of tribal communities in eco-tourism projects ensures that these cultural practices are not lost to modernization. By giving the local population an active role in managing tourism, eco-tourism projects encourage the preservation of traditional knowledge systems, such as the use of medicinal plants and indigenous farming techniques.

The Future of Eco-Tourism in Andhra Pradesh

As eco-tourism continues to gain momentum, it is essential to ensure that it remains sustainable in the long term. The government's proactive involvement, coupled with the active participation of local communities, has made Andhra Pradesh a leader in eco-tourism in India. However, continuous monitoring and regulation are necessary to prevent over-exploitation of natural resources.

In addition, eco-tourism initiatives need to adapt to evolving challenges such as climate change and increasing tourist footfall. Integrating modern



conservation techniques with traditional knowledge will be crucial in ensuring that eco-tourism remains a tool for both environmental protection and socio-economic development.

Conclusion

Eco-tourism in Andhra Pradesh stands as a testimony to how conservation and community development can go hand in hand. By engaging local communities in managing eco-tourism projects, Andhra Pradesh has created a sustainable model that provides economic benefits while preserving the state's rich natural and cultural heritage. With the right balance between tourism, conservation, and local participation, eco-tourism has the potential to become a key driver of sustainable development across the globe.

मेंगलूरु और हमारी संस्थापक शाखा

मोनलिसा पंवार

ग्राहक सेवा सहयोगी
जोधपुर पाल रोड, एलआईसी सीए



मार्था मेडेइरोस की एक मशहूर कविता है कि आप धीरे-धीरे मरने लगते हैं। यदि आप कोई यात्रा नहीं कर रहे, कोई पुस्तक नहीं पढ़ रहे, अपने जीवन की ध्वनियां नहीं सुन रहे तो आप धीरे-धीरे मरने लगते हैं।

मार्था मेडेइरोस ने जीवन का एक बहुत बड़ा संदेश दिया है कि यात्राएं हमारे जीवन के लिए बहुत उपयोगी। साथ ही मैंने कहीं पढ़ा था अगर आप जीवन में खुश है तो घूम आए उस खुशी को मनाएं। अगर आप परेशान हैं तो यात्रा पर निकल जाए उस गम को भूल जाए। इस तरह हर खुशी और गम में कोई यात्रा करें और जीवन का आनंद लें।

हाल ही में मुझे मेंगलूरु की यात्रा करने का अवसर प्राप्त हुआ। बैंक ऑफ बड़ौदा का हिंदी सेमिनार का आयोजन वहां किया गया था। मेंगलूरु का नाम यहां की स्थानीय अधिदेवी मंगला देवी के नाम पर पड़ा। जाने से पहले मैंने बहुत सारे सपने संजोए कि मुझे दक्षिण भारत का सबसे बड़ा झरना जोग फॉल देखना है साथ ही समंदर के पास उपलब्ध सभी तरह के एडवेंचर करने हैं।

मगर सोचा हुआ कहां पूरा होता है जाने से पहले ही मेरी ट्रेन 14 घंटे देरी से चल रही थी जो मुझे सुबह पहुंचना था वहां देर शाम तक पहुंच पाए और मौसम की गुस्ताखी देखो सूर्य भगवान ने तो दर्शन ही ना दिए।

समय ही कुछ ऐसा तय किया गया था कि वहां अत्यधिक वर्षा जिससे समंदर तो अपना विकराल रूप दिखा कर ही डरा रहा था। सारा एडवेंचर तो वहीं कर रहा था, हमें तो केवल उसे देखना ही था। मन तो बहुत खराब हो रहा था लेकिन जो उपलब्ध है उसमें कैसे खुश रहा जाए ये भी एक कला है जो हर किसी में नहीं होती।

प्रथम दिन सेमिनार का आयोजन हुआ। काफी भव्य आयोजन बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा किया गया। सचिव राजभाषा गृह मंत्रालय भारत सरकार के नेतृत्व में इतना बड़े स्तर पर आयोजन सचमुच सराहनीय था। मेरी भी प्रस्तुति थी जिसे कई लोगों ने सराहा। कार्यक्रम देर शाम तक खत्म हुआ जिसके पश्चात हम कहीं जा नहीं पाए कुछ कमी जो थी वो बारिश ने पूरी कर दी। तो चुपचाप अपने होटल में ही आ गए।

दूसरा दिन जो कहने को एक मात्र दिन था हमारे पास मेंगलूरु घूमने का उसका पूरा उपयोग करने की हमने ठान ली। एक दिन पहले ही हमने एक टैक्सी बुक कर ली जो सुबह हमें अपने होटल से लेकर वहां के स्थानीय पर्यटन स्थल दिखाने वाली थी। हम सुबह जल्दी उठ कर तैयार होकर निकल पड़े।

सर्वप्रथम हम कादरी मंजूनाथ मंदिर पहुंचे यह एक ऐतिहासिक मंदिर है जिसे 1068 ई. में बनाया गया था। इस मंदिर में वर्ग के आकार के नौ टैंक हैं पहाड़ियों से घिरा यह मंदिर काफी भव्य लगता है। इस मंदिर में स्थापित लोकेश्वर की प्रतिमा को कांस्य धातु की सबसे उत्तम प्रतिमा माना जाता है।

पहाड़ी की चोटी पर पत्थरों की गुफाएं हैं जिन्हें पांडवों की गुफाओं के नाम से भी जाना जाता है। यहां पहाड़ की तरफ बढ़ने पर भगवान हनुमान की विशाल मूर्ति भी नजर आती है प्रकृति से आच्छादित यह मंदिर अपने में ही एक अलग सुकून प्रदान करता है।

वहाँ से हम मंगला देवी मंदिर की ओर बढ़े जिसे अट्टावर के बलाल वंश द्वारा केरल की राजकुमारी की याद में बनवाया गया था जिसके नाम पर ही इस शहर का नाम रखा गया।

दक्षिण भारत के मंदिरों में वास्तु की तथा वहां की संस्कृति की अद्भुत छटा देखने को मिलती है। वहां से आगे का सफर तय करते हुए हम श्री वेंकटरमण मंदिर पहुंचे यह 17 वीं शताब्दी में निर्मित मंदिर है जो शहर के मध्य में ही स्थित है। यहां मूर्ति स्थापना तो 17 वीं शताब्दी में कर दी गई थी परंतु 1804 ई. में भगवान वीरा वेंकटेश स्वामी की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा की गई थी।

मंदिरों के दर्शन के बाद अब बारी थी वह पूजनीय स्थल जिससे आज मेरा वर्तमान और भविष्य भी जुड़ा हुआ है। वह भी किसी मंदिर से कम नहीं है और वह है हमारी संस्थापक शाखा के दर्शन की। कई बार मेरे दिल में जिज्ञासा थी कि मैं जहां से हमारे बैंक की नींव रखी गई थी, उस पावन भूमि का दर्शन करूं और यह सौभाग्य भी मुझे विधाता ने दिया मैंने अपने ड्राइवर से हमें केनरा बैंक की संस्थापक शाखा की ओर ले जाने को कहा। मगर वो शायद उस जगह पर नया था तो हमने पहले मंगलूरू के क्षेत्रीय कार्यालय से वहां का पता पूछा और बढ गए वहां की ओर।

संस्थापक शाखा पर पहुंच कर मुझे यह देख कर आश्चर्य हुआ कि आज भी उसे वैसे ही संजोए रखा हुआ है जैसा वो जब बना तब हुआ करता था। लकड़ी का काम, पहला स्ट्रांग रूम, आज तक के सभी एम डी की तस्वीरें, उनके समय काल के साथ और बीच में हमारे महान संस्थापक की मूर्ति सब कुछ एक सपना सा था। भाग दौड़ भरी जिंदगी में सबकुछ शांत सा माहौल आपके दिल को भी सुकून देता है। कुछ समय वहां बैठ कर वहां के विजिटिंग रजिस्टर में अपनी एंट्री दर्ज करके हम निकल तो गए मगर पलट पलटकर देखें जा रहे थे उस स्थान को। एक ऐसा अहसास जिसे शायद मैं अच्छे से शब्दों में नहीं पिरो सकती।

मगर इन सभी यादों को अपने में तथा अपने कैमरे में समेट कर हम निकल गए वहां से क्योंकि शाम की ट्रेन थी।

सफ़र जरूरी है क्योंकि हमें जानना है अपने वजूद को सफ़र जरूरी है क्योंकि हम गतिशील हैं और इस गतिशील दुनिया को देखना भी जरूरी है और समझना भी।



Hard Time

Anurag Sharma

Officer
Vikas Marg Branch



If you are going through hard time in your life, read this.....

In 2006, Pluto was reclassified as dwarf planet and is no longer the part of a solar system. After so many years, Pluto still doesn't care whether he is a part or not. He still circles around the sun. Sun is not in trouble either, whether he is a new star or an old one, he still shines like always. He also doesn't care about Pluto. He does what he does and what needs to be done.

Moon is calm like always and doesn't think which crater is bigger or smaller. He also plays the tide game with the Earth.

Our own Solar system is part of the galaxy. Neither our solar system nor the galaxy care about each other. They do what they do what needs to be done. Our own

galaxy is not concerned about us because it has many solar or other systems, it does what needs to be done.

Our universe is not really fond of us because, like us or more advanced species are already present in the universe, and the universe itself is a part of multi-universe.

Now the same goes with us..... Don't give yourself a hard time about what others think about you. You do what you have to do and what needs to be done. Life is simple, we make it complicated by over thinking and having unnecessary desires and expectations.

When so many people / stalwarts are playing their part, it doesn't matter what you think about them, do what is necessary all things will fall in place.

"Caption the Picture Contest"

Caption the picture in not more than 15 words.
Winners of the contest will be announced in Shreyas 298



Courtesy: Nithin M.K. Senior Manager

The Balance of Tech and Touch: Grooming Leaders for Tomorrow

Abrar Ul Mustafa

Manager
Gagal Kupwara Branch



Leadership is about people. It always has been. But in today's world, it's easy to forget this simple truth. We celebrate data, automation and AI. But leadership is still about understanding, listening and connecting. It's about human relationships. As we move into the future, the leaders who will stand out, won't be the ones who know how to operate machines. They'll be the ones who know how to reach people. Technology is changing the way we work. It's making everything faster, smarter and more efficient. But there's a side of leadership that technology can never replace—the human touch. In this era of constant connection, leaders must know how to balance the efficiency of tech with the emotional connection that only a human can provide.

Imagine a workplace driven entirely by data. Everyone is connected by screens. Targets are set, results tracked and performance monitored. But something's missing. The human element. The smiles. The gestures. The personal conversations that build trust. Data may tell you how a person performs, but it won't tell you how they feel. I remember hearing about a manager during the pandemic. When remote work became the norm, his team struggled. Deadlines were missed and productivity dropped. But instead of pushing harder, he paused. He set up simple, no-pressure calls with his team members. Just to talk. No work agenda. No numbers. Those conversations saved his team. People felt valued. As a result, they gave their best. This is the future of leadership. Leaders who know how to read emotions. How to listen deeply. How to show empathy. Leaders who make people feel safe and heard. Especially in times of stress. Technology will never be able to do that. Only a human leader can.

In the future, emotional intelligence will be the most valuable leadership trait. Leaders with high emotional quotient understand that their teams are more than just workers. They are people with feelings, challenges and personal stories. Leaders who can tap into these emotions will inspire loyalty, creativity and dedication. Take the example of Arundhati Bhattacharya, the former Chairperson of State Bank of India. She led India's largest bank during a time of significant change. Technology was transforming banking. Yet, it wasn't being tech-savvy that made her leadership effective. It was her compassion. She introduced flexible working hours for women and ensured that employees felt valued. It wasn't about using the latest tools. It was about connecting with people on a deeper level. In the future, this will matter more than ever. As the world becomes more digital, the human touch will be the differentiator. Leaders who focus only on tech will miss the true potential of their teams. Those who understand human emotions will unlock it.

The next layer of leadership is storytelling. Numbers can inform. Data can guide. But stories? They move people. A good leader knows this. They know that the best way to share a vision is through a story. A story makes the abstract real. It gives meaning to facts and figures. I once read about Satya Nadella, Microsoft's CEO. When he took over, the company was facing serious challenges. Rather than push new strategies right away, Nadella shared stories. He spoke about empathy. About his experiences as a father caring for his son with special needs. These stories humanized him. They created trust. And because of that, when he eventually rolled out changes, his team followed him with belief. Future leaders will need this skill. They will need to communicate not just through data, but

through stories that make people care. In a world full of information, stories are what people remember. A leader who can tell a compelling story will inspire action and build a stronger connection with their team.

The world is unpredictable. We've seen it first-hand. The COVID-19 pandemic was a harsh reminder that we cannot control everything. Tomorrow's leaders must be ready to adapt. And when uncertainty hits, technology alone won't guide them through. It will be their ability to remain calm, connected and compassionate that will make the difference. During the pandemic, many businesses struggled. Some leaders chose to push harder, setting stricter deadlines and tracking every move. But others took a different approach. They focused on mental health. Gave space for employees to adjust. And offered support. Those were the leaders who thrived. We saw this in banks as well. During the crisis, some leaders put their people first. They understood that behind every employee was a person struggling with the new reality. By offering empathy and understanding, they kept their teams together and loyal. They balanced tech with compassion, showing the way forward through human connection.

So, how do we prepare tomorrow's leaders? How do we groom them to handle the balance of tech and

touch? It starts with teaching them to see the world through a human lens. Future leaders must learn to use technology to their advantage but never forget that they lead people, not machines. They must develop their emotional intelligence, becoming experts in understanding emotions and motivations. Moreover, they need to become master storytellers. In a world overflowing with data, stories are the key to making people listen. Leaders must learn to frame their visions, ideas and decisions in ways that connect emotionally with their teams. Finally, future leaders need to be prepared for uncertainty. They must be ready to adapt, to lead through crises and to connect with their teams on a deeper level. The leaders who can balance technological advancements with human values will be the ones who succeed.

Tailpiece: Leadership is about balance. The balance between tech and touch. Between data and emotions. Between efficiency and empathy. As we groom the leaders of tomorrow, we must ensure they have both: the tools to leverage technology and the heart to lead people. The future will demand more than just technical skills. It will require human skills – the ability to connect, to listen, to empathize and to inspire through stories. These are the traits that will define the next generation of leaders.

“Letters to the Editor”

"Dear Editor,
Your coverage on Government schemes for agriculture was insightful and timely. Programs like sustainability initiatives have undoubtedly eased financial stress for many farmers. Looking forward to a greener and healthier India. Thank You for addressing this critical subject."

Robin R, Manager

"Dear Editor,
I recently had the opportunity to visit Dharamkote, Himachal Pradesh. Incidentally the same was captured in 296th edition of Shreyas. This hidden gem is a treasure trove of natural beauty, with lush green forests, winding roads, and picturesque villages. The tranquil atmosphere and warm hospitality of the locals made my trip truly unforgettable. I urge travel enthusiasts to explore Dharamkote and experience its serene beauty. It's a perfect getaway from the hustle and bustle of city life."

Rekha Chaudhary, CSA

"The Banking Saga: Canara and Syndicate's Journey of Unity and Growth"

In Mangalore's embrace, Canara Bank found its start,
Nineteen hundred and six, a beating financial heart.
Ammembal Subba Rao Pai, with vision bold and clear,
Pledged service to the masses, eradicating fear.

Principles rooted deep, to uplift and to sustain,
Empowering dreams, breaking every chain.
From humble coastal beginnings, it began to grow,
Branches blooming like wildflowers in a meadow.

Syndicate Bank, a tale from Udupi's fertile ground,
Nineteen twenty-five, a resounding banking sound.
Upendra and Kudva, minds sharp and wise,
A bank for the people, their noblest enterprise.

Steadfast and determined, they forged their way ahead,
A network expanding, where others might have fled.
From Karnataka's heart, their influence unfurled,
Touching lives, igniting hope in every corner of the world.

Mergers came, a strategic dance of fate,
Canara and Syndicate, an alliance truly great.
Their strengths intertwined, like rivers meeting sea,
A powerhouse emerged, an emblem of unity.

With each passing year, they forged ahead, hand in hand,
Tackling challenges, a resilient banking band.
In cities, towns, and hamlets, their legacy lives on,
A testament to founders' dreams, a saga yet ungone.

Pai's and Kudva's spirits, they echo through the years,
Their banks stand tall, dispelling doubts and fears.
Canara, Syndicate, a tale of growth and might,
Guiding India forward, in the brilliant banking light.

In the present's embrace, they stand side by side,
Continuing the journey with unwavering pride.
Canara Bank, Syndicate too, in harmony they sing,
A testament to founders' dreams, a promise to the future they bring



S Devanarayanan
Senior Manager
CIBM manipal

विशुद्ध

आइए आज आप सब को एक कहानी सुनाती हूँ,
आपको एक नए ग्रह की बातें बताती हूँ।
एक दिन ईश्वर ने एक नया ग्रह बनाया,
उस नए ग्रह पर हमारे ग्रह-जैसा कुछ भी नहीं बसाया।
ना यहाँ जैसे जानवर थे वहाँ, ना यहाँ जैसे पंछी,
ना कहीं ऊँचे पेड़ थे वहाँ, ना इंसान की झलकी।
एक अंतहीन समुद्र था बस, जिसमें कोई मछली ना थी,
बस बूँदें थी उस ग्रह पर और वो भी कोई एक जैसी ना थी।
हर बूँद में अपनी एक अलग पहचान थी, पर वो अलग होकर भी सब साथ थीं,
एक बूँद में थी करुणा तो दूसरी में दया थी।
किसी में थी मेहनत की ललक तो किसी की दृढ़ता पहचान थी।



अल्पना शर्मा

सी.एस.ए
मेरठ गंगा नगर शाखा

जब वो सारा ग्रह बस गया, तब ईश्वर ने राहत की साँस ली,
अब सब अच्छा होगा, उन्होंने खुद को यह आस दी।
फिर एक दिन ईश्वर ने वहाँ एक नई बूँद को जन्म दिया,
पहली बूँदों के मुकाबले इस बूँद को एक नया सा मुकाम दिया।
उस मासूम-सी बूँद को हाथ में लेकर ईश्वर ने प्यार से निहारा,
तुम खो मत जाना इस अंतहीन समुद्र में, उसे यह समझाया।
आओ आज तुम्हें एक नया नाम देता हूँ, आज से तुम्हें 'विशुद्ध' बुलाता हूँ।

अपने नाम सी ही सीरत थी विशुद्ध में,
खुद में पूर्ण थी वो, पर किसी तरह की मिलावट ना थी उसमें।
जैसे ही उसने जन्म लिया तो देखा, ग्रह तो बदल चुका था,
वो तो एक समुद्र की बातें सुनकर आई थी, पर यहाँ तो सब कुछ अलग था।
मेहनत वाली बूँदों ने साथ मिलकर एक झील बना ली थी,
सबने बगावत करके अपनी अलग जमात बिठा ली थी।
वहाँ अब कोई काम करना नहीं चाहता था,
झील गंदी पड़ी थी, पर कोई साफ करना नहीं चाहता था।

Contd....

वहाँ करुणा की बूंदों का अपना अलग झरना था,
 उस झरने में बाकी बूंदों का आना मना था।
 करुणा तो कब की खतम हो गई विशुद्ध को किसी ने बताया,
 कल ही करुणा की बूंदों ने, शराफत की बूंद को मिलावट करके, अपने में मिलाया।
 बाकी नदियों और नालों की कहानी कहना ही बेकार था,
 सबमें कोई ना कोई अशुद्धी थी, सबका अपना परिवार था।

‘विशुद्ध’ वहाँ खोई-खोई घूमती, वो किसी एक्सल्यूट,
 किसी साफ़-ओ-शफ़्फ़ाफ़ बूंद को ढूँढती।
 उसमें ईश्वर ने मिलावट का रंग दिया ही ना था,
 वो वहाँ किसी अपने जैसे को खोजती।

कोई उसे अपने जलाशय में रखने को राज़ी नहीं था,
 कोई उसकी विशिष्टता को देखता ही नहीं था।
 ‘अरे तुझमें लचीलापन नहीं है विशुद्ध!’ एक दिन एक ठग बूंद ने उसको कहा,
 ‘तू भी चोरी करना सीख ले, फिर देख, हम सब हैं यहाँ’।
 अरे विशुद्ध! होता ही है सबमें कुछ ना कुछ गलत,
 तू भी अपना गलत ढूँढ और मिल जा सबके साथ।

कुछ समय बाद ईश्वर ने खुद आकर उससे पूछा—
 क्यों विशुद्ध बेटा! कैसा लगा मेरा ग्रह?
 विशुद्ध ने बस एक बात कही, वही बात आज मैं, आप सब से कहती हूँ,
 हे प्रभु! फिर किसी को विशुद्ध सा ना बनाना,
 उसकी शुद्धता को ऐसे ना आजमाना।
 आपकी बनाई दुनिया तो कब की बदल गई,
 ये मिलावट की दुनिया है यहाँ किसी मिलावटी को उतारना।

“माँ” “दिव्य शक्ति” – माँ को समर्पित



रीमा बैनर्जी

अधिकारी
एस एम ई
झारसुगुडा

कितना अब्बुत और आलौकिक शक्ति से भरा शब्द है ना “माँ”?
जो सबसे कठिन पीड़ा सहकर भी अपने जीवन में एक जीवन को जन्म देती है,
जो सारी दुविधाओं से लड़कर अपने संतान को अपने लहू से सींचती है,
जो सारी दुनिया के सुखों को अपने गोद में समेटती है।

मिट जाते है ग़म सारे जब माँ प्यार से आँचल मेरे सर पर फेरती है।
मेरी खुशियों के लिए भाग-भाग कर काम करके भी वह कभी ना थकती है।
मुझसे पहले मेरी सारी जरूरतों का ख़याल वह रखती है।
मेरी आत्मा की आवाज़ है माँ, जीवन जीने की चाह भी वह देती है
और अपने सुखों को कुर्बान कर मेरे सारे ग़म हर लेती है।

कितना निश्छल और निस्वार्थ है ना माँ का प्यार,
जब भी मैं याद करु हर कोने से दुआओं की बौछार बन कर मुझे पर बरसती है।
सुना है भगवान हर जगह नहीं रह सकते इसलिए उन्होंने माँ बनाया है:
इस एक शब्द ने जीवन को सम्पन्न बनाया है,
धरती रूपी माँ भी उस माँ के आगे शीश झुकाती है।
मेरी माँ मेरा गुरु है जो मुझे हर ग़म में भी हँसना सिखाती है।
वो कहती थी तू छोटी है जब माँ बनेगी समझ जायेगी कि क्या मोह, और क्या माया है,
सच कहूँ तो माँ बनने पर तुम्हारी छवी और यह निश्छल प्रेम
मुझे सही मायने में समझ आया है।

अक्सर, मेरी परछाई मुझसे यह कहती है
तुझमें है दृढ़ता, तुझे कोई ना हरा पाएगा।
तेरे सर पर है माँ का हाथ, साथ और आशीर्वाद
तो कैसे दुःख का साया भी तेरे आड़े आएगा।
अगर करना है जीवन सफल तो करना सच्चे मन से मातृ भक्ति
वह ईश्वर भी होंगे तेरे साथ और देंगे दुर्लभ शक्ति ।
मातृ और पितृ सेवा में ही जीवन का असली सार है
इस आडम्बर युक्त दुनिया में “माँ-बाबा” से ही मेरा सारा संसार है।

Bathukamma's Bloom : A Celebration of Joy, Faith and Unity

In meadows of gold, marigolds unfold,
Beneath the wide expanse of sky, we gather bold.
Petals everywhere, as smiles grow wide,
Wreaths create a story, with love as our guide.

Each petal whispers with the grace of faith,
Devotion in our hearts, not just a fleeting wraith.
Bathukamma's bloom, a festival of flowers,
Symbolizes the vitality that nurtures our powers.

Women gather, colors ignite,
Singing and dancing through the night.
In swirling circles, hand in hand,
We honour the earth, this sacred land.

New clothes, fresh thoughts, hearts so light,
We pray to God for a future bright.
For happiness, for health, for blessings untold,
As Bathukamma's bloom unfolds.

Dance, fun, and joy bring us together,
Sharing hope, casting out fear forever.
With petals afloat, our prayers take flight,
Under the moon's soft, glowing light.

Grateful we stand for all that we own,
For the land, the harvest, the seeds we've sown.
Together we sing, together we pray,
For happiness to fill each coming day.



Rohit Kumar
Officer
Karim Nagar II Branch

Health tips for managing anxiety:

Lifestyle Changes:

1. Exercise regularly: Physical activity reduces anxiety symptoms.
2. Healthy sleep habits: Aim for 7-8 hours of sleep per night.
3. Balanced diet: Focus on whole foods, fruits, vegetables, and lean proteins.
4. Relaxation techniques: Practice yoga, meditation, or deep breathing.
5. Social connections: Build strong relationships with family and friends.

Stress Management:

1. Identify triggers: Recognize situations that cause anxiety.
2. Journaling: Write down thoughts and emotions.
3. Prioritize tasks: Break down tasks into manageable chunks.
4. Time management: Set realistic goals and deadlines.
5. Self-care: Schedule relaxation time.

Mindfulness and Relaxation:

1. Mindfulness meditation: Focus on present moment.
2. Progressive muscle relaxation: Release physical tension.
3. Visualization: Imagine peaceful scenarios.
4. Aromatherapy: Inhale calming essential oils (e.g., lavender), (not recommended for people with respiratory issues).
5. Listen to calming music.

Supplements and Nutrition:

1. Omega-3 fatty acids: Reduce inflammation.
2. Vitamin D: Regulate mood.
3. Magnesium: Relax muscles.
4. Herbal teas (e.g., chamomile, green tea).

Professional Help

1. Consult a therapist or counsellor.
2. Cognitive-behavioural therapy (CBT).
3. Medication (if prescribed by a doctor).

Remember

1. Anxiety is manageable.
2. Seek help when needed.
3. Practice self-compassion.
4. Celebrate small victories.
5. Focus on progress, not perfection.



“Kanda Bachali Ava Curry”



B. Sowbhagya Rani

Officer
Quality assurance and control Section,
S & DA Wing, Head Office, Bengaluru



Indulge in the rich flavours of Andhra Pradesh with Kanda bachali ava curry, a traditional and mouthwatering dish that will tantalize your taste buds. This authentic recipe combines the perfect blend of spices, herbs and vegetables to create a perfect culinary masterpiece. It is a no onion no garlic recipe. Mainly it is consumed in “Karthika” month.

INGREDIENTS :

Elephant Foot Yam	: 250 gms
Malabar Spinach	: 200 gms or 1 bunch
Tamarind	: Lemon size
Jaggery	: a small piece
Turmeric	: ½ teaspoon
Salt	: as required
Oil	: 1 table spoon

Mustard Powder

Dry red chilli	: 10 no's
Mustard seeds	: 2 tsp

For the tempering

Mustard seeds	: 1 tsp
Chana dal	: 1-2 tsp(soaked)
Jeera	: 1 tsp
Hing	: ½ tsp
Green Chillies (Slit)	: 5 no's
Red Chillies	: 2-3
Curry leaves	: 2 sprigs

Procedure :

1. Peel the skin of yam and cut into big cubes and soak in salt water for 5 minutes
2. Clean the Malabar spinach and cut the leaves and if stems are tender, then can be cooked along with leaves
3. In heavy bottomed vessel add the cubed yam and Malabar spinach. Add ½ liter of water. Let it boil for 15 to 20 minutes. If you are using cooker allow it to cook for about 2 whistles.

4. Soak the tamarind and squeeze out the juice and Make a dry powder of mustard seeds and red chilli (5 to 6) and keep it aside.
5. Take a pan and add oil. Once hot, add the tempering (Jeera, mustard seeds, red chili, curry leaves, hing) and allow them to splutter. Add slit green chillies and soaked channa dal and let it fry for few minutes.
6. Now slightly mash the boiled yam and spinach. Add to the pan and let it cook for 5 minutes.
7. Now add tamarind juice, turmeric and salt and let it cook till raw smell goes.
8. Cook until the curry absorbs all flavors and becomes thick. Add a piece of crushed jaggery to balance the sour taste.
9. Heat oil in a tadka pan. Once hot turn off the stove and the mustard powder. Now Pour the seasoning over the curry and mix well.

Tasty and healthy Kanda Bachali Ava Curry is done and ready to serve. Serve it with hot roti or hot steamed rice and papad.

Tips :

1. Smear your hands with oil before peeling and cutting the yam to avoid itchiness. If you still feel itchy after handling the yam soak your hand in butter milk for ten minutes.
2. Mustard powder to be added after turning off the stove otherwise curry will become bitter
3. Don't mash yam too much or don't stir much to get an appetizing look and taste.

Nutritional Benefits:

Elephant foot yam provides heart Friendly nutrients such as fiber and potassium. Omega 3 fatty acids improves overall cardiovascular function, reducing the risk of heart diseases. Malabar Spinach is loaded with all essential vitamins to fortify heart and bone health. It is rich in Vitamin A for vision and is iron Rich helping in eliminating anemia.

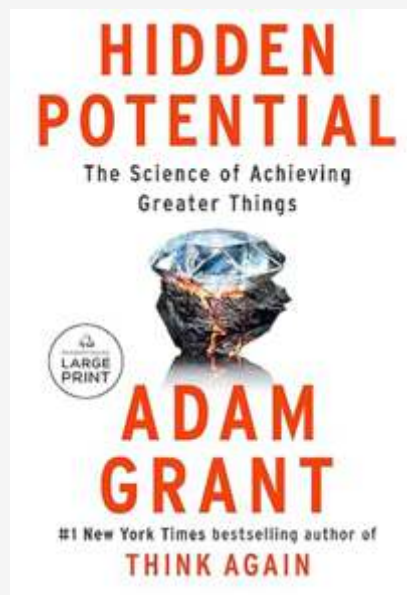
Hidden Potential

The Science of Achieving Greater Things

— Adam Grant

“Hidden Potential: The Science of Achieving Greater Things” by Adam Grant does not merely cater to celebrate high achievers, but it talks about how ordinary people can surpass expectation and find their hidden potential when given the right tools and opportunities.

The book is divided into three sections. The first section talks about exploring the skills of character. How character development should be treated as important as or even higher than how one would place success and happiness. The author talks about varied learning styles to be inculcated in schools and how different students respond to different methods. One term he uses is “embrace discomfort”. One must be brave enough to embrace discomfort and discard our known learning styles and learn new ones. Adam Grant shows scientific research to show how people with average or below-average starting points can achieve extraordinary results.



MRP: ₹640 | Pages: 290
Language: English | Genre: Non-Fiction

The second section talks about creating structures to sustain motivation. Mere character development may not be sufficient to unleash one's hidden potential. One should be able to navigate through various methods and practices to reach the destination. The author is of the opinion that it takes practice to master a skill and deliberate practice will in the long run improve performance. The author also mentions about the concept of 'scaffolding'. He suggests that people often need temporary supports to help them progress and build resilience.

The third section focuses on building systems to expand opportunity. When the 1st and 2nd sections dealt with character development and scaffolding, the third section focussed on giving other people the chance to achieve greater things. He brushes upon the educational systems in various countries and how it impacts child development and thereby the child's future at large. The author does not believe in the fact that only the high scorers are brilliant, but of opinion that every child gets ahead in their own ways if given the opportunity to.

Grant supports his statements with research, data and real-life examples. The writing style is engaging and easy to understand. This book will be an eye opener to at least a few of us who may think that we are not capable enough of doing certain things. As the author reiterates, every person is capable, it is just that his/her hidden potential should be tapped at the right time, practiced and strengthened in the long run.

By Winnie Panicker



**Shreyas, in homage to Canbank's departed souls,
pray that they rest in bliss, in eternal peace.**

**Death, said Milton, is the golden key
that opens the palace of eternity.**

Name	Staff No	Designation	Branch	Expired on
KALIAPPAN M	57812	OFFICER	COIMBATORE CC	02-06-2024
AJAY SINGH	65643	SENIOR OFF ASST	AURANGABAD GADANA	15-06-2024
ARVIND	736772	HK CUM OFF ASST	SAHARANPUR CHOWK UM	09-07-2024
MADAN LAL	74986	HK CUM OFF ASST	BADDI IND FINANCE BRANCH	10-08-2024
VIJAY BANDU AMBULKAR	74665	CSA	KATEMANIVALI	15-08-2024
SUMER SINGH	734945	HK CUM OFF ASST	PUKHRAYAN	16-08-2024
LAKAVATH SURENDER	800725	OFFICER	POCHARAM	17-08-2024
PRADEEP JANARDHAN KOLI	740676	HK CUM OFF ASST	KHARGHAR SECTOR 35	19-08-2024
MADHUSMITA PATRO	95191	OFFICER	BERHAMPUR UNIVERSITY CAMPUS	23-08-2024
KANDYALA NEERAJAKSHULU NAIDU	74841	ARMED GRD/SEC GRD	TIRUPATI	01-09-2024
DEEPAK BHARATI	101563	HK CUM OFF ASST	LUCKNOW ASSET RECOVERY	04-09-2024
D BALASUBRAMANYA SWAMY	554398	CSA	VIZIANAGARAM REGIONAL OFFICE	05-09-2024
SANJEEV S KALLAMMANAVAR	62015	CSA	BELGAUM SHAHPUR	11-09-2024
K. JAISHANKAR	66398	HK CUM OFF ASST	CHINGLEPUT CUR CHEST	15-09-2024
MUNNA KUMAR	71528	SENIOR MANAGER	PATNA CEN PROCESSING HUB	19-09-2024
SUNIL T.S	101940	OFFICER	YEDUR	20-09-2024
ARUN P ANAND	87584	CSA	KARUKACHAL BRANCH	20-09-2024
SUBHASH BODH	85415	MANAGER	LEH	21-09-2024



दिनांक 28.10.2024 को प्रधान कार्यालय के सभागार में आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम में प्रतिज्ञा लेते हुए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सत्यनारायण राजु, कार्यपालक निदेशक श्री देबाशीष मुखर्जी, श्री हरदीप सिंह अहलूवालिया, और श्री भवेंद्र कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री नवीन कुमार दास और मानव संसाधन प्रबंधन विभाग के मुख्य महाप्रबंधक श्री डी सुरेंद्रन।

MD & CEO Sri. Satyanarayana Raju, EDs Sri. Debashish Mukherjee, Sri. Hardeep Singh Ahluwalia, and Sri. Bhavendra Kumar, CVO Sri. Nabin Kumar Dash and CGM HR Wing Sri. D Surendran at the Vigilance Awareness Week program held at HO Auditorium on 28.10.2024.



दिनांक 01.10.2024 को अंचल कार्यालय बेंगलूरु के दौरे के दौरान कार्यपालक निदेशक श्री अशोक चंद्र का अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक श्री महेश पै स्वागत करते हुए। श्री गणेश आर, उप महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय बेंगलूरु और श्री अनंत जल्होना, उप महाप्रबंधक, बेंगलूरु सेंट्रल क्षेत्रीय कार्यालय भी चित्र में नज़र आ रहे हैं।

ED Sri. Ashok Chandra being welcomed by Circle Head and GM Sri. Mahesh M Pai during his visit to Bengaluru CO on 01.10.2024. Sri. Ganesh R, DGM, Bengaluru CO and Sri. Anant Jalhona, DGM, Bengaluru Central RO are also seen in the picture.



Sketch by:
Smt. Manisha Kodialbail
Officer
Mangaluru RO

